www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhusgr@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष –10 । अंक–78 । सागर, बुधवार 7 मई 2025 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

सुविधा शुल्क लेकर फार्म भरने वाले रोजगार सहायक को हटाया, जांच के आदेश पृष्ठ 3

कौन चाहता है युद्ध और क्या हासिल होगा उससे
जातिवार जनगणना से जुड़ी अपार संभावनाएं पृष्ठ 4

बल्देवगढ़ थाने का हवलदार रिश्वत लेते गिरफ्तार पृष्ठ 6

कलेक्टर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का किया सम्मान पृष्ठ 8

मुख्यमंत्री ने जारी किया बोर्ड परिणाम : 15 साल का रिकॉर्ड टूटा, बेहतर नतीजे आए

बेटियों ने फिर किया कमाल, 10वीं में प्रज्ञा, 12वीं में प्रियल अव्वल

- असफल विद्यार्थियों को मिलेगा एक और अवसर
- परीक्षा में नकल की एक भी शिकायत दर्ज नहीं

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश की बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम आज जारी कर दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज पत्रकार वार्ता में परिणामों की घोषणा की। बोर्ड की कक्षा 10 वीं में प्रज्ञा जायसवाल ने बाजी मारी, उन्होंने 5 सौ में से 5 सौ अंक हासिल कर रिकार्ड बनाया। वहीं 12वीं की परीक्षा में सतना की प्रियल द्विवेदी अव्वल रहीं, उन्होंने 500 में से 492 अंक हासिल किए। मध्यप्रदेश 10वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में दूसरे स्थान पर रीवा के आयुष द्विवेदी रहे, जिन्हें 499 अंक प्राप्त हुए। वहीं जबलपुर की शैजाह फातिमा तीसरी टॉपर रहीं जिन्हें 5 सौ में से 498 अंक मिले।

इस बार बोर्ड के परिणामों ने पिछले 15 सालों का रिकॉर्ड टूट गया है, क्योंकि इस साल सबसे बेहतर रिजल्ट रहा है। प्राइवेट स्कूलों के मुकाबले सरकारी स्कूलों के नतीजे ज्यादा बेहतर रहे हैं। इस साल 10वीं का रिजल्ट 76.22 फीसदी रहा और 12वीं का रिजल्ट 74.28 फीसदी रहा. मध्य प्रदेश 10वीं रिजल्ट में 212 स्टूडेंट्स मेरिट लिस्ट में आए हैं जिसमें 144 छात्राएं हैं और सिर्फ 68 स्टूडेंट्स शामिल है। इस साल मध्यप्रदेश बोर्ड की 12वीं की परीक्षाएं 25 फरवरी से 25 मार्च के बीच आयोजित की गई थीं, वहीं 10वीं की परीक्षाएं 27 फरवरी से 21 मार्च तक आयोजित हुई थीं। इस साल 10वीं और 12वीं के कुल 16,60,252 स्टूडेंट्स मध्य प्रदेश बोर्ड की परीक्षाओं में शामिल हुए थे। इसमें 12वीं के 7,06,475 और हाईस्कूल के 9,53,777 स्टूडेंट्स शामिल थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जो विद्यार्थी आज असफल रहे, उन्हें निराश नहीं होना है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लागू नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत असफल विद्यार्थियों को एक बार फिर परीक्षा देने का मौका दिया जाएगा और जो विद्यार्थी अपना स्कोर बढ़ाना चाहते हैं वह भी दोबारा परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने अब कक्षा 10वीं और 12वीं के वे छात्र जो मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाते हैं, उन्हें अगले साल तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। नई शिक्षा नीति के तहत बोर्ड जुलाई/अगस्त में सभी विषयों की पुन: परीक्षा आयोजित करेगा, जिससे छात्रों को अपना शैक्षणिक वर्ष बर्बाद होने से बचाने का मौका मिलेगा। पहले केवल उन्हीं छात्रों को पूरक परीक्षा का अवसर मिलता था जो केवल एक विषय में फेल होते थे। उन्हें 'रुक जाना नहीं' योजना के तहत मध्य प्रदेश राज्य मुक्त ■ शेष पृष्ठ 5 पर

सरकारी स्कूलों का परिणाम निजी स्कूलों से बेहतर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैं गौरवान्वित हूं। आज मन गदगद है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 10वीं और 12वीं में फिर बेटियों ने बाजी मारी है। बेटियां हमारा, मान, सम्मान और गौरव बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस बार पिछले 15 वर्षों का रिकार्ड टूटा है। सिंगरौली की प्रज्ञा जायसवाल ने 10वीं में टॉप किया है। उन्हें 500 में से 500 नंबर मिले हैं। इसी तरह 12वीं में प्रियल द्विवेदी ने टॉप किया है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों का परिणाम निजी स्कूलों से बेहतर रहा। परीक्षा परिणाम में नरसिंहपुर पहले और मंडला दूसरे स्थान पर है। डॉ. यादव ने छात्रों और शिक्षकों को बेहतर परिणाम पर बधाई दी।

शिक्षा मंत्री का नरसिंहपुर जिला रहा टॉप

माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड परीक्षा 10वीं और 12वीं का परिणाम कुछ खास रहा। खास बात यह रही कि स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह का जिला नरसिंहपुर दोनों परीक्षाओं में टॉप पर रहा। जबकि प्रदेश के बड़े शहर भोपाल जबलपुर इंदौर और ग्वालियर टॉप 10 में भी जगह नहीं बना पाए। माध्यमिक शिक्षा मंडल का 10वीं और 12वीं का रिजल्ट मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जारी किया। इस बार का ■ शेष पृष्ठ 5 पर

बेटियां बढ़ा रहीं प्रदेश का मान, सम्मान और गौरव : डॉ. यादव

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इस वर्ष हाईस्कूल परीक्षा में 76.22 प्रतिशत एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा में 74.48 प्रतिशत विद्यार्थियों ने पिछले 15 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए सफलता हासिल की है। यह सफलता लक्ष्य के प्रति समर्पण, अथक परिश्रम और लगन का प्रतिफल है। प्रदेश की प्रतिभाशाली बेटियों ने एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध कर अपने अभिभावकों, शिक्षकों के साथ मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है। बेटियां हमारा, मान, सम्मान और गौरव बढ़ा रही हैं। डॉ. यादव ने आज माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश द्वारा संचालित हाईस्कूल 10वीं एवं हायर सेकेण्डरी 12वीं परीक्षा वर्ष 2024-25 के परिणामों को मुख्यमंत्री निवास से घोषित कर सफल विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अभिभावकगण एवं शिक्षकगणों को भी बधाई दी। डॉ. यादव ने माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा प्रकाशित परीक्षा संचालन मानक प्रक्रिया निर्देशिका का विमोचन भी किया। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, मुख्य सचिव अनुराग जैन, माध्यमिक शिक्षा मण्डल की महानिदेशक श्रीमती स्मिता भारद्वाज उपस्थित रहीं।

यह है प्रदेश के अव्वल विद्यार्थी

इस वर्ष एमपी बोर्ड हाईस्कूल की परीक्षा में प्रज्ञा जायसवाल ने टॉप किया है। प्रज्ञा जायसवाल ने 100 फीसदी अंको के साथ पूरे प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। सिंगरौली की रहने वाली प्रज्ञा ने हाईस्कूल की परीक्षा में अधिकतम अंक हासिल किए हैं। दूसरे स्थान पर रीवा के आयुष द्विवेदी रहे, उन्होंने 499 अंक हासिल किए हैं। वहीं, तीसरे स्थान पर शैजाह फातिमा रहीं। जबलपुर की शैजाह ने 498 अंकों के साथ प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया है। यहां हाईस्कूल के टॉप-5 स्टूडेंट्स की सूची दी गई है। चौथे स्थान पर 500 में से 497 अंकों के साथ सीधी की मानसी साहू और उज्जैन की सुहानी प्रजापति, सतना की शिवांश पांडे और रीवा की अंजली शर्मा रहीं। पांचवें स्थान पर 500 में से 496 वें अंकों के साथ सागर के सुम्बुल खान, दमोह की तरन्नुम रंगरेज, रीवा के अनिमेष वर्मा, सिंगरौली के अनुराग कुमार साहू और नरसिंहपुर की प्राची कौरव रहे।

युद्ध की आशंका के बीच वायु सेना आज और कल युद्धाभ्यास करेगी

पाकिस्तान सीमा के पास हवाई अभ्यास करेगा भारत

- राफेल, सुखोई कई विमान करेंगे युद्धाभ्यास
- इस क्षेत्र में जहाज, ड्रोन के उड़ने पर पाबंदी रहेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है। युद्ध की आशंका के बीच भारतीय वायुसेना भारत-पाक सीमा के दक्षिणी भाग पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले का अभ्यास करेगी। ये हवाई एयर एक्सरसाइज बुधवार और गुरुवार को होगा।

जानकारी के अनुसार, भारत ने भारत-पाकिस्तान सीमा के दक्षिणी भाग पर 7 और 8 मई को होने वाले बड़े पैमाने के हवाई अभ्यास के लिए एयरमेन को नोटिस जारी किया है। यह अभ्यास भारत की नियमित परिचालन तत्परता अभ्यास का हिस्सा है, जिसमें भारतीय वायु सेना राजस्थान में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर युद्धाभ्यास करेगी। नॉटम के अनुसार, यह अभ्यास 7 मई को रात 9:30 बजे शुरू होगा और 8 मई को सुबह 3:00 बजे तक जारी रहेगा। इससे प्रभावित क्षेत्रों में किसी भी जहाज और ड्रोन के उड़ने पर पाबंदी रहेगी।

भारतीय वायुसेना अधिकारी के एक अधिकारी ने कहा कि एयरफोर्स 7 मई से भारत-पाकिस्तान सीमा पर रेगिस्तानी क्षेत्र और आस-पास के इलाकों में युद्धाभ्यास करेगी जिसमें राफेल, मिराज 2000 और सुखोई-30 सहित सभी अग्रणी फाइटर जेट शामिल होंगे। युद्धाभ्यास का समय और स्थान महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस क्षेत्र में हाल ही में सीमा पार की घटनाओं के बाद तनाव बढ़ गया है।

प्रधानमंत्री से मिलने पहुंचे डोभाल

पाकिस्तान से बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उच्च स्तरीय बैठक जारी है। मंगलवार को उनसे मिलने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल प्रधानमंत्री आवास पहुंचे थे। यहां उनकी काफी देर बातचीत हुई है।

मशालें, मोमबत्तियां, नकदी तैयार रखें

गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, नागरिकों को यह हिदायत भी दी जाएगी कि वे मेडिकल किट, राशन, टॉर्च और मोमबत्तियां अपने घरों पर रखें। इसके अलावा कैश भी साथ रखें, क्योंकि इमरजेंसी में मोबाइल और डिजिटल ट्रांजैक्शन फेल हो सकते हैं।

देश के 250 से ज्यादा जिलों में होगी मॉक ड्रिल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के 250 से ज्यादा जिलों में 7 मई बुधवार को एक बड़ी सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल आयोजित की जा रही है। गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिए हैं कि वे इस अभ्यास को गंभीरता से लें और अपनी सुरक्षा तैयारियों को परखें। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में मंगलवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में लोगों की सक्रिय सहभागिता के साथ 'मॉक' अभ्यास करने पर विस्तार से चर्चा की गई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच उभरे ''नए और जटिल खतरों'' को देखते हुए गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों से बुधवार को मॉक ड्रिल करने को कहा है। सभी राज्यों में अधिकारी मॉक ड्रिल के दौरान शिक्षण संस्थानों के छात्रों, सरकारी और निजी संस्थानों के कर्मचारियों, अस्पताल कर्मचारियों, रेलवे और मेट्रो अधिकारियों के अलावा पुलिस, अर्धसैनिक और रक्षा बलों के वर्दीधारी कर्मियों को भी शामिल करेंगे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक, कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर लगी मुहर

नक्सल प्रभावित बालाघाट, मण्डला एवं डिण्डोरी में विशेष सहयोगी दस्ते गठित होंगे, साढ़े 8 सौ पद स्वीकृत

- पैरा-ओलम्पिक में पदक विजेता खिलाड़ियों को 50 लाख की अतिरिक्त राशि दिये जाने का अनुमोदन
- प्रकरणों के निराकरण के लिए केंद्रीयकृत पेंशन सेल का गठन होगा
- नव गठित जिलों में आपूर्ति कार्यालय और नाप-तौल कार्यालय स्थापित होंगे

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के नक्सल प्रभावित 3 जिलों बालाघाट, मण्डला एवं डिण्डोरी में विशेष सहयोगी दस्ते के लिये 850 पद स्वीकृत किए गए हैं। इन पदों पर ऐसे लोगों की भर्ती की जाएगी जो नक्सली गतिविधियों को नियंत्रित करने में सहयोग करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आज हुई मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए हैं। पैरा-ओलम्पिक में पदक विजेता खिलाड़ियों को 50-50 लाख रूपये की अतिरिक्त राशि दिये जाने का अनुमोदन भी किया गया। मुख्यमंत्री की घोषणा के क्रियान्वयन के लिए पैरा-ओलम्पिक-2024 में कांस्य पदक विजेता खिलाडियों को 50 लाख रूपये की अतिरिक्त राशि दी जाएगी, जिससे कुल सम्मान राशि 1 करोड़ रूपये हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा पैरा-ओलम्पिक खिलाडी सुश्री रूबिना फ्रांसिस और कपिल परमार को पैरा-ओलम्पिक खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर 1 करोड़ रूपये की सम्मान राशि देने की घोषणा की थी। पेरिस, फ्रांस में आयोजित पैरा ओलम्पिक खेल, 28 अगस्त से 8 सितंबर 2024 में म.प्र. की खिलाडी सुश्री रूबिना फ्रांसिस ने शूटिंग खेल

में कांस्य पदक एवं कपिल परमार ने ब्लाइंड जुडो खेल में कांस्य पदक अर्जित किया था। श्री वियजवर्गीय ने बताया कि सरकार ने पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए राज्य केंद्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल का गठन करने के निर्णय को स्वीकृति दी गई। राज्य केंद्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल को पेंशन प्रकरणों के निराकरण से संबंधित समस्त प्रक्रिया के लिए अधिकृत किया जायेगा। उन्होंने बताया कि संभागीय और जिला स्तर के कार्यालयों तथा सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों की सुविधा के लिए अस्थायी रूप से 2 वर्ष के लिए वर्तमान संभागीय और जिला पेंशन कार्यालयों को पेंशन समाधान केन्द्र के रूप में सीमित संरचना के साथ रखा जायेगा। पदों का युक्तियुक्तकरण किया जायेगा। इससे राज्य शासन ■ शेष पृष्ठ 5 पर

साडा के नियंत्रण से मुक्त होगा पचमढ़ी

श्री विजयवर्गीय ने बताया कि पर्यटन स्थल पचमढ़ी को विकसित करने के लिए सरकार ने पचमढ़ी नगर की नजूल भूमि को अभयारण्य की सीमा से पृथक किये जाने का निर्णय लिया गया। पचमढ़ी नगर का नजूल क्षेत्र जिसका रकबा 395.931 हेक्टेयर है, जो साडा के प्रशासनिक नियंत्रण में है, अब पचमढ़ी अभयारण्य की सीमा से बाहर करने का निर्णय लिया गया है। इसके पूर्व अधिसूचना 22 दिसम्बर 2017 द्वारा पचमढ़ी अभयारण्य की परिधि पर स्थित 11 ग्रामों को अभयारण्य से बाहर किया गया है।

पूर्व मंत्री जनार्दन रेड्डी को सात साल की सजा

- अवैध खनन केस में दी गई सजा

बेंगलुरु, 6 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मंत्री गली जनार्दन रेड्डी और तीन अन्य लोगों को एक विशेष अदालत ने सात साल की सजा सुनाई है। यह सजा उन्हें ओबुलापुरम अवैध खनन केस में दी गई है। वहीं कोर्ट का फैसला आते ही सीबीआई की टीम ने जनार्दन रेड्डी और बाकी दोषियों को अपनी हिरासत में ले लिया। यह मामला सालों पुराना है, जिसमें जनार्दन रेड्डी और उनके साथियों पर आरोप था कि उन्होंने नियमों का उल्लंघन कर के गैरकानूनी तरीके से खनन किया और करोड़ों रुपये का नुकसान सरकार को पहुंचाया।

इस केस में जांच एजेंसियों ने बताया कि जनार्दन रेड्डी की कंपनी ने सीमा के बाहर जाकर भी खनन किया और इसके लिए जरूरी अनुमति नहीं ली थी। इससे पर्यावरण को भी भारी नुकसान हुआ। अब कोर्ट ने माना कि पूर्व मंत्री और उनके साथियों ने कानून तोड़ा और इसलिए उन्हें सात साल की कैद और जुर्माना भी भरना होगा। पूर्व मंत्री रेड्डी पर भारत में घोटाला कर उन पैसों का कई देशों में निवेश करने का आरोप है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पांच सितंबर 2011 को रेड्डी और उनके रिश्तेदार बी.वी श्रीनिवास रेड्डी को बेल्लारी से गिरफ्तार किया था। श्रीनिवास रेड्डी ओबलापुरम माइनिंग कंपनी (ओएमसी) के प्रबंध निदेशक थे। इस कंपनी पर खनन पट्टे के सीमांकन को बदलने और बेल्लारी आरक्षित वन क्षेत्र में अवैध खनन करने का आरोप है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बायो-फ्यूल योजना क्रियान्वयन के लिए उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन

भोपाल, देशबन्धु। राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में प्रदेश में बायो-फ्यूल परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया है। समिति में सचिव वन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, नगरीय विकास एवं आवास, पशुपालन एवं डेयरी, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास एवं रोजगार सदस्य होंगे। सचिव, नवीन एवं नवकरणीय उर्जा को सदस्य सचिव बनाया गया है। उच्चाधिकार समिति मुख्यत: बायो-फ्यूल योजना की कंडिका 10.2 के अंतर्गत, भूमि सबंधी निर्धारित मानदडों में छूट प्रदान करना, म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट के सग्रंहण और बायो-फ्यूल उत्पादकों तक इसके सुगम पहुंच के लिए आवश्यक रूपरेखा तैयार करना, कृषि उपज मंडी के अपशिष्ट की उपलब्धता बायो-फ्यूल उत्पादकों को सुनिश्चित कराना, गोबर की उपलब्धता बायोफ्यूल उत्पादकों को सुनिश्चित कराना, राज्य में कार्यरत सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों को बायो-सीएनजी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना, किसानों में फार्मेटेड ऑर्गेनिक मैन्योर के उपयोग को बढावा देना और सेक्टर में कौशल प्रशिक्षण की व्यवस्था करना जैसे कार्य करेगी।

अदालत

सुप्रीम कोर्ट के जज की बड़ी टिप्पणी

"आरक्षण रेलगाड़ी के डिब्बे जैसा है, जो लोग इसमें चढ़ गए वे दूसरों को घुसने देना नहीं चाहते"

नई दिल्ली। देश में जाति आधारित आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के जज की अहम टिप्पणी सामने आई है। जज ने कहा कि रिजर्वेशन रेलगाड़ी के डिब्बे जैसा हो गया है और जो लोग इस डिब्बे में चढ़ते हैं, वे दूसरों को इसमें नहीं घुसने देना चाहते।

ओबीसी आरक्षण को लेकर की टिप्पणी-सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस सूर्यकांत ने महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण से संबंधित एक मामले की सुनवाई करते हुए ये टिप्पणियां कीं। बता दें कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव आखिरी बार 2016-2017 में हुए थे। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के उम्मीदवारों के लिए कोटा को लेकर कानूनी लड़ाई में पदों पर देरी का मुख्य कारण रहा था। 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत कोटा लागू करने के महाराष्ट्र सरकार के अध्यादेश को रद कर दिया।

याचिकाकर्ता ने क्या दी थी दलील?-याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने दलील दी कि राज्य के बंठिया आयोग ने स्थानीय निकाय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण दिया, बिना यह पता लगाए कि वे राजनीतिक रूप से पिछड़े हैं या नहीं। उन्होंने तर्क दिया कि राजनीतिक पिछड़ापन सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन से अलग है और ओबीसी को स्वचालित रूप से राजनीतिक रूप से पिछड़ा नहीं माना जा सकता। बात यह है कि इस देश में आरक्षण का कारोबार रेलवे की तरह हो गया है। जो लोग बोगी में घुस गए हैं, वे नहीं चाहते कि कोई और घुसे। यही पूरा खेल है। याचिकाकर्ता का भी यही खेल है। इस पर शंकरनारायणन ने कहा कि अब इसके पीछे भी बोगियां जोड़ी जा रही हैं। **आरक्षण के कारण स्थानीय निकायों के चुनाव में देरी क्यों?**-न्यायमूर्ति कांत ने मौखिक रूप से कहा कि जब आप समावेशिता के सिद्धांत का पालन करते हैं, तो राज्य अधिक वर्गों की पहचान करने के लिए बाध्य होते हैं। सामाजिक रूप से पिछड़ा वर्ग, राजनीतिक रूप से पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग होगा। उन्हें लाभ से वंचित क्यों रखा जाना चाहिए? इसे एक विशेष परिवार या समूहों तक ही सीमित क्यों रखा जाना चाहिए? सुनवाई के दौरान, पीठ ने कहा कि महाराष्ट्र राज्य में स्थानीय निकायों के लंबे समय से लंबित चुनावों को ओबीसी आरक्षण के मुद्दे के कारण और विलंबित नहीं किया जा सकता है।

देश में जीवन प्रत्याशा बढ़कर 72 वर्ष हुई

मानव विकास सूचकांक में 130 वें स्थान पर भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, आयुष्मान भारत, जननी सुरक्षा योजना और पोषण अभियान जैसी सरकारी राष्ट्रीय योजनाओं,अभियानों और कार्यक्रमों से 193 देशों के वैश्विक मानव सूचकांक में भारत 130 वें स्थान पर पहुंच गया है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की मंगलवार को जारी रिपोर्ट ए मैटर ऑफ चॉइस: पीपुल एंड पॉसिबिलिटीज इन द एज ऑफ एआई में कहा गया है कि वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की मानव विकास प्रगति जारी और मानव विकास निरंतर प्रगति कर रहा है तथा 193 देशों में 133 वें स्थान से बढ़कर 130 वें स्थान पर आ गया है। रिपोर्ट के अनुसार भारत का मानव विकास सूचकांक वर्ष 2022 में 0.676 से बढ़कर वर्ष 2023 में 0.685 हो गया। इससे देश मध्यम मानव विकास श्रेणी में आ गया है। भारत जल्दी जो उच्च मानव विकास 0.700 के करीब पहुंच जाएगा। देश में जीवन प्रत्याशा वर्ष 1990 में 58.6 वर्ष से बढ़कर वर्ष 2023 में 72 वर्ष हो गई है, जो सूचकांक शुरू होने के बाद से अब तक का सबसे अधिक रिकॉर्ड है।

देश मध्यम मानव विकास श्रेणी में आया

रिपोर्ट में कहा गया है कि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, आयुष्मान भारत, जननी सुरक्षा योजना और पोषण अभियान जैसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विशेष रूप से स्कूली शिक्षा के औसत वर्षों और प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय में वृद्धि हुई है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की भारत में रेजिडेंट प्रतिनिधि एंजेला लुसिगी ने कहा ने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास, सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने के साथ, भारत समावेशी विकास और मानव विकास पर निरंतर प्रगति हासिल करने के लिए अच्छी स्थिति में है। वर्ष 1990 के बाद से भारत के मानव विकास सूचकांक में 53 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जो वैश्विक और दक्षिण एशियाई औसत ■ शेष पृष्ठ 5 पर

भारत में असमानता चुनौती बनी हुई

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में असमानता चुनौती बनी हुई हैं। हालांकि स्वास्थ्य और शिक्षा असमानता में सुधार हुआ है लेकिन आय और लिंग असमानताएं महत्वपूर्ण बनी हुई हैं। महिला श्रम शक्ति भागीदारी और राजनीतिक प्रतिनिधित्व पिछड़ा हुआ है।

सार-समाचार

बरौदियाकलां की बेटी शीतल प्रदेश की मेरिट सूची में

मालथौन, देशबन्धु। शास. उच्च. माध्य. विद्यालय बरौदिया कलां की प्रतिभाशाली छात्रा शीतल श्रीवास्तव ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। हायर सेकेंड्री परीक्षा वर्ष 2025 के गणित संकाय में प्रदेश की प्रवीण्य सूची में 10 वां स्थान हासिल कर अपने परिवार एवं विद्यालय नगर तथा जिले का मान बढ़ाया है। शीतल को 500 अंकों में से 482 अंक प्राप्त हुये। प्रदेश की मेरिट सूची में दसवां स्थान हासिल कर शीतल ने न केवल अपने विद्यालय और परिवार का गौरव बढ़ाया है, बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। अपनी इस शानदार सफलता का श्रेय शीतल ने अपने गुरुजनों, माता-पिता और परिवारजनों को दिया है, जिनके निरंतर प्रोत्साहन और मार्गदर्शन ने उन्हें यह मुकाम हासिल करने में मदद की। शीतल का मानना है कि सफलता के लिये बेसिक्स पर मजबूत पकड़ होना अत्यंत आवश्यक है और उन्होंने अपनी पढ़ाई के दौरान इसी मंत्र को अपनाया। शीतल के पिता सुधीर श्रीवास्तव जो स्वयं एक शिक्षक हैं, अपनी बेटी की इस उपलब्धि से बेहद खुश हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने हमेशा शीतल को प्रेरित किया और उसकी शिक्षा में हर संभव सहयोग दिया। उनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि शीतल आज इस शिखर पर पहुंची हैं। सभी ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मॉडल स्कूल में 12 वी में शिवानी और 10 वीं में दीपा प्रथम

शाहगढ़, देशबन्धु। शास. माडल उच्च. माध्य. विद्यालय की कक्षा 10 वी का वार्षिक परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। वहीं 12वीं का 90 प्रतिशत रिजल्ट रहा। विद्यालय में प्रथम दीपा प्रजापति ने 93 प्रतिशत द्वितीय अनामिका अहिरवार 92. 6 प्रतिशत और तृतीय स्थान निधि यादव 91.2 प्रतिशत इसके अलावा कक्षा 12वी में प्रथम शिवानी विश्वकर्मा 86.6 प्रतिशत, द्वितीय आलोक विश्वकर्मा 86 प्रतिशत, तृतीय राधा देवी यादव 84.6 प्रतिशत अंकों के साथ अपना स्थान बनाकर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्राचार्य केशव सोनी ने विद्यालय के शत प्रतिशत अच्छे रिजल्ट को लेकर सभी स्टाफ की मेहनत बताई उन्होनें सभी छात्र-छात्राओं को भी शुभकामनायें दी।

छात्र जीवन में उच्चतम मूल्यों को प्राप्त करे: डॉ पिंपलापुरे

सागर, देशबन्धु। सीआर मॉडल बहु.उ.मा. विद्यालय के विगत दिवस माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ जिसमें विद्यालय का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा, कक्षा 12वीं कुल 96 प्रतिशत जिसमें 32 छात्रों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त किया एवं कक्षा 10 वीं 86 प्रतिशत जिसमें 37 छात्रों ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्णी हुये, कक्षा 10वीं का छात्र प्रिंस साहू ने 82 प्रतिशत, कक्षा 12वीं विज्ञान संकाय छात्र हर्ष गुसाह ने 79 प्रतिशत, तनीष सोनी 79 प्रतिशत एवं कॉमर्स संकाय केशव अहिरवार 77 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शाला का नाम रोशन किया। इस सफलता पर बधाई देते हुये विद्या प्रसारणी सभा के अध्यक्ष एवं समाजसेविका डॉ. मीना पिंपलापुरे ने छात्रों का नियमित अध्यापन एवं परिश्रम प्रसंशनीय है। इस परीक्षा परिणाम पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। साथ ही उन्होंने सभी छात्रों बधाई देते हुये समस्त शाला परिवार को उनके उत्कृष्ट परिणाम के लिये अपनी शुभकामनायें प्रेषित की।

कार से टकराया छात्राओं से भरा ऑटो, 4 घायल

सागर, देशबन्धु। गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र के बड़े पुल के पास मंगलवार को एक ऑटो रिक्शा बेकाबू होकर आगे चल रही कार से टकरा गया। हादसे में ऑटो में सवार कॉलेज की चार छात्रायें और चालक घायल हो गये। दो छात्राओं की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। घटना के समय कृषि महाविद्यालय रनगुवां की छात्रायें गढ़ाकोटा के बाजार से खरीदारी कर कॉलेज लौट रही थी। ऑटो में चालक समेत कुल छह लोग सवार थे। बड़े पुल के पास अचानक ऑटो बेकाबू होकर आगे चल रही कार से टकरा गया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गढ़ाकोटा पहुंचाया। भारती शर्मा और रितू को हाथ और सिर में गंभीर चोटें आने के कारण जिला अस्पताल रेफर किया गया। शेष घायलों को मामूली चोटें आई हैं, जिनका इलाज स्वास्थ्य केंद्र पर ही किया गया। सड़क दुर्घटना में घायल छह लोगों में से चार कॉलेज की छात्रायें थी। दो गंभीर घायलों को रेफर किया है, जबकि शेष का इलाज स्वास्थ्य केंद्र पर किया गया।

बिना अनुमति धड़ल्ले से चल रहा अवैध ईंट भट्टों का कारोबार

गांव में आग लगने की घटनाओं की वजह बने ईंट भट्टे

प्रकाश चंद जैन

शाहगढ़, देशबन्धु। क्षेत्र में इन दिनों अवैध ईट भट्ठों का संचालन जोर शोर चल रहा है। संचालकों द्वारा न तो खनिज नीति का पालन किया जा रहा है और न ही स्थानीय निवासियों की स्वास्थ्य की कोई चिंता। बाहर से मजदूर बुलाकर अथवा खुद के मकान निर्माण के झूठ का सहारा लेकर बनाई जा रही गुणवत्ताहीन ईंट से मोटी रकम कमा रहे हैं। नदी नहर किनारे, खेतों के आसपास के इलाकों में बड़ी मात्र में छोटे-बड़े ईंटों का भट्ठा लगाया गया है। क्षेत्र में निजी निर्माण के अलावा शासकीय कार्यों के लिये इसका उपयोग हो रहा है, जिसके लिये खनिज विभाग से किसी प्रकार की अनुमति नहीं ली गई है न ही रहती है। अदावन, तारपोह, कानीखेड़ी, अमरपुर दतया, तिगोड़ा, हीरापुर सहित शाहगढ़ अमरमऊ में बिना अनुमति ईट भट्ठा लगाये जाते हैं, ईट भट्टा लगाने वन कर्मी के सहयोग से जंगल की लकड़ी सुलभता से उपलब्ध हों जाती हैं, आपको बता दें कि नियमानुसार 25 हजार तक ईंट बनाने के लिये तहसीलदार व 50 हजार या इससे अधिक ईंट निर्माण के लिये खनिज विभाग के अनुमति लेना होता है, लेकिन आसपास ग्रामीण अंचलों कई ईट भट्ठे लगाये जा चुके हैं और लगाये भी जा रहे हैं, लेकिन स्थानीय प्रशासन इन अवैध भट्ठों पर अंकुश लगाने में सफल नहीं हो पा रहा है और न ही किसी प्रकार की कोई कार्यवाही कर रहे हैं। ईंट की भट्टी से दहक रही आग ने कई घर तक जला दिये। नगर सहित कई गावों में धड़ल्ले से ईंट भट्ठों के चल रहे भट्ठों की जानकारी गांव के सचिव सरपंच से लेकर खनिज, वन और राजस्व विभाग होती तो है लेकिन कार्यवाही अभी तक नहीं हुई। विभागीय की ओर से कसावट नहीं होने के कारण ईट भट्ठों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। गांवों में ईट भट्ठा में शामिल कुछ दबंग लोगों की आड़ में खेतों खलिहानों में ईट निर्माण होने लगा है। यह सिलसिला हर वर्ष देखने को मिलता है।

> गावों में हो रही खेतों में नरवाई और ईट भट्ठा से होने वाली आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिये अपराधिक मामले दर्ज किये जा रहे हैं, तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज हों चुकी है, शेष प्रकरण में जांच हों रही है वहीं क्षेत्र में चल रहे अवैध खनन ईट भट्ठा की जानकारी जुटाई जा रही हैं उन पर भी कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही हैं।
>
> **-जीसी राय, तहसीलदार शाहगढ़**

धुएं में फैल रही जहरीली हवा

कुछ लोग ईंट को पकाने के लिये उच्च स्तरीय कोयले का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन राशि बचाने के चक्कर में कुछ लोग ईट को जंगल से काटी गई अवैध लकड़ी से पकाते हैं। जानकर बताते हैं कि भट्ठे से उठने वाला धुआं पर्यावरण सहित आबादी में लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर भी डालता है।

किसी भट्टा के पास नहीं है अनापत्ति प्रमाण-पत्र

क्षेत्र में संचालित ईंट भट्ठा किसी भी संचालकों ने खनिज विभाग से एनओसी नहीं ली है। साथ ही पर्यावरण विभाग से भी अनुमति नहीं ली गई है। बावजूद इसके जांच या कार्यवाही नहीं होने से संचालकों की मनमानी बढ़ती जा रही है। इस तरह अवैध भट्ठा संचालन से सरकार को रायल्टी का नुकसान भी पहुंचा रहे हैं। अवैध ईट भट्ठा को जंगल की लकड़ी कहा से उपलब्ध कराई जा रही इस संबध में वन विभाग की रेंजर अंजू वर्मा से संपर्क किया तो उन्होनें गंभीरता नही दिखाई और फोन काट दिया। वहीं खनिज विभाग की अधिकारी अंकिता मलाबी ने भी अवैध खनन ईट भट्ठा को लेकर कुछ नही कहा।

अदावन, तारपोह में आग की वजह बने ईट भट्टे के 3 मालिकों पर मामला दर्ज

हाल ही आई तेज आंधी से क्षेत्र के कई हिस्सों में जनहानि हुई और जिला प्रशासन ने नरवाई जलाने वालों पर मामला दर्ज करने के निर्देश जारी कर दिये। शाहगढ़ क्षेत्र में मामला दर्ज होने की शुरुआत अदावन गांव से हुई यहां के रहने वाले ओकेश पिता नन्हें साहू के लगे ईट भट्ठा से निकली आग हवा के साथ कई हिस्सों फैली, ऐसे ही सोमवार को तारपोह में गब्बर बंसल सहित अन्य घरों में आग की वजह ईट भट्ठा बना भट्ठा के मालिक खिलान साहू और स्वामी यादव दोनों पर भी धारा 223ख का मामला दर्ज कराया गया है। इसके अलावा सेमरा सनोधा, कानीखेड़ी कला, अमरपुर दतया, गुगरा, बरेठी रामपुर, सादपुर, के खेतों घरों में लगीं आग के संबंध में शाहगढ़ तहसीलदार जीसी राय ने संबंधित थाना विनायका, बंडा, बरायठा और बराज चौकी अंतर्गत जांच कर प्राथमिकी दर्ज कराई जानें की कार्यवाही प्रस्तावित की।

पेयजल की समस्या निराकरण कराने पार्षद ने वार्डवासियों के साथ दिया ज्ञापन

बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान झुंकू वार्ड और पटेल वार्ड के रहवासी

देवरी, देशबन्धु। जिले की तहसील देवरी के नगरपालिका अंतर्गत पटेल वार्ड एवं झुंकू वार्ड के सिलारी एरिया, बरिया मुहल्ला एरिया में पीने के पानी की भारी समस्या बनी हुई है जल सपलाई के समय सिर्फ नलो में हवा आती है पानी नहीं आता, जिसके बाद भी वार्ड के लोग जल का नगर पालिका में कर भी हर महीने भरते है पर नपा प्रशासन द्वारा पेयजल समस्या अब तक हल नहीं की गई, समस्या को लेकर वार्डवासियो एवं पटेल वार्ड पार्षद ने कई बार लोगों के साथ अनुविभागीय अधिकारी को पत्र के माध्यम से लिखित शिकायत की, मगर अधिकारियों ने कोई सुध नहीं ली। जबकि कलेक्टर ने पूरे जिले में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये है की जिस ग्राम या शहर के वार्ड या अन्य जगह पानी की किल्लत है वहा प्रशासन तुरंत लोगों को पानी की व्यवस्था करें, पानी की समस्या ना हो मगर जिले के मुखिया का आदेश देवरी नगर पालिका में लागू नहीं किया जा रहा है ओर पटेल वार्ड एवं झुंकू वार्ड की जनता पेयजल समस्या से जूझ रही है। करीब 1 किलोमीटर दूर से लोगों को पानी लाना पड़ रहा है जिससे नाराज एवं परेशान होकर दोनों वार्डवासियो ने सैकड़ो की संख्या में पटेल वार्ड के पार्षद त्रिवेंद्र जाट के साथ अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौपा, जिसमें मांग की गई की झुनकू वार्ड में बनी बीआरसी ऑफिस के बाजू में पानी टंकी से पटेल वार्ड एवं झुनकू वार्ड के एरिया को जल सप्लाई से जोड़कर इसी टंकी से पानी दिया जाये जब तक बीआरसी टंकी से नहीं जोड़ा जाता तब तक इन दोनों एरिया में बुधवार से प्रतिदिन 2 टेंकर से नपा द्वारा जल सप्लाई दी जाये जिससे वार्ड वासियों की पेयजल समस्या हल हो सके, कांग्रेस पार्षद ने 7 दिवस मे प्रशासन को समस्या हल करने का समय दिया है। अन्यथा पुन: सैकड़ो कि संख्या में वार्डवासी अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय के बाहर धरना देंगे।

> पटेल वार्ड के पार्षद के साथ झुनकू वार्ड एवं पटेल वार्ड के लोगों द्वारा कलेक्टर के नाम का ज्ञापन दिया है जो सागर प्रेषित कर दिया जायेगा एवं पेयजल समस्या को लेकर नपा को पत्र भेजकर इस एरिया में प्रतिदिन जल सप्लाई कराने टेंकर भेजनें के संबंध में निर्देश दूंगा।
>
> **-राम राज चौधरी, नायब तहसीलदार देवरी**
>
> बरिया मोहल्ला एरिया में पानी नहीं आने के कारण 1 किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ रहा है।
>
> **-नेहा जाटव, वार्ड वासी पटेल वार्ड**
>
> ग्रीष्मकालीन समय के तीन माह हम लोगो को पानी कि बहुत किल्लत होती है कई बार लिखित आवेदन ओर 181 पर शिकायत कि पर समस्या हल नही हुई।
>
> **-क्रांति जाटव वार्डवासी झुनकू वार्ड**

18 साल के युवक ने चुपके से जीजा की बाइक चलाई, ट्रक की टक्कर से मौत

बीना, देशबन्धु। मंगलवार को एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई। परिजनों ने युवक को तत्काल लेकर सिविल अस्पताल पहुंचे। जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल को सागर रेफर कर दिया। हालांकि रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। बीना थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पोस्टमॉर्टम के लिये जिला अस्पताल भेजा है। जानकारी के अनुसार मृतक माखन पिता मंगल आदिवासी निवासी अंडेला मालथौन अपनी बहन के घर कनखर आया हुआ था। मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे माखन ने बिना बताये जीजा की बाइक ली और बिहरना की ओर निकल गया। इसी दौरान रास्ते में एक ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में उसका एक हाथ कटकर अलग हो गया और वह बाइक समेत गिर पड़ा। जब जीजा संतराम ने माखन को फोन किया, तो किसी अन्य व्यक्ति ने फोन उठाकर दुर्घटना की सूचना दी। घायल माखन को तुरंत बीना के सिविल अस्पताल लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे सागर रेफर कर दिया। लेकिन सागर ले जाने से पहले ही बीना अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

जनपद पंचायत में मनाई गई आदिगुरु आचार्य शंकर की जयंती

राहतगढ़, देशबन्धु। मप्र जन अभियान परिषद के द्वारा जनपद पंचायत सभागार में आदिगुरु आचार्य शंकर की व्याख्यानमाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें वरिष्ठ समाजसेवी खंड वाहक जीवन लाल चौरसिया, पं. कौशल किशोर कन्हौआ के द्वारा आचार्य शंकर के चित्र पर पूजन व माल्यार्पण किया गया। मुख्य अतिथियो का स्वागत पुष्प मालाओ से नवांकुर संस्थाओ के प्रमुख शैतान सिंह राजपूत, अरविंद कुशवाहा, तीरथ सिंह लोधी, अशोक पटैल, विकास दीक्षित एवं परामर्शदाताओं के द्वारा किया गया। सर्व प्रथम पं. कौशल किशोर कन्हौआ ने आचार्य शंकर के जीवन का परिचय देते हुए उनके विश्व को दिया गया योगदान पर व्याख्यान दिया। जीवन लाल चौरसिया के द्वारा आचार्य शंकर के जीवन से जुड़ी घटनाओं के संबंध में विस्तार से व्याख्यान दिया। ब्लॉक समन्वयक हरिराम अहिरवार के द्वारा आचार्य शंकर के जीवन पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर प्रस्फुटन समितियों के सदस्य परामर्शदाता शरद भारद्वाज, राजीव नामदेव, सौरभ गोस्वामी, समीक्षा सोनी, देवकिनदंन कुर्मी, मोहित कोरी एवं समस्त छात्र-छात्रायें उपस्थित रहें।

जनसुनवाई में हुई 181 आवेदनों पर कार्यवाही

सागर, देशबन्धु। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई हुई। जिले के 181 आवेदकों के प्रकरणों में सुनवाई कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की गई। जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर संदीप जी आर, जिला पंचायत सीईओ विवेक केवी, संयुक्त कलेक्टर आरती यादव सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

प्रलेस ने गीतकार बिहारी सागर का सम्मान किया

सागर, देशबन्धु। प्रगतिशील लेखक संघ सागर इकाई के द्वारा फुसकेले निवास पर गोष्ठी आयोजित हुई। गोष्ठी में गीतकार बिहारी सागर की प्रकाशित पुस्तकों पर उद्बोधन पीआर मलैया, टीकाराम त्रिपाठी पेट्रिस फुसकेले द्वारा दिया गया। बुन्देली गीतकार बिहारी सागर की काव्य में अटूट लगन एवं विपन्नता में रहते हुये भी अपनी 9 किताबें को प्रकाशित करने का साहस के लिये गीतकार बिहारी सागर का शाल श्रीफल एवं माला पहनाई जाकर अभिनंदन कर स्वागत किया। द्वितीय सत्र में काव्य पाठ हुआ। काव्य पाठ का संचालन सतीश पांडे के द्वारा किया गया। काव्य पाठ में रचनायें डॉ. गजाधर सागर, वृंदावन राय सरल, कैलाश तिवारी विकल, लक्ष्मी नारायण चौरसिया, हरगोविंद विश्व, केएल तिवारी अलबेला, डॉ. नमृता फुसकेले, सतीश पांडे, ममता भूरिया, अमित आठिया, पूरन सिंह राजपूत, डॉ. अनिल जैन, निरंजन जैन, एम शरीफ, डॉ. महेंद्र खरे, ज्योति झुड़ेले, मनी देव सिंह ठाकुर, डॉ. नलिन जैन, मुकेश तिवारी, पेट्रिस फुसकेले, आशा जैन, क्रांति जबलपुर, पीआर मलैया, आनंद मिश्र अकेला, देवेंद्र सिंघई, रामकिशन रजक, श्रीचंद जैन इत्यादि ने रचना पाठ किया। पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष लोगों की हत्या किये जाने पर रोष व्यक्त किया गया एवं श्रद्धांजलि दी गई।

ग्रीष्मकालीन अवकाश में बगैर अर्जित अवकाश के प्रशिक्षण शिक्षकों का शोषण : उपाध्याय

सागर, देशबन्धु। मप्र राज्य कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष अवधेश कुमार उपाध्याय व कोषाध्यक्ष राजशेखर सेन ने ग्रीष्मकालीन अवकाश में शिक्षकों को बगैर अर्जित अवकाश के प्रशिक्षण आयोजित किये जाने को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी से मुलाकात की। जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि मैं इसको दिखवाता हूं अभी मैं बहुत आवश्यक कार्य से जा रहा हूं इतना कहकर आगे बढ़ गये। फिर संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग के समक्ष इस समस्या को रखा तो उन्होंने कहा कि ये आदेश राज्य शिक्षा केन्द्र और लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल से आते हैं। आप वो आदेश भी इसमें संलग्न करें जिससे मैं भोपाल को इस समस्या से अवगत करा दूंगा।

भोपाल से जारी हुये प्रशिक्षण के आदेश को प्राप्त करने के लिये जब संगठन जिला परियोजना केन्द्र डीपीसी कार्यालय पहुंचा तो वहां बताया गया कि डाइट सागर से हमारे कार्यालय आदेश नहीं आते बल्कि सीधे जनपद शिक्षा केन्द्र आदेश पहुंचते हैं आप आदेश जनपद शिक्षा केन्द्र से आदेश प्राप्त करें। संगठन जनपद शिक्षा केन्द्र पहुंचा, जनपद शिक्षा केन्द्र में प्रशिक्षण प्रभारी बीएसी राघवेन्द्र सिंह राजपूत से जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान सागर एवं राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान मप्र सीएम राईज भवन बोर्ड परिसर भोपाल का आदेश प्राप्त हुआ।

भोपाल से प्राथमिक/ माध्यमिक प्रधानाध्यापकों का लीडरशिप आधारित 5 दिवसीय प्रशिक्षण 7 अप्रैल 2025 से शैक्षणिक सत्र में आरंभ होना था, लेकिन जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान सागर द्वारा प्रशिक्षण 21 अप्रैल से आरंभ किये गये। 1 मई से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षकों के ग्रीष्मकालीन अवकाश आरंभ हो गए जो 30 मई तक रहेगें। ग्रीष्मकालीन अवकाश में अगर शिक्षकों की किसी भी प्रकार से शासकीय कार्य लिया जाता है तो अवकाश के एवज में अर्जित अवकाश की पात्रता 15 दिवस तक कलेक्टर और 15 दिन से अधिक पर विभागाध्यक्ष के आदेश पर मिलता है। लेकिन यह प्रशिक्षण आदेश न ही कलेक्टर द्वारा और न ही विभागाध्यक्ष द्वारा जारी किया गया। संगठन ने बताया कि इस तरह शिक्षकों का शोषण किया जाता है तो विभाग के अधिकारियों को अवगत कराते हुये संगठन न्यायालय जाने को बाध्य होगा।

बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए 2.16 करोड़ स्वीकृत

सागर, देशबन्धु। विधायक शैलेंद्र जैन ने शास. कन्या उत्कृष्ट महाविद्यालय के नवीन भवन की बाउंड्री वाल के निर्माण के लिये प्रस्ताव उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार को दिया था, मंगलवार को मंत्री श्री परमार ने विधायक जैन को 2 करोड़ 19 लाख की स्वीकृति की जानकारी दी, उल्लेखनीय है कि विधायक जैन के प्रयासों से लगभग 13 करोड़ रुपये की लागत से शासकीय कन्या उत्कृष्ट महाविद्यालय का नवीन भवन तैयार किया गया है परंतु भवन में बाउंड्री वाल न होने के कारण अभी असुरक्षा का भाव बना रहता है, चूंकि इस महाविद्यालय की छात्राओं की संख्या काफी ज्यादा है इसलिये कुछ विभाग पुराने भवन और कुछ विभाग यहां संचालित किये जा रहे हैं, विधायक ने मंत्री श्री परमार का धन्यवाद व्यक्त किया और महाविद्यालय परिवार को इस उपलब्धि की बधाई दी।

नगर पालिका में 4 माह बाद पीआईसी की बैठक, 85 प्रस्तावों पर बनीं सर्वसम्मति

बीना, देशबन्धु। नगर पालिका में मंगलवार शाम को चार माह के अंतराल के बाद पीआईसी की बैठक हुई। नपाध्यक्ष लता सकवार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सभी 85 प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। बैठक में नवनियुक्त सदस्य भारती राय, रजनी साहू और रश्मि कुशवाहा के साथ संतोष राय और जितेंद्र बोहरे उपस्थित रहे। सीएमओ रामप्रकाश जगनेरिया ने सदस्यों के समक्ष पीआईसी का एजेंडा प्रस्तुत किया। प्रमुख प्रस्तावों में विभिन्न वार्डों में सड़क और नाली निर्माण शामिल थे। इनमें चंद्रशेखर वार्ड, गणेश वार्ड, प्रताप वार्ड, गांधी वार्ड, राम वार्ड और इंदिरा गांधी वार्ड प्रमुख हैं। साथ ही वीर सावरकर वार्ड, सुभाष वार्ड, कानूनगो वार्ड, जवाहर वार्ड, भगत सिंह वार्ड और नानक वार्ड में भी विकास कार्यों को मंजूरी मिली। बैठक में शौचालय निर्माण और संजीवनी क्लीनिक के लिये स्थान चयन पर भी सहमति बनी। मानसून की तैयारियों पर विशेष चर्चा की गई। इसके अलावा होर्डिंग फ्लैक्स की दरें तय करने और डिवाइडर पर सूर्य नमस्कार की मुद्रायें लगाने के प्रस्ताव भी पारित किये गये।

सागर विवि का सरकारी सनातनी ढोंग

सागर, देशबन्धु। विवि एक ओर जहां सनातन संवाद जैसे कार्यक्रम का आयोजन कर रहा रामभद्राचार्य को डीलिट की उपाधी दे रहा है। वही उसके प्रो. राजेश गौतम दशरथ को नपुंसक बता रहे है। बडी हैरान करने वाली बात है जो व्यक्ति विवि जैसे संस्थान में अध्यापन करा रहा है वह बिना किसी प्रत्यक्ष सबूत के बिना रामायण का सांगोपांग अध्ययन किये। उन्हें नपुंसक कह देता है जिसे पूरा देश भगवान राम के पिता के नाम से जाना जाता है। जिस देश की संस्कृति को पूरा विश्व मानता हो। उसे ये जनाब कनाडा में जाकर लोगों को बता रहे है कि दशरथ ने जब रानियों को खीर का प्रसाद अपने गुरु से दिलवाया तब उन्हें पुत्र प्राप्ति हुई। जबकि वर्तमान युग में भी सत्तर साल के बुजुर्ग तक के संतान प्राप्ति हो जाती है। बडी बात ये है कि ये अपने उपनाम में गौतम लगाये है यानी गौतम रिषि के वंशज बने है जो की सनातन संस्कृति का ध्योतक है।

सवाल ये है कि जब विश्वामित्र ने राम विवाह के पूर्व राम का परिचय राजसभा में दिया था तो कहा कि राम राजा दशरथ के औरस पुत्र है। जब रामायण में दशरथ की मृत्यु का समाचार राम को प्राप्त हुआ तो उन्होंने उनका वनवास काल में ही पिंडदान किया। उनके औरस पुत्र होने की अनेक चौपाई भी है और बाल्मीकि रामायण भी उन्हें अनेक जगह औरस पुत्र कहती है। ऐसे में राजेश गौतम ये कहना कि राम दशरथ के पुत्र नही थे। ये सिर्फ अपनी छोटी पब्लिसिटी और आम जनमानस की धार्मिक भावनाओं आहत करने की प्रक्रिया है। देश में ऐसे अनेक ऐसे ढपोरशंखी है जिन्हें आधा अधूरा ज्ञान हजम नही होता और ज्ञान का कुपच होने लगता है। ऐसे लोगो द्वारा ही प्रतिष्ठित संस्थानों पर धब्बा लगता है। ज्ञान लाईफ सर्कल को मैनेज करता है अज्ञान लेबरशिप की पहचान होती है। ठीक ऐसा ही इस विषय में है जहां राजेश गौतम अज्ञानतावश आगडदम बागडदम लगा रहे है। अब बात पुत्रो की करते है। प्राचीन इतिहासिक संस्कृति में बारह प्रकार के पुत्रों का विवरण मिलता है जिनमें वेदों के अनुसार पुत्र कितने प्रकार के होते हैं यह भी जानकारी मिल जाती है। हिन्दू परिवार में विवाहिता स्त्री से उत्पन्न नर सन्तान को पुत्र कहा जाता है। पुत्र को बेटा, लड़का, बालक आदि नामों से भी सम्बोधित किया जाता है। पुत्र का प्रारम्भिक अर्थ लघु अथवा कनिष्ठ होता। पुत्रक रूप का व्यवहार प्यार भरे सम्बोधन में अपने से छोटे लोगों के लिये होता था। आगे चलकर इस शब्द की धार्मिक व्युत्पत्ति की जाने लगी पुतत्रनरक से त्रत्र बचाने वाला। पुत्रों द्वारा प्रदत्त पिण्ड और श्राद्ध से पिता तथा अन्य पितरों का उद्धार होता है, इसलिये वे पितरों को नरक से त्राण देने वाले माने जाते हैं। अत: धर्मशास्त्र में बारह प्रकार के पुत्रों का उल्लेख पाया जाता है।

यदि इतिहास से संबंधित यदि किसी अध्येता को यदि इतनी भी जानकारी नही है तब उसे बाबूगिरी या चौराहे का ज्ञानी बनकर अपनी दुकान चलानी चाहिये। जब वर्तमान में अनेक क्षेत्रों से खबरें आती है कि अस्सी साल की उम्र जुडवा बच्चे फलां फलां के यहां हुये आज से बीस साल पहले तो अखबारों की अनेक न्यूज ऐसी ही होती थी। कुछ दिन पूर्व भी बुजुर्ग दंपत्ती की खबर अखबार के साथ यूट्यूब पर देखने मिली थी। फिर प्राचीन संस्कृति विज्ञान तो अनेकों जगह खगोल विज्ञान तक के कान काटती मिल जाती है। प्रत्येक कालखंड पंचाग अनेकों घटनाओं को सत्य प्रमाणित करती मिल जाती है। दूसरी बात इतिहास को प्राक्टीकली वैज्ञानिक विधियों में पूर्णतया समाहित नही किया जा सकता वर्ना पूरा दूषित हो जायेगा। हां रिसोर्स जरुर खंगाले जा सकते है। किन्तु प्राचीन मानवीय गणना से संस्कृति और चरित्र का पता लगाना असंभव है सिवाये अनुमान के। यहां यह बात भी संज्ञान मे होनी चाहिये कि अनुमान सत्य प्रमाणित नही करता। इत्तेफाक से अनुमान में विज्ञान का लाजिक लगाना विशुद्ध मूर्खता का पर्याय है। यदि विश्वविद्यालय में ऐसे प्रोफेसर्स मौजूद है तो उनपर अभी तक कार्यावाही क्यों नही की गई। क्या विश्वविद्यालय प्रशासन इस तरह के उलझे व्यक्तियों का पोषण कर रहा है। दूसरी बात जो इंसान डॉ. गौर को भी सम्मान नहीं दे सकता उसे विवि ने अब तक पाला क्यों है। जो इंसान आस्थाओं के झूठे तर्क अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर दे रहा हो। वह क्या किसी विषय को पढाने की योग्यता रखता है। उम्मीद है प्रशासन संज्ञान जरुर लेगा।

-प्रदीप पाण्डेय

सार समाचार

बच्चों के विवाद में 2 पक्षों के बीच झड़प, पति-पत्नी घायल

छतरपुर, देशबन्धु। राजनगर थाना क्षेत्र के ग्राम डहर्रा में बच्चों के विवाद और पुरानी रंजिश को लेकर विश्वकर्मा परिवार के छह लोगों ने रैकवार परिवार के तीन सदस्यों पर लाठी-डंडों और लोहे की छड़ से जानलेवा हमला कर दिया। घायलों को जिला चिकित्सालय छतरपुर में भर्ती कराया गया है। राजनगर थाने में मारपीट का मामला दर्ज किया गया है।

डहर्रा निवासी जीवनलाल रैकवार ने बताया वह और उनके परिवार के कुछ सदस्य पानी भरने गए थे, तभी लखन विश्वकर्मा, ब्रजगोपाल, सुधा, प्रभा, शिवानी और साक्षी ने उनकी पत्नी सुमित्रा पर घर में घुसकर हमला किया। यह हमला बच्चों के बीच पहले हुए विवाद और पुरानी रंजिश का नतीजा बताया जा रहा है। सुमित्रा को अकेला पाकर आरोपियों ने लाठी-डंडों और लोहे की छड़ से मारपीट की, जिससे उनके सिर पर गंभीर चोटें आईं। जैसे ही जीवनलाल और उनके भाई संतोष रैकवार को घटना की जानकारी मिली, वे मौके पर पहुँचे। वहाँ विश्वकर्मा परिवार ने उन पर भी हमला कर दिया। जीवनलाल का दायाँ हाथ टूट गया, और संतोष को भी चोटें आईं। जीवनलाल ने बताया कि उन्होंने तत्काल 100 डायल पर कॉल किया, लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुँची। इसके बाद घायल अवस्था में वे स्वयं अपने परिवार को लेकर राजनगर थाने पहुँचे, जहाँ मारपीट की शिकायत दर्ज की गई। गंभीर रूप से घायल जीवनलाल और सुमित्रा को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय छतरपुर रेफर किया गया, जहाँ उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

पीएम आवास सर्वे कार्य अटका, पटवारियों की लापरवाही से हितग्राही परेशान

हरपालपुर, देशबन्धु। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 285 आवेदनों का भौतिक सत्यापन पटवारियों की लापरवाही के कारण अटक गया है। जिससे हितग्राही परेशान हैं। नगर के 15 वार्डों के लिए आठ पटवारियों का दल गठित किया गया था, जो नगर परिषद कर्मचारियों के साथ दो दिन में सत्यापन रिपोर्ट सौंपने वाला था। एक पखवाड़े बीत जाने के बावजूद सर्वे कार्य शुरू नहीं हुआ, जिससे हितग्राही परेशान हैं। नगर परिषद ने दस्तावेजों की जाँच पूरी कर ली है, लेकिन पटवारियों की अनुपस्थिति से योजना का लाभ हितग्राहियों तक नहीं पहुँच पा रहा। जानकारी के अनुसार परिषद में पीएम आवास योजना के लिए 285 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनके भौतिक सत्यापन के लिए जिला कलेक्टर के आदेश पर 15 वार्डों के लिए आठ पटवारियों, उपयंत्री, आरआई, और वार्ड प्रभारियों की संयुक्त टीम गठित की गई थी। इस दल को दो दिन में वार्डों में जाकर हितग्राहियों के घरों और दस्तावेजों का सत्यापन कर रिपोर्ट सौंपनी थी। नगर परिषद के उपयंत्री गगन सूर्यवंशी ने बताया कि दस्तावेजों की जाँच पूरी हो चुकी है, लेकिन पटवारी दल ने अभी तक सर्वे शुरू नहीं किया। हितग्राहियों का कहना है सत्यापन में देरी के कारण उन्हें योजना का लाभ मिलने में अनिश्चितता बनी हुई है। नगर परिषद कर्मचारियों ने आवेदनों की सूची तैयार कर ली है, लेकिन राजस्व अमले की सुस्ती से प्रक्रिया रुकी हुई है। स्थानीय लोग इस लापरवाही से नाराज हैं और जल्द सर्वे शुरू करने की माँग कर रहे हैं।

छतरपुर के 2 दर्जन बच्चों ने प्रदेश की मैरिट सूची में बनाई जगह

10वीं के 19 और 12वीं के 5 छात्र-छात्राओं ने किया नाम रोशन

छतरपुर, देशबन्धु। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा मंगलवार को घोषित किए गए 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित किए गए हैं। इनमें छतरपुर जिले के 24 छात्र-छात्राओं ने प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान हासिल कर जिले का गौरव बढाया है। इसी तरह कक्षा 10वीं की मेरिट सूची में 19 छात्र-छात्राओं ने जगह बनाई है।

मजदूर के बेटे रमेश प्रजापति, किसान की बेटी सोनाली कुशवाहा और स्वाति शर्मा ने अपनी मेहनत और लगन से कामयाबी पाकर साबित कर दिया कि सुविधा और संसाधनों की कमी प्रतिभा को प्रभावित नहीं कर पाती है। 10वीं की प्रादेशिक मेरिट सूची में छतरपुर जिले के 19 छात्रों ने स्थान पाया है। इनमें भविष्य प्रजापति और कुमारी गायत्री मिश्रा ने शासकीय उत्कृष्ट स्कूल क्रमांक 1 छतरपुर से 495 अंकों के साथ छठवां स्थान हासिल किया है। अरुषि चौबे एसपीएस उमावि महाराजपुर और उत्कृष्ट स्कूल छतरपुर के रमेश प्रजापति एक समान 494 अंकों के साथ सातवें स्थान पर आए हैं। केयर इंग्लिश स्कूल की अरु त्रिपाठी और ज्ञानभारती स्कूल लवकुशनगर की कृतिका चौरसिया, उत्कृष्ट स्कूल की पल मिश्रा और जोया बख्श 493 अंकों के साथ 8वें स्थान पर रहे हैं। इसी तरह 492 अंकों के साथ 9वें स्थान पर ड्रीमलैंड इंग्लिश स्कूल की जोया खातून, उत्कृष्ट स्कूल की सगुन सोनी, जान्हवी, श्रेया यादव और ध्रुव साहू रहे। 491 अंकों के साथ 10वें स्थान पर सरस्वती उमावि नौगांव की आस्था, सरस्वती उमावि बड़ामलहरा के अगम्य शुक्ल, उत्कृष्ट स्कूल की वेदिका चौरसिया, शैलेन्द्र पाल, अंशू शर्मा और सोनाली कुशवाहा आई हैं।

12वीं में भी चमके छतरपुर के सितारे

कक्षा 12वीं की मेरिट सूची में छतरपुर के 5 छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। वाणिज्य समूह में नंदनी जैन राईबल इंग्लिश स्कूल बिजावर ने 485 अंकों के साथ 6वां और इसी स्कूल की अर्पिता गुप्ता ने 483 अंकों के साथ 8वां स्थान हासिल किया है।

गणित समूह में शासकीय मॉडल स्कूल नौगांव की कृतिका पटैरिया ने 483 अंकों के साथ 9वां और बीएसजीएम स्कूल चन्दला की शुभांगनी नामदेव ने 482 अंकों के साथ 10वां स्थान पाया है। जीव विज्ञान समूह में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 1 छतरपुर की स्वाति शर्मा 477 अंकों के साथ 7वें स्थान पर आई है।

सुविधा शुल्क लेकर फार्म भरने वाले रोजगार सहायक को हटाया, जांच के आदेश

लवकुशनगर, महाराजपुर, देशबन्धु। जिले के जनपद पंचायत लवकुशनगर के अंतर्गत ग्राम पंचायत कटहरा के ग्राम रोजगार सहायक रामसेवक तिवारी को जिला पंचायत सीईओ ने पंचायत से हटाकर जनपद पंचायत कार्यालय में अटैच करके उसके कारनामों की जांच के आदेश दे दिए हैं।

खबर का असर

ग्राम पंचायत कटहरा का ग्राम रोजगार सहायक रामसेवक तिवारी के द्वारा भ्रष्टाचार और वसूली के बारे में देशबन्धु समाचार पत्र के 6 मई के अंक में रोजगार सहायक सुविधा शुल्क लेकर भर रहा पीएम आवास के फार्म शीर्षक से समाचार को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। इसे संज्ञान में लेकर जिला पंचायत सीईओ तपस्या सिंह ने बड़ा एक्शन लिया है। दरअसल सीईओ ने ग्राम रोजगार सहायक रामसेवक तिवारी कटहरा पंचायत से हटाकर जनपद पंचायत लवकुशनगर अटैच कर दिया है। वहीं कटहरा पंचायत में ग्राम रोजगार सहायक का अतिरिक्त प्रभार ग्राम पंचायत खपटया के रोजगार सहायक सुरेश अहिरवार को सौंप दिया है। सीईओ जिला पंचायत ने रोजगार सहायक पर लगाए गए आरोपों की जांच के लिए एक जपं लवकुशनगर के सीईओ हरीश केसरवानी, सहायक यंत्री बीके रिछारिया और एपीओ अनिल खरे की टीम बनाकर समय सीमा में प्रकरण की जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दे दिए हैं। ये एक बड़ी कार्यवाही वही, जिसकी ग्रामीणों ने सराहना की है।

आखिर क्या है पूरा मामला

जनपद पंचायत लवकुशनगर की ग्राम पंचायत कटहरा में पदस्थ ग्राम रोजगार सहायक रामसेवक तिवारी पर ग्रामीणों ने उनसे सुविधा शुल्क के रुप में दो-दो हजार रुपए वसूलकर प्रधानमंत्री आवास योजना के फार्म भरने के आरोप लगाए थे। ग्रामीणों ने बताया था कि ग्रामीणों का कहना था कि पंचायत में हर काम के दाम लगते हैं। जो दाम नहीं देता, उसका काम नहीं हो पाता है। पीएम आवास के फार्म भरने में वसूली करने वाले रोजगार सहायक का साफ कहना है कि मुझे जनपद में साहब को रुपए देना पड़ते हैं, तभी वे काम करते हैं। आवास योजना के सर्वे में रोजगार सहायक ने ले देकर उनके ही अधिक फार्म भरे गए हैं, जिनके पास पक्के मकान और पर्याप्त जमीनें हैं। ग्रामीणों ने वरिष्ठ अधिकारियों से रोजगार सहायक के खिलाफ कार्यवाही की मांग की थी। बता दें कि मनमाने ढंग से रोजगार सहायक द्वारा पंचायत के अंतर्गत ग्राम कटहरा में 209, मड़वा में 107, रतनपारा में 106 और ग्राम केसरीपुरा में 76 सहित आवास योजना के कुल 498 फार्म भरे जा चुके हैं। ये पूरा मामला गहराई से जांच का विषय है।

धोखाधड़ी के शिकार ग्रामीण बोले : साहब चिटफंड कंपनी में जमा रुपए वापस दिला दो

चंद्रनगर, देशबन्धु। चिटफंड कंपनी पिनकान द्वारा की गई धोखाधड़ी के शिकार ग्रामीणों ने मंगलवार को जिला स्तरीय जनसुनवाई में आकर कलेक्टर से गुहार लगाई है कि साहब मेहनत से जमा की गई उनकी पूंजी वापस दिला दो।

कंपनी द्वारा की गई धोखाधडी के शिकार निवेशकों में कलावती आदिवासी, सकूरा काछी, दीनदयाल कुशवाहा, हल्काई कुशवाहा और चेतराम अहिरवार ने कलेक्टर को दिए आवेदन में कहा है कि लोगों को ज्यादा ब्याज और कम समय में उनकी धनराशि को दोगुना करने का लालच देकर कोलकाता के पिनकान ग्रुप में अक्स फाइनेंशियल, एलआरएन फाइनेंस, एलआरएन यूनिवर्स, ग्रीन एज और उत्कल मल्टी स्टेट के नाम से बड़ी संख्या में लोगों की मेहनत की कमाई जमा कराई थी। बाद में वापसी के समय अचानक कंपनी के कर्ताधर्ता लाखों की जमा रकम लेकर कार्यालय बंद करके भाग गए। इस मामले को कोर्ट में ले जाया गया, जहां से मामले में एफआईआर दर्ज कराने का आदेश दिया गया। इस प्रकरण में निक्षेपक कानून के तहत 5 केस लगाए गए और तत्कालीन कलेक्टर संदीप जीआर ने 5 दिसंबर 2023 को 669 निवेशकों के पक्ष में 59150718 रुपए और हर्जाना राशि उनकी संपत्ति कुर्क व 9 खातों से वसूल करने के लिए एसपी छतरपुर को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। मगर 512 दिन बीतने के बावजूद आदेश पर अभी तक अमल नहीं हो पाया है। निवेशकों का कहना है कि न तो एफआईआर हो पाई न ही चिटफंड कंपनी के डायरेक्टरों को गिरफ्तार किया गया है। तब से लोग साहब से उम्मीद की आशा लगाए मारे-मारे फिर रहे हैं।

अस्पताल में गर्मी और गंदगी से मरीज बेहाल, पंखे बंद और एसी खराब

छतरपुर, देशबन्धु। जिला अस्पताल में भीषण गर्मी, बंद पंखे, खराब एसी और गंदगी के कारण मरीजों और उनके परिजनों का हाल बेहाल है। मरीजों के परिजनों को बाजार से पंखे खरीदकर लाने पड़ रहे हैं। बदबू और गंदगी से सांस लेना मुश्किल है। गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया, जिसके बाद प्रशासन ने एसी-पंखे चालू करने और सफाई का आश्वासन दिया गया।

जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली का आलम यह है कि मरीज गर्मी और गंदगी से त्रस्त हैं। अस्पताल के वार्डों में पंखे बंद पड़े हैं, और एसी रूम में भी एयर कंडीशनर खराब हैं। मरीजों के परिजन गंभीर सिंह ने बताया, गर्मी से मरीज तड़प रहे हैं, हमें बाजार से पंखे खरीदकर लाने पड़ रहे हैं।

वहीं राकेश मिश्रा ने कहा कि अस्पताल में गंदगी और बदबू से साँस लेना मुश्किल है, सफाई कर्मचारी झाड़ू तक नहीं लगाते। मरीज बबीता सिंह ने शिकायत की, वार्ड में बदबू और गंदगी से हालत खराब है, कोई सुनवाई नहीं होती। परिजनों के हंगामे के बाद अस्पताल प्रशासन हरकत में आया और कुछ पंखे व एसी चालू किए गए। मरीज के परिजन केशव पटैरिया ने बताया, हंगामा करने के बाद ही सफाई का आश्वासन मिला, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 107 आवेदनों की सुनवाई

छतरपुर, देशबन्धु। मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय जनसुनवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में एडीएम मिलिंद नागदेवे, डिप्टी कलेक्टर विशा माधवानी, डिप्टी कलेक्टर कौशल सिंह, एसडीएम अखिल राठौर एवं विभागीय जिलाधिकारी उपस्थित रहे और व्हीसी के माध्यम से जिले के अनुभागों के एसडीएम एवं तहसीलदार जुड़े रहे। जनसुनवाई में प्राप्त 107 शिकायती आवेदनों का परीक्षण करते हुये एडीएम ने संबंधित विभाग को आवेदन निराकरण करने के लिए निर्देशित किया एवं समस्याओं को सुना। जनसुनवाई में शिक्षा, राजस्व, पुलिस, नगरीय निकाय, ग्रामीण विकास, विद्युत मंडल, स्वास्थ्य, खाद्य, आदिम जाति, श्रम, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न शिकायती आवेदन प्राप्त हुए।

निलंबित सचिवों से पंचायतों में पद खाली, अन्य सचिवों को नहीं दिया प्रभार

महाराजपुर, देशबन्धु। जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार ने जनपद पंचायत नौगांव में जल गंगा संवर्धन अभियान और प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा बैठक में कई पंचायतों के सचिवों को लापरवाही के कारण निलंबित कर दिया था। तब से ये पद खाली हैं, इन पंचायतों में अभी तक अन्य सचिवों को प्रभार न दिए जाने से कामकाज प्रभावित हो रहा है।

जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायत मऊपुर के सचिव रामस्वरूप कुशवाहा को बैठक में अनुपस्थित रहने पर निलंबित कर दिया था। इसी तरह ग्राम पंचायत इमलिया के सचिव भानुप्रताप, टीला के पंचायत सचिव हरप्रसाद सौर और कुर्राहा पंचायत के सचिव एहसान मोहम्मद को जल गंगा संवर्धन अभियान में सही तरीके से काम न करने पर निलंबित कर दिया गया था। ग्राम पंचायत झीझन के ग्राम रोजगार सहायक गौरव घोष और पंचायत मानपुरा में पदस्थ ग्राम रोजगार सहायक रोशनी अहिरवार को भी पंचायत से हटाकर जनपद कार्यालय में अटैच कर दिया था। तब से ये सभी पद खाली पड़े हैं। मगर अभी तक अन्य सचिवों को उन पंचायतों का प्रभार न दिए जाने से पंचायतों के काम प्रभावित हो रहे हैं। बताया गया है कई पंचायतों में अभी भी निलंबित सचिव बाकायदा पहले की तरह पंचायतों का कार्य कर रहे हैं। अधिकांश पंचायतों में सचिव और रोजगार सहायकों के न होने से ग्रामीण अपने कामों के लिए परेशान घूम रहे हैं। ग्रामीणों ने निलंबित सचिवों की जगह अन्य सचिवों और अटैच रोजगार सहायकों के स्थान पर अन्य रोजगार सहायकों कोक प्रभार देने की माग की है।

इनका कहना है

अभी जनपद पंचायत में सीईओ साहब नहीं बैठे हैं। वे कल जैसे ही कार्यालय में आएंगे तो इस बारे में प्रपोजल बनाकर जिला पंचायत कार्यालय भेजा जाएगा। आगे की कार्यवाही जिला पंचायत सीईओ के द्वारा की जाएगी।

चंद्रकृपाल अहिरवार
पंचायत इंस्पेक्टर, जपं नौगांव

छतरपुर में पहली बार कला प्रदर्शनी और प्रतिभा खोज

छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर में पहली बार कला प्रदर्शनी एवं प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है, जो हर उम्र के कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर देगा। गांधी आश्रम में होने वाले इस आयोजन में चित्रकला, क्राफ्ट, फोटोग्राफी, मूर्तिकला, नृत्य, और गायन की प्रतियोगिताएं होंगी। पंजीकरण 15 मई तक खुले हैं, और समापन पर विजेताओं को सम्मान व पुरस्कार दिए जाएंगे। आयोजकों ने सभी कलाकारों से अपनी कला को मंच पर लाने की अपील की है। इच्छुक कलाकार 98266 38015 पर संपर्क कर सकते हैं। आयोजकों का कहना है कि यह मंच स्थानीय कलाकारों, खासकर उन लोगों के लिए है, जिनकी प्रतिभा अब तक छिपी रही है। कई युवा व बच्चे अपनी कला को प्रदर्शित करने के लिए उत्साहित हैं।

केन-बेतवा परियोजना : बायपास की जगह मौजूदा रोड़ के चौड़ीकरण का विरोध

छतरपुर, देशबन्धु। केन-बेतवा लिंक परियोजना के तहत प्रस्तावित बायपास रोड के बजाय मौजूदा देवगाँव-देवरा रोड के चौड़ीकरण की माँग को लेकर ग्राम झमटुली के ग्रामीणों ने मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन सौंपा है।

ग्रामीणों का कहना है कि मौजूद संकीर्ण रोड के कारण यातायात जाम और आवागमन में परेशानी होती है, और इसका चौड़ीकरण न केवल यातायात सुगम बनाएगा, बल्कि बायपास रोड से होने वाले भूमि अधिग्रहण से किसानों की आजीविका भी बचेगी। ग्रामीणों ने कलेक्टर से बायपास रोड का प्रस्ताव रद्द कर मौजूदा रोड के चौड़ीकरण की मंजूरी देने की अपील की है।

झमटुली के निवासियों ने बताया कि केन-बेतवा लिंक परियोजना के तहत प्रस्तावित बायपास रोड से गाँव के सीमांत किसानों की आजीविका पर संकट आ सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि मौजूदा देवगाँव-देवरा रोड संकीर्ण होने के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है, खासकर बाजार के दिनों में वाहनों का गुजरना मुश्किल हो जाता है। रोड का चौड़ीकरण होने से यातायात की समस्या हल हो जाएगी और देवगाँव से अमानगंज जाने वाले वाहनों को सुविधा मिलेगी। ग्रामीणों ने चिंता जताई कि बायपास रोड बनने से उनकी कृषि भूमि का अधिग्रहण होगा, जिससे कई किसान भूमिहीन हो जाएँगे। गाँव के अधिकांश किसानों की आजीविका केवल कृषि पर निर्भर है।

ग्रामीणों ने कलेक्टर से अनुरोध किया कि उनकी समस्या का समाधान करते हुए बायपास रोड का प्रस्ताव रद्द किया जाए और मौजूदा रोड का चौड़ीकरण स्वीकृत किया जाए।

नारीशक्ति ने निकाली जनाक्रोश रैली

छतरपुर, देशबन्धु। लव जेहाद के खिलाफ़ मंगलवार को संकल्प सिद्धि संगठन के बैनर तले एडवोकेट अंकिता विश्वकर्मा के नेतृत्व में एक विशाल जन आक्रोश रैली निकाली गई।

शाम करीब 6 बजे से शहर के नरसिंह मंदिर प्रांगण से शुरू हुई इस रैली में बड़ी संख्या में छात्राएं और महिलाएं भी एकत्रित हुईं। नगर के अनेक सामाजिक कार्यकर्ता और हिन्दू संगठनों से जुड़े लोग भी इस रैली का हिस्सा बने। रैली को जय भवानी जन आक्रोश रैली नाम दिया गया। इस रैली में कई लड़कियों ने हाथ में भगवा झंडा लेकर सिर में साफा बांध कर भारतीय वीरांगनाओं का स्वरूप धारण किया गया था। इस रैली के दौरान साउंड सिस्टम के माध्यम से बेटियों को समझाया गया कि वे झूठे प्रेम के झांसे में न आकर अपना जीवन बर्बाद न करें। एडवोकेट अंकिता विश्वकर्मा ने कहा की आज इस्लामिक आतंकवाद में शामिल लोग एक सोची समझी साजिश के तहत हिन्दू बेटियों को अपना शिकार बना रहे हैं। उनके साथ प्यार का नाटक कर रेप, ब्लैकमेलिंग की जाती है। जिनसे शादी की जाती है उनका धर्म बदलवाकर उन्हें बच्चे पैदा करने की मशीन बना दिया जाता है। ऐसी बेटियों को हमारा समाज मिलकर ही जागरूक करते हुए बचा सकता है। उन्होंने बेटियों से अपील की है कि यदि वे इस तरह के किसी चंगुल में फसी हैं तो तुरन्त पुलिस या हम लोगों से संपर्क कर बाहर निकल आएं। इस रैली के दौरान अनेक बेटियों और महिलाओं ने जेहादी आतंकवाद का पुतला भी जलाया।

चक्षु अभियान में सहयोगी अग्रवाल समाज का सीएसपी ने किया सम्मान

छतरपुर, देशबन्धु। अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे चक्षु अभियान के तहत अग्रवाल समाज द्वारा एक लाख रूपए का सहयोग प्रदान करने पर नगर पुलिस अधीक्षक अमन मिश्रा ने मंगलवार को अपने कार्यालय में सम्मान पत्र भेंट कर अग्रवाल समाज का सम्मान किया है। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के कार्यकारी जिलाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल, देवेंद्र अग्रवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष उमाशंकर दाऊ, संरक्षक हरि प्रकाश अग्रवाल, नगर अध्यक्ष मनीष अग्रवाल के साथ ही शरद अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, रामकिशोर अग्रवाल, सौरभ सन्नी, राधा वल्लभ अग्रवाल, शैलेन्द्र अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, जीतेन्द्र अग्रवाल, कृष्णकुमार पप्पू अग्रवाल, नीलेश अग्रवाल आदि ने सम्मान पत्र प्राप्त किया। बता दें कि सीएसपी अमन मिश्रा के आग्रह पर अग्रवाल समाज के संरक्षक हरि प्रकाश अग्रवाल ने समाज के बंधुओं से एक लाख रुपए की सहयोग राशि एकत्र कर उन्हें चक्षु अभियान के क्रियान्वयन के लिए शहर में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए सौंपी है। इसमें महेंद्र देवेंद्र, शरद, अशोक अग्रवाल नगर सेठ, दुर्गा ज्वैलर्स, सौरभ ज्वैलर्स और अजय मम्मू ने 10-10 हजार, हरि प्रकाश, मुनू अग्रवाल, नगर अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, अशोक, राधा वल्लभ अग्रवाल, प्रकाश बृजपुरा, भगवत शरण और पप्पू कृष्णकुमार अग्रवाल ने 5-5 हजार रूपए की राशि का सहयोग प्रदान किया। सब मिलाकर कुल एक लाख रुपए की राशि सीएसपी अमन मिश्रा को समाज की ओर से भेंट की गई है।

छोटे से कस्बे घुवारा में जन्मी क्रांति को जोश, जुनून और जज्बे ने दिलाई कामयाबी

छतरपुर जिले की बेटी क्रांति गौंड ने बढाया बुंदेलखंड का गौरव, भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयन

छतरपुर, देशबन्धु। *जिले के छोटे से कस्बे घुवारा में जन्मी 21 वर्षीय क्रांति गौड के जोश, जुनून और जज्बे ने उसे महिला क्रिकेट की दुनियां में कामयाबी दिला दी है। दरअसल उभरती क्रिकेटर क्रांति गौड़ ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम में जगह बनाकर इतिहास रच दिया है।*

ऑलराउंडर क्रांति गौड ने हाल ही में वीमन्स प्रीमियर लीग 2025 में यूपी वॉरियर्स की ओर से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन करके सभी को बता दिया था कि यदि उसे मौका मिला तो वह देश के लिए खेल की दुनिया में खास करके दिखाने का जोश रखती है। इसी कारण बीसीसीआई ने उसे भारतीय महिला क्रिकेट टीम में श्रीलंका के दौरे के लिए चुन लिया है। सोमवार की रात बीसीसीआई से चयन की सूचना मिलते ही क्रांति छतरपुर से भोपाल के लिए रवाना हो गई। वह भोपाल से मुंबई और फिर टीम के साथ श्रीलंका जाएगी। वहां 27 मई से शुरु होने वाली त्रिकोणीय वनडे सीरीज में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबला होना है। क्रांति की ये कामयाबी छतरपुर जिले सहित पूरे बुंदेलखंड अंचल के लिए गौरव की बात है।

बता दें कि घुवारा में रहने वाली क्रांति गौड़ छह भाई-बहनों में सबसे छोटी है। उसने 14 वर्ष से क्रिकेट खेलना शुरु किया था। क्रिकेट के प्रति उसका जुनून ही उसे आगे ले आया। उसकी प्रतिभा पर सबसे पहले नजर गई छतरपुर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय चौरसिया और सचिव व सागर डिवीजन के कोच राजीव बिलथरे की। परिवार से बात करके क्रांति को छतरपुर लाकर क्रिकेट की ट्रेनिंग देना शुरु किया गया। इसके बाद क्रांति की मेहनत और प्रतिभा ने उसे पंख लगा दिए, जिससे उसे भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए चुन लिया गया है। 21 वर्षीय ऑलराउंडर क्रांति की इस कामयाबी पर छतरपुर में क्रिकेट प्रेमियों ने आतिशबाजी की और मिठाई बांटकर क्रांति की कामयाबी का जश्न मनाया। डीसीसीए अध्यक्ष विनय चौरसिया और सचिव व कोच राजीव बिल्थरे को सम्मानित किया गया।

ऐसा रहा क्रिकेटर क्रांति का सफर

छतरपुर की बेटी क्रांति गौड ने वर्ष 2017 में पहली बार लेदर बॉल क्रिकेट मैच खेला, जिसमें वह प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गई। यहीं से उसकी सफलता की कहानी शुरु हो गई। इसके बाद सागर डिवीजन की अंडर.16 टीम की कप्तानी की और वर्ष 2018-19 में टीम को फाइनल तक पहुँचाया।

इसी साल डब्ल्यूपीएल में यूपी वॉरियर्स ने क्रांति को 10 लाख रुपए में खरीदा, दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलते हुए क्रांति ने शानदार प्रदर्शन करके 6 मैचों में 5 विकेट लिए। सीनियर वीमन्स वन.डे ट्रॉफी में क्रांति ने मध्य प्रदेश की टीम की ओर से खेलते हुए 9 मैचों में 15 विकेट लिए, जिसमें फाइनल में बंगाल के खिलाफ 4 विकेट भी शामिल थे।

देशबन्धु

सागर, बुधवार 7 मई 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

मॉक ड्रिल : संयम और साहस दिखाने का समय

देश में आखिरी बार लगभग साढ़े पांच दशक पहले यानी 1971 में हुई भारत-पाकिस्तान जंग के दौरान बचाव के सायरन सुनाई दिये थे। उसके बाद अब एक बार फिर से यह नौबत आई है। पहलगाम (कश्मीर) के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बैसरन में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 सैलानियों और एक स्थानीय गाइड की हत्या कर दी थी। इसके कारण देश भर में पाकिस्तान के प्रति नाराज़गी है क्योंकि माना जा रहा है कि दहशतगर्द पाकिस्तानी जमीन से आये थे। जिस आतंकी संगठन ने इस कार्रवाई का जिम्मा अपने सिर पर लिया है उनको पहले से ही पाकिस्तानी सरकार, वहां की सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा पोषित समझा जाता है। सरकार भी पाकिस्तान को मज़ा चखाने पर आमादा है तथा देश भी चाहता है कि सरकार कड़े कदम उठाये।

इसे लेकर सर्वदलीय बैठक में देश के सभी प्रमुख विपक्षी दलों ने सरकार के साथ अपनी एकजुटता दिखाई है। यह अलग बात है कि बैठक में स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अनुपस्थित थे। सऊदी अरब का दौरा बीच में छोड़कर मोदी के लौटने से अपेक्षा थी कि सरकार तत्काल कोई कार्रवाई करेगी। इसके विपरीत मोदी लौटकर बिहार में रैली को सम्बोधित करने चले गये, लेकिन वहां से उन्होंने ऐलान किया कि कायराना करतूत करने वालों को ऐसा कड़ा सबक सिखाया जाएगा जो अब तक नहीं देखा गया था। बाद में मोदी की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ हुई बैठकों ने भी आस बंधाई थी कि लोगों का खून व्यर्थ नहीं जायेगा। सोमवार को जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंचे तो सरकार समर्थक मीडिया में इसे देश के मोर्चे पर एक कदम आगे जाना कहा गया। हालांकि अब माना जा रहा है कि मोदी के साथ राहुल की यह बैठक केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के नये प्रमुख के चयन को लेकर थी। यहां यह सब बतलाने का तात्पर्य यह है कि देश इस उम्मीद में है कि आतंकियों एवं पाकिस्तान के खिलाफ़ भारत तत्काल और कठोर कार्रवाई करे।

ऐसे में सोमवार को गृह मंत्रालय की ओर से एक परिपत्र जारी हुआ है जिसमें सभी 28 राज्यों के लगभग 250 जिलों के चयनित शहरों एवं 8 केन्द्र शासित प्रदेशों में मॉक ड्रिल करने का निर्देश दिया गया है। इसका उद्देश्य जनसामान्य को हवाई हमलों से बचाव का अभ्यास कराना है। बड़े पैमाने पर होने वाली मॉक ड्रिल यह संदेश भी देती है कि देश और उसकी जनता शारीरिक तथा मानसिक दोनों ही स्तरों पर लड़ाई का सामना करने के लिये तैयार है। यह सरकार की भी तैयारी को दर्शाता है जो एक तरफ़ आक्रमण के लिये खुद को तैयार कर रही है तो वहीं दूसरी ओर अपने नागरिकों के बचाव के प्रति भी चिंतित है। आशा की जानी चाहिये कि जिन शहरों में युद्धाभ्यास होगा, वहां के नागरिक गम्भीरतापूर्वक इसमें हिस्सा लेंगे। श्रेणीवार तीन तरह के शहरों को इसके लिये चयनित किया गया है लेकिन इस प्रदर्शन से उन शहरों के लोग भी लाभान्वित होंगे जिनका मॉक ड्रिल के लिये इस बार चयन नहीं किया गया है। आखिरकार युद्ध में कोई नहीं कह सकता कि दुश्मन किस शहर को अपने निशाने पर लेगा। 1971 में भी ऐसी सावधानी बरती गयी थी जब जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, पश्चिम बंगाल राज्यों के अनेक सीमावर्ती जिलों के कई शहरों में लोगों को ब्लैकआउट में रहने का अभ्यास कराया गया था। इससे दहशत खत्म हुई थी तथा बतौर नागरिक लोगों ने भारत-पाक युद्ध का सामना बहादुरी से किया था।

अब बुधवार को होने वाले मॉक ड्रिल में ब्लैक आऊट होगा, सायरन बजेंगे तथा लोगों द्वारा खुद की सुरक्षा का अभ्यास होगा। उन्हें आपातकालीन शेल्टरों में जाने का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशासन को वेबसाइटों तथा सोशल मिडिया पर नज़र रखने के लिये कहा गया है। इस दौरान फोटोग्राफी, वीडियो आदि बनाने व उन्हें सोशल मीडिया पर अपलोड करने से बचना होगा। वैसे गृह मंत्रालय ने कहा है कि लोगों में दहशत न हो इसके लिये ज़रूरी है कि वे इसके बारे में पहले से जानें। बुधवार की शाम को देश भर में एक साथ बजने वाले सायरन को लोगों को प्रतिसाद देना होगा क्योंकि यह जो कुछ भी कवायद हो रही है वह नागरिकों की सुरक्षा के लिये ही है। इसे गम्भीरता से लेना होगा। शत्रु देश की ओर से एयर स्ट्राइक होने पर सायरन के संकेतों को समझना और उसके अनुरूप व्यवहार करना होगा। इस दौरान कोई भी प्रकाश न हो तथा चयनित शहरों में पूरी तरह से अंधकार रहे। इसका उद्देश्य शत्रु के लड़ाकू विमानों की नज़रों से खुद को बचाना होता है। इस दौरान खिड़की-दरवाज़ों को पूरी तरह से बन्द रखा जाये तथा टॉर्च, नगदी, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था कर रखी जाये। टीवी, रेडियो या मोबाइल से प्रशासन द्वारा दिये जाने वाले निर्देशों को जानते रहना ज़रूरी है।

शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता संजय राउत ने भी कहा है कि 'देश को 1971 के मॉक ड्रिल का अनुभव है। सरकार यदि यह करती है तो देश इसके लिये तैयार है।' भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने देशवासियों से अपील की है कि वे मॉक ड्रिल में हिस्सा लें। बुधवार के इस नागरिक अभ्यास से संदेश जायेगा कि देश तैयार है।

लेकिन इस बड़ी तैयारी के साथ यह ध्यान रखने की आवश्यकता है कि युद्ध के नाम पर अनावश्यक उन्माद न फैले, न ही इस पर कोई सनसनी कायम की जाए। यह समय संयम और साहस का परिचय देने का है।

कौन चाहता है युद्ध और क्या हासिल होगा उससे

महाभारत के शांतिपर्व में कहा गया है- 'न युद्धात् परमं किंचिद् युद्धं सर्वं न संनादति। युद्धेन संनादति सर्वं तस्माद् युद्धं परित्यजेत।।' (युद्ध से बढ़कर कोई आपदा नहीं; युद्ध सब कुछ नष्ट कर देता है। इसलिए युद्ध का परित्याग करना चाहिए)।

भारत में जब कभी भी पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवादी जमात की ओर से कोई बड़ा हमला होता है और उसमें बड़ी संख्या में लोग मारे जाते हैं तो मीडिया और सोशल मीडिया में युद्ध के ढोल-नगाड़े बजने लगते हैं। इस समय भी यही हो रहा है। पिछले महीने की 22 तारीख को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर पूरा देश क्षुब्ध और उद्वेलित है। चूंकि हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े द रसिस्टेंस फ्रंट ने ली है, जिसे पाकिस्तानी सेना और वहां की खुफिया एजेंसी आईएसआई से खाद-पानी मिलता है।

पहलगाम हमले में जो लोग मारे गए हैं, वे सभी मध्यमवर्गीय परिवारों के होंगे। उनमें किसी ने अपना बेटा तो किसी ने पति, किसी ने अपना भाई और किसी ने पिता को खोया है। उन सभी के दर्दनाक तरीके से मारे जाने पर उनके परिवारजनों का दुख और गुस्सा जायज है और उसमें पूरे देश का शामिल होना भी लाजिमी है। फिर भी कॉरपोरेट घरानों से नियंत्रित टीआरपी-पिपासु टीवी चैनल भारतीय जन-मन के क्षोभ, शोक और आक्रोश का निर्लज्जता के साथ व्यापार कर रहे हैं।

जिस दिन पहलगाम में हमला हुआ उस दिन से आज तक दिल्ली और मुंबई स्थित टीवी चैनलों पर तीतर-बटेर छाप बहसों में रक्षा विशेषज्ञों के तौर पर शामिल रक्षा तथा विदेश मंत्रालय, सेना एवं खुफिया सेवाओं के पूर्व अफसर जनाक्रोश को युद्धोन्माद में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। टीवी चैनलों के मूर्ख एंकर-एंकरनियां भी वीर बालकों की मुद्रा में उनके सुर में सुर मिला रही हैं। युद्धोन्माद पैदा करने के लिए इन टीवी चैनलों ने चंद पैसों पर आसानी से उपलब्ध हो जाने वाले पाकिस्तान के भी कुछ नेताओं, पूर्व नौकरशाहों, पूर्व सैन्य अफसरों को हायर कर रखा है।

ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। दरअसल ये 'रक्षा विशेषज्ञ' किसी भी आतंकवादी हमले के बाद टीवी चैनलों के वातानुकूलित स्टूडियो में बैठकर पाकिस्तान को युद्ध के जरिये सबक सिखाने का सुझाव देते हैं और साथ ही यह रुदन भी कर डालते हैं कि भारतीय सेना के पास संसाधनों का अभाव है। अपनी ऐसी बातों से यह लोग आम लोगों पर यही प्रभाव छोड़ने की कोशिश करते हैं कि वे बहुत बहादुर और देशभक्त हैं, लेकिन बात इतनी सीधी नहीं है। दरअसल यह मामला उच्च तकनीक वाले हथियारों के अंतरराष्ट्रीय कारोबार से जुड़ा है।

भारत हथियारों का बहुत बड़ा खरीदार है, लिहाजा हथियार बनाने वाली कई विदेशी कंपनियों के हित भारत से जुड़े हैं। भारतीय सेना, सुरक्षा एजेंसियों, विदेश सेवा और रक्षा महकमे के कई पूर्व अफसर इन कंपनियों के परोक्ष मददगार होते हैं। यह कंपनियां ऐसे लोगों को उनके रिटायरमेंट के बाद अनौपचारिक तौर पर अपना सलाहकार नियुक्त कर लेती हैं। ये लोग इन कंपनियों के हथियारों की बिक्री के लिए तरह-तरह से माहौल बनाने का काम करते हैं। देश में युद्धोन्माद पैदा करना और सेना में संसाधनों का अभाव बताना भी उनके इसी उपक्रम का हिस्सा है। कहने की आवश्यकता नहीं कि इन लोगों को इस काम के लिए हथियार कंपनियों से अच्छा खासा 'पारिश्रमिक' मिलता है। तो देशभक्ति के नाम यह इनका अपना व्यापार है जो इन दिनों जोरों पर चल रहा है।

अनिल जैन

> जब हर तरह से युद्ध हमारे लिए हानिकारक है तो फिर इसका विकल्प क्या है? पाकिस्तान की हरकतों और आतंकवाद से हम कैसे निबटें? सवाल महत्वपूर्ण है और इसका जवाब यह है कि हम पाकिस्तान पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका समेत दुनिया के दूसरे देशों से गुहार जरूर करें लेकिन ऐसा करने के पहले हमें इस दिशा में खुद ही पहल करनी चाहिए।

युद्ध का माहौल बनाने में जुटे कुछ टीवी चैनलों ने तो यह भी बता दिया है कि दोनों देशों के बीच युद्ध में अगर परमाणु युद्ध हथियारों का इस्तेमाल होता है तो पाकिस्तान का नुकसान ज्यादा होगा, वह तबाह हो जाएगा, दक्षिण एशिया का भूगोल बदल जाएगा आदि-आदि। कुछ चैनल सुझा रहे हैं कि भारत युद्ध न भी करें तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर आतंकवादियों के शिविर नष्ट कर दे। हालांकि भारत की ओर से ऐसी कार्रवाइयां पिछले 27 वर्षों में 11 बार हो चुकी हैं, जिनमें से दो बार तो मोदी सरकार के दौर में ही हुई हैं, तो भी पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान और उसके द्वारा पोषित आतंकवादियों के मनसूबों पर इसका कोई असर नहीं हुआ है।

भारतीय सत्ता प्रतिष्ठान का यह मुगालता पुराना है कि अमेरिका भारत का दोस्त है। इससे भी बड़ा मुगालता मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप उनके व्यक्तिगत दोस्त है। हमारे कॉरपोरेट घरानों, कॉरपोरेट पोषित मीडिया और देश के उच्च मध्यम वर्ग के मन में भी अमेरिका के प्रति अगाध श्रद्धा है। ऐसे सभी लोगों के लिए क्या यह सूचना महत्वपूर्ण नहीं है कि अमेरिका ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा तो की है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रम्प ने साथ में यह भी कहा है कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही उनके करीबी हैं और दोनों खुद ही इस मसले को हल कर लेंगे। जाहिर है कि अमेरिका ने खुद को इस मामले से अलग रखने का इरादा जता दिया है। इसकी वजह यह है कि हथियार खरीदी के मामले में पाकिस्तान भी अमेरिका का कोई छोटा ग्राहक नहीं है। इसके अलावा कई मौकों पर पाकिस्तानी सैन्य अड्डों का इस्तेमाल भी वह करता रहा है।

जहां तक चीन का सवाल है, उसके तो और भी ज्यादा हित पाकिस्तान के साथ जुड़े हुए हैं। उसने भी पहलगाम हमले की निंदा तो की है लेकिन पाकिस्तान को अपना मजबूत दोस्त और रणनीतिक भागीदार भी बताकर स्पष्ट कर दिया है कि युद्ध जैसी स्थिति में वह क्या करेगा। रूस की प्रतिक्रिया भी भारत के लिए आश्वस्तकारी नहीं है। तुर्की, ईरान, सऊदी अरब सहित कई मुस्लिम देश तो खुल कर पाकिस्तान के साथ हैं। यहां तक कि भारत के छोटे-छोटे पड़ोसी देश भी इस मामले में भारत से दूरी बनाए हुए हैं। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत-पाकिस्तान युद्ध की स्थिति में कौन किसके साथ रहेगा!

कुल मिलाकर युद्ध हमारे लिए बुरी तरह घाटे का सौदा साबित होगा। पाकिस्तान भले ही हमारी तरह परमाणु शक्ति संपन्न है लेकिन वह निहायत ही उद्दण्ड और गैरजिम्मेदार मुल्क भी है। आर्थिक तौर पर तो वह बर्बाद है ही। उसके पास अपने बेगुनाह अवाम के अलावा खोने को भी कुछ खास नहीं है। इसलिए उसके साथ युद्ध की स्थिति में जो भी कुछ बिगड़ना है वह भारत का ही बिगड़ना है।

सवाल उठता है कि जब हर तरह से युद्ध हमारे लिए हानिकारक है तो फिर इसका विकल्प क्या है? पाकिस्तान की हरकतों और आतंकवाद से हम कैसे निबटें? सवाल महत्वपूर्ण है और इसका जवाब यह है कि हम पाकिस्तान पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका समेत दुनिया के दूसरे देशों से गुहार जरूर करें लेकिन ऐसा करने के पहले हमें इस दिशा में खुद ही पहल करनी चाहिए, जो कि भारत सरकार ने पहलगाम हमले के बाद की भी है। भारत की इस पहलकदमी से आने वाले समय में पाकिस्तान पर निश्चित रूप से दबाव बनेगा। अलबत्ता इन कदमों से अदानी, अंबानी और जिंदल जैसे हमारे यहां के कुछ उद्योग समूहों के हित जरूर प्रभावित हो सकते हैं, जिनके कारोबारी रिश्ते गहरे तौर पर पाकिस्तान और वहां के सत्ता प्रतिष्ठान से ताल्लुक रखने वाले लोगों के साथ जुड़े हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ अपने स्तर पर की जा सकने वाली इस तरह की राजनयिक और आर्थिक नाकेबंदी के साथ ही हमें अपनी सुरक्षा व्यवस्था और खुफिया तंत्र को भी चाक-चौबंद करने के उपाय करने चाहिए। हर आतंकवादी हमले के बाद इस मोर्चे पर हमारी कमजोरियां उजागर होती हैं और सरकार की ओर से इन कमजोरियों को दुरुस्त करने की बातें भी होती हैं, लेकिन होता कुछ नहीं है। पहलगाम हमले में भी यह कमजोरी साफ तौर पर उभरकर सामने आई है। इससे पहले उड़ी, पठानकोट एयरबेस और पुलवामा में हुए आतंकवादी हमले भी हमारी इन्हीं कमजोरियों के परिणाम थे। इन कमजोरियों को दूर किए बगैर अगर हम पाकिस्तान का रण-निमंत्रण स्वीकार कर भी लें तो उससे मसले का कोई स्थायी हल नहीं निकल सकता। आखिरकार हम पाकिस्तान की तुलना में कहीं ज्यादा सभ्य देश हैं। ऐसे ही मौकों पर हमारी सभ्यता का इम्तिहान होता है, जब हम उकसावे में आए बगैर अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए अपने मूल्यों को बनाए रखें। युद्ध नहीं, शांति और सह-अस्तित्व ही हमारी सभ्यता का आधार है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

जातिवार जनगणना से जुड़ी अपार संभावनाएं

पहलगाम कांड के बाद प्रधानमंत्री और संघ प्रमुख की बैठक हुई तो मुल्क 'बड़े' फैसले की उम्मीद कर रहा था। फैसला बड़ा तो हुआ लेकिन पहलगाम के दोषियों को सख्त सजा देने का नहीं। यह कुछ नया ही विषय ऊपर ले आया और इसके चलते यह आरोप भी लगाने लगे कि प्रधानमात्री उस मामले में कुछ करने से बचना चाहते हैं और बढ़ते जनमत का ध्यान दूसरी तरफ मोड़ने के लिए उन्होंने जातिगत जनगणना का फैसला कर लिया। यह संयोग हो सकता है लेकिन यह फैसला इतना हल्का नहीं है। समाज और राजनीति के लिहाज से इसके दूरगामी परिणाम होंगे। चौंकाने और चालाकी का शक करने की एक और वजह संघ और भाजपा का पिछला रिकार्ड है जो आरक्षण की राजनीति, जातिगत जनगणना और हिन्दू समाज में 'भेद' के खिलाफ रहा है। लेकिन कहना होगा कि जब जागो तब सबेरा और यह बहुत बड़ा फैसला ही नहीं है, इसमें काफी सारी विसंगतियों को दूर करने का अवसर भी है। सबसे बड़ी विसंगति तो ओबीसी की संख्या जाने बगैर उसको आरक्षण देना है और सुप्रीम कोर्ट द्वारा पचास फीसदी की सीमा लगाना है जबकि हर अनुमान पिछड़ों-दलित और आदिवासियों की संख्या का अनुपात ज्यादा मानता है। साथ ही मौजूदा समाज में जाति के साथ पिछड़ेपन के और आधार हैं लेकिन उनको चलताऊ मान लिया गया है। कहीं महिलाओं तो कहीं विकलांगों को दो-एक प्रतिशत आरक्षण जैसे समाधान की कोशिश की गई है। परिणाम है कि रोज नए समूह आरक्षण की मांग लेकर मैदान में डटे रहते हैं।

अरविन्द मोहन

> जाति गिनने वालों को भी वर्गीकरण और जातियों की संख्या या प्रकृति समझने में दिक्कत हुई लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत निम्न जातियों द्वारा खुद को ऊंचा बताने के दावों को मानने न मानने की हुई। अब आरक्षण का लाभ जुड़ा है तो इस बार खुद को छोटी जाति का या अंत्यज बताने की होड़ होगी। चुनावी राजनीति में संख्या बल का महत्व होने से छोटी-छोटी जातियों का एक नाम के तहत जुटान भी संभव होगा।

इनमें सबसे ज्यादा तो वे किसान जातियां हैं जो आज भी खेती के मैदान में डटी हैं और उनकी खेती की आमदनी उद्योग, व्यापार और कथित सेवा क्षेत्र की तुलना में पिछड़ती जा रही है। जाट, मराठा, पटेल जैसी जातियां कभी आरक्षण को ठुकरा चुकी थीं लेकिन बदले हालात में उनका आंदोलन सबसे उग्र होता है। दूसरा अध्याय खुद को ओबीसी से अनुसूचित जाति या जनजाति वर्ग में डालने का है। रेडी, लिंगायत, विक्कलिगा और नायर जैसी जातियां क्रीमी लेयर के फार्मूले के खिलाफ लगी रहती हैं। अल्पसंख्यक जमातों को आरक्षण के दायरे में लाना, महिलाओं को आरक्षण देना, निजी क्षेत्र में आरक्षण देना और फौज तथा पुलिस में आरक्षण की मांग भी उठती रहती है। खैर मनाइए कि देसी भाषाओं से पढ़े बच्चों, गरीब और ग्रामीण समाज के वंचित बच्चों की तरफ से अभी तक जोरदार आवाज नहीं उठी है। इसलिए यह कहना एकदम उचित है कि जब समाज के हर वर्ग की संख्या और स्थिति का एक साथ व्यापक आंकड़ा आ जाएगा तो सारी वंचनाओं को मिटाने की तरफ कदम बढ़ाने वाली आरक्षण/विशेष अवसर की व्यवस्था लाई जा सकती है।

इसलिए यह हिसाब छोड़िए कि यह फैसला क्यों हुआ और यह पहलगाम से ध्यान भटकाने के लिए हुआ, बिहार के आगामी चुनाव के लिए हुआ, कांग्रेस और विपक्ष के दबाव से हुआ या भाजपा को इसका श्रेय उसी तरह मिलेगा जैसा वी पी सिंह को मिला। शायद वह दौर बीत चुका है और लोग यह भी भूल गए हैं कि भाजपा ने आरक्षण के मुद्दे पर ही बिहार में कर्पूरी ठाकुर और केंद्र में वी पी सिंह सरकार गिरा दी है। इतना बड़ा फैसला लेने का श्रेय नरेंद्र मोदी को दिया जाना चाहिए। और यह उम्मीद छोड़ देनी चाहिए कि इस बार भी मण्डल जैसा तूफान उठेगा या सारी राजनीति तथा संसद और विधान सभाओं का सामाजिक चरित्र बदल जाएगा। वोट भी एकदम से किसी एक तरफ जाए अब इसकी संभावना भी कम लगती है।

जो हो सकता है वह बहुत बड़ा है। इसमें सबकी जाति को गिनना, समझना और उसका वर्गीकरण करना एक जटिल काम है और जब जातिवार जनगणना होती थी और फिर रोकी गई तब ये सारे फैक्टर थे। जाति गिनने वालों को भी वर्गीकरण और जातियों की संख्या या प्रकृति समझने में दिक्कत हुई लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत निम्न जातियों द्वारा खुद को ऊंचा बताने के दावों को मानने न मानने की हुई। अब आरक्षण का लाभ जुड़ा है तो इस बार खुद को छोटी जाति का या अंत्यज बताने की होड़ होगी। चुनावी राजनीति में संख्या बल का महत्व होने से छोटी-छोटी जातियों का एक नाम के तहत जुटान भी संभव होगा। पर अगर एक साफ और सभी तरह की वंचनाओं को समेटने वाली व्यवस्था बने, जिसमें जातिगत भेदभाव का वेटेज (वजन) सबसे ज्यादा रखा जाए, तो न सिर्फ सर्वस्वीकृत आरक्षण व्यवस्था कायम होगी बल्कि इसमें कथित क्रीमी लेयर के भी स्वतः छंटते जाने का काम होता जाएगा।

कभी जेएनयू के नामांकन में सौ अंकों का बीस फीसदी हिस्सा विभिन्न तरह की वंचनाओं के लिए अलग-अलग वेटेज के आधार पर तय होता था। इसमें जाति, आर्थिक स्थिति, लड़का-लड़की, गांव-शहर और अंग्रेजी स्कूल की पढ़ाई हुई या नहीं, इस आधार पर अलग-अलग अंक थे। जाति और आर्थिक स्थिति में भी कई श्रेणियां और उनके हिसाब से अंक थे। पर कुल विशेष अंक की सीमा बीस ही थी। अगर कोई लड़की बाकी कोई अंक नहीं पाती तो उनको जेंडर के दो या तीन विशेष अंक तो मिल जाते थे। गांव से आया सवर्ण और अच्छी आय वाले बच्चों को भी अंग्रेजी न जानने के नुकसान की भरपाई के दो या तीन अंक मिल जाते थे। दलित और आदिवासी को ज्यादा विशेष नंबर थे लेकिन ओबीसी समूह को भी ठीक ठाक विशेष अंक मिलते थे। जिसके परिवार की कमाई बढ़ी, शहरी हुआ, अंग्रेजी पढ़ाई शुरू हुई तो वह खुद ब खुद क्रीमी लेयर के ऊपर हों जाता था जिसमें दलित-आदिवासी भी हो सकते थे और ओबीसी भी। और इसी के चलते वहां के छात्र समुदाय का चरित्र एकदम अलग बना। उनका अकादमिक प्रदर्शन कैसा हुआ यह बताने की जरूरत नहीं है।

जनगणना में सामाजिक स्थिति जानने के दसियों आंकड़े इकट्ठे किए जाते हैं। 2011 की जनगणना में तो जातियों का पता करने के साथ खेती-बाड़ी, मकान, दूकान, चारपहिया-दो पहिया, रंगीन टीवी, मोबाइल जैसी सारी सूचनाएं इकट्ठा की गई थीं जिनमें कुछ जारी हुए कुछ दबा लिए गए। इस बार तो अज्ञात कारणों से जनगणना ही रोककर रखी गई है और जातिवार जनगणना ही नहीं महिलाओं का आरक्षण और संसदीय सीटों का पुनर्गठन भी आगे के लिए टाला गया है। गृह मंत्री का दावा है कि अगली जनगणना में बहुत व्यापक सूचनाएं जुटाई जाएंगी। सो जातिगत वंचना या जेंडर की स्थिति के साथ ही दूसरी वंचनाओं का हिसाब लगाना आसान होगा। फिर इस बीच लंबी चर्चाओं से जानकार लोगों से पिछड़ेपन के मानकों और वेटेज का एक सर्वमान्य फार्मूला भी तय कर लिया जाए। इसमे जन्मानुगत वंचनाओं का वेटेज ज्यादा होना चाहिए। पर खेतिहर समाज, मजदूरी वाले वर्ग, ग्रामीण और आदिवासी समाज की तकलीफों का भी महत्व समझना होगा। और जब कुल हिसाब होगा तो सचमुच में वही जमात सामने आएगा जिसे विशेष अवसर की जरूरत है। सो राजनीति चले कोई हर्ज नहीं, वोट की मारामारी हों कोई हर्ज नहीं लेकिन शासन से जुड़े लोगों को इस बीच पिछड़ेपन और वंचनाओं की पहचान और वर्गीकरण का काम पूरा कर लेना चाहिए जिससे आंकड़े आते ही एक व्यापक लाभ देने वाली व्यवस्था खड़ी हों जाए और रोज-रोज की राजनीति खत्म हो। पिछड़ापन शर्म की बात है, गर्व की नहीं।

आपके पत्र

वक़्फ़ संशोधन विधेयकः एक विवादास्पद कदम और इसके संभावित परिणाम

वक़्फ़ संपत्तियों की व्यवस्था सदियों से एक धार्मिक और कल्याणकारी परंपरा के रूप में चली आ रही है, जिसके तहत मुसलमानों ने अपनी संपत्तियां धार्मिक, शैक्षिक और समाजसेवी उद्देश्यों के लिए वक़्फ़ की हैं। हालांकि, हाल ही में प्रस्तावित वक़्फ़ संशोधन विधेयक ने इस प्रणाली पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इस लेख में, हम इस विधेयक की जटिलताओं, इसके संभावित प्रभावों और इसके विरोध के औचित्य का विस्तार से विश्लेषण करेंगे।

ऐतिहासिक और सामाजिक संदर्भ-वक़्फ़ की अवधारणा इस्लामिक इतिहास में गहरी जड़ें रखती है। मुसलमानों ने मस्जिदों, मदरसों, अस्पतालों और अन्य कल्याणकारी संस्थानों की स्थापना के लिए वक़्फ़ का उपयोग किया है। उपमहाद्वीप में भी वक़्फ़ संपत्तियों ने शिक्षा और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वक़्फ़ संपत्तियां हमेशा समुदाय की भलाई के लिए समर्पित रही हैं और उनमें सरकारी हस्तक्षेप को अन्यायपूर्ण माना जाता है।

कानूनी और संवैधानिक पहलू-भारतीय संविधान के तहत धार्मिक स्वतंत्रता और आस्था के अनुसार पूजा करने का अधिकार मूल अधिकारों में शामिल है।

अनुच्छेद 25- सभी नागरिकों को अंतरात्मा की स्वतंत्रता और अपने धर्म को मानने, उसका प्रचार करने का अधिकार है।

अनुच्छेद 26- प्रत्येक धार्मिक समूह को अपने धार्मिक मामलों को स्वायत्त रूप से संचालित करने का अधिकार है।

अनुच्छेद 29 और 30- अल्पसंख्यकों को अपनी संस्कृति, धर्म और शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और संचालन का पूरा अधिकार है।

वक़्फ़ अधिनियम 1995-वक़्फ़ संपत्तियों की सुरक्षा और उनके प्रबंधन के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान करता है। हालांकि, संशोधन विधेयक के तहत सरकार को वक़्फ़ संपत्तियों पर अधिक नियंत्रण देने का प्रयास किया जा रहा है, जो कि अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों के विरुद्ध है।

संभावित नुकसान- वक़्फ़ संपत्तियों पर सरकारी नियंत्रण बढ़ने से धार्मिक और समाजसेवी संस्थानों की स्वायत्तता समाप्त हो जाएगी।

कई शैक्षिक संस्थान, अनाथालय और अस्पताल, जो वक़्फ़ संपत्तियों पर संचालित होते हैं, प्रभावित हो सकते हैं।

इस कदम से अल्पसंख्यकों में अविश्वास बढ़ेगा और यह कानून उनके अधिकारों पर प्रतिबंध लगाने के समान होगा।

जनभावनाएं और सामाजिक प्रभाव-इस विधेयक के खिलाफ विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों ने चिंता व्यक्त की है। कई स्थानों पर इसके विरोध में प्रदर्शन भी हुए हैं, क्योंकि इसे अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर हमला माना जा रहा है। वक़्फ़ संपत्तियों के तहत संचालित कई कल्याणकारी योजनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

विकल्प और सुझाव-यदि सरकार वक़्फ़ संपत्तियों के प्रबंधन में सुधार चाहती है, तो उसे अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं और विद्वानों से परामर्श करना चाहिए। पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, वक़्फ़ बोर्डों की आंतरिक संरचना को मजबूत किया जा सकता है ताकि उनका बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।

वक़्फ़ संशोधन विधेयक एक विवादास्पद कानून है, जो न केवल धार्मिक स्वतंत्रता के सिद्धांतों के खिलाफ है बल्कि अल्पसंख्यकों में असुरक्षा और बेचैनी भी बढ़ा सकता है। सरकार को इस विधेयक पर पुनर्विचार करना चाहिए और धार्मिक व सामाजिक संस्थानों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। जनता और समाजसेवी संगठनों को भी इस मुद्दे पर अपनी आवाज़ बुलंद करनी चाहिए, ताकि न्याय और समानता के सिद्धांतों की रक्षा की जा सके।

नुजहत सुहैल पाशा
जमात इस्लामी हिंद विमेंस विंग रायपुर

ललित सुरजन की कलम से

अडवानी या मोदी : फर्क क्या है?

'नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में गुजरात में 2002 का नरसंहार ही नहीं हुआ, उसके बाद का घटनाचक्र भी उनकी कोई बेहतर छवि पेश नहीं करता। आज उन्होंने अडवानीजी को किनारे लगाया है, लेकिन इसके बहुत पहले वे गुजरात में भाजपा की नींव मजबूत करने वाले केशुभाई पटेल व सुरेश मेहता जैसे नेताओं को दरकिनार कर चुके हैं। याने अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति में वे व्यक्तिगत संबंधों की परवाह नहीं करते। अपने ही एक मंत्री हरेन पंडया की हत्या को लेकर उनकी भूमिका पर सवाल उठाए जाते रहे हैं। दूसरी तरफ वे हत्या के आरोपी अमित शाह को पार्टी महासचिव बनवाते हैं और सरेआम बंदूक का डर दिखाने वाले विट्ठल रादडिया को भाजपा प्रवेश कर उन्हें लोकसभा का टिकट देते हैं। याने उन्हें इस बात की तनिक भी परवाह नहीं है कि उनके साथी-सहयोगियों का चरित्र क्या है। नरेंद्र मोदी अपनी लोकप्रिय छवि बनाने के लिए निरंतर उपाय करते रहे हैं। इसके बावजूद सोहराबुद्दीन हत्याकांड, इशरत जहां हत्याकांड और एहसान जाफरी की हत्या जैसे दुखदायी प्रसंग भूत बनकर उनका पीछा कर रहे हैं। माया कोडनानी सहित उनके कुछ और कट्टर साथी जेल में सजाएं भुगत ही रहे हैं। ऐसे प्रकरणों पर पर्दा डालते हुए श्री मोदी अपने छवि निर्माण के लिए विराट सम्मेलन करते हैं, लेकिन वे उस क्षण बेनकाब हो जाते हैं जब वे मुसलमान फकीर द्वारा दी गई टोपी पहनने से खुले मंच पर इंकार कर देते हैं। दूसरे शब्दों में दीनदयाल उपाध्याय के जिस एकात्म मानवतावाद का मंत्र लेकर अटल बिहारी वाजपेयी आगे बढ़े थे उसके लिए नरेंद्र मोदी के विचार और कार्य में कोई जगह नहीं है।'

(देशबन्धु में 13 जून 2013 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2015/07/blog-post.html

पावन प्रसंग

हमारा लक्ष्य पूर्णता की ओर

पूर्ण से हम आर्विभूत हुए हैं? पूर्ण की ओर हमें जाना है। अंततः पूर्ण ही हमें तृप्ति देगा- यह वाक्य उपनिषदों में दिखाई देगा। हमारी महत्ता क्या है? यह उस संकेत की ओर इशारा करता है जिसे कि भारतीय संस्कृति सदा से परिभाषित करती आई है। वह है स्वयं से प्रतिष्ठित हो स्वयं की जाग्रति द्वारा स्वयं का उद्धार। यह बात उन्हें ही समझ में आएगी जिनकी आत्मा इतने उच्च मूल्यों को स्वीकार कर सकने में समर्थ हो अर्थात उनमें सत्य को देख सकने की सामर्थ्य विकसित हो चुकी हो। जो अपने आप में सदा एकरस एवं जगत की परिस्थितियों के मध्य अपने को उच्च लक्ष्य के प्रति समर्पित रखने में सफल होते हैं, वही वास्तव में जीवन का मूल्य पहचान पाते हैं। हमें विकसित होना हे परंतु अपने आत्मा की परिधि में। जिसे अपनी आत्मा का भान है वह कभी भी कुपित मान्यता लिए अपने आपको दूषित विचारों एवं ओछे प्रयोजनों हेतु समर्पित नहीं कर सकता है। ऐसा व्यक्ति अपने जीवन की जाग्रति द्वारा दूसरों को प्रकाश पहुंचाने में समर्थ है, यही उसकी पहचान है; एवं इसके लिए उसे कहीं अन्यत्र भटकना नहीं पड़ता है, क्योंकि उसकी आत्मा स्वयं अपना मार्ग बनाने में समर्थ होती है। जिसकी आत्मा पर दाग नहीं लगे, जो सांसारिक पिरिस्थितियों के वशीभूत नहीं हुआ है एवं जो स्वयं में परिपूर्ण अनुभव कर आगे बढ़ता है। वही योगी है एवं उसे परम कल्याण का स्वर प्राण है।

जब तक हम भीतर से परिपूर्ण नहीं होते तब तक जगत का कोई भी प्रयोजन हमें सार्थकता नहीं दे सकती। यही आत्मा का सिद्धांत है जो इसकी पूर्ति कर लेता है। उसे जीवन में कभी सफलता की कमी नहीं होती क्योंकि अपने भीतरी केंद्र से संचालित होना ही सफलता है। जीवन का ध्येय यदि देखा जाए तो वह आत्मोत्कर्ष है। इसके लिए किसी विशेष प्रक्रिया की नहीं बल्कि स्वयं के आत्म विगलन एवं संपूर्णता में आत्मभाव की प्राप्ति हैंने की आवश्यकता होती है। जब यह हो जाए तब प्रत्येक गतिविधि का सार यही निकलता है कि क्या आत्मा की प्राप्ति हुई? आत्मा को उसकेविषयों के विलय परंम तृप्ति का मार्ग सुझाए, इसे ही प्रज्ञा कहते हैं। प्रज्ञा का अभिप्राय उल उच्च स्तरीय बुद्धि या मेधा से है जो कि यथार्थ में आत्मा के अनुसंधान में कार्य करे एवं वह परिणाम उपस्थित करे जिससे कि आत्मा अपने मूल लक्ष्य एकत्व प्राप्ति में सफल हो। उसे जो कुछ चाहिए वह जगत से नहीं बल्कि अपने आप से चाहिए- अपने आप में यदि वह महान बन जाए तो उसे सौभाग्यशाली एवं हर प्रकार की विषमता से परे एक दैदीप्य स्वर में प्रकाशित व्यक्तित्व कहा जाएगा। यही उसका चिर-विधान है। हम एक बात को समझने में मनुष्य को समझने में अधिकाधिक समय लग जाता है कि वह जिस चीज से परेशान है वह उसके भीतर की अपूर्णता ही है।

-अखंड ज्योति

मुख्यमंत्री ने की राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड से अनुबंध के बाद हुई कार्रवाई की समीक्षा

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की विशेषज्ञता का लाभ संपूर्ण प्रदेश को समान रूप से मिले : डॉ. यादव

- सहकारी संघों के साथ निजी डेयरी संचालकों को भी आवश्यक कंसल्टेंसी उपलब्ध कराई जाए
- प्रदेश में सुगमता से उपलब्ध हों अन्य राज्यों की बेहतर नस्ल की गाय-भैंस

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करना हमारा संकल्प है। इसके लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की डेयरी क्षेत्र में विशेषज्ञता का लाभ संपूर्ण प्रदेश को समान रूप से मिले यह सुनिश्चित करना आवश्यक है। सहकारी संघों के साथ निजी डेयरी संचालकों को भी आवश्यक कंसल्टेंसी उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए अन्य राज्यों की बेहतर नस्ल की गाय-भैंसों को प्रदेश में लाने और उन्हें किसानों को उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने की आवश्यकता है। यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि प्रदेश में उत्पादित दूध के वैल्यू एडिशन के बाद ही डेयरी उत्पाद प्रदेश के बाहर जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और म.प्र. राज्य सहकारी दुग्ध संघ के मध्य संपादित अनुबंध के बाद की गई कार्रवाई की समत्व भवन में समीक्षा कर रहे थे। बैठक में पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के प्रमुख मिनेश शाह, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एस. रघुपति, महाप्रबंधक संजय गोबानी सहित अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बड़ी गौशालाएं विकसित की जा रही हैं। इनके विकास और बेहतर प्रबंधन से भी दूध उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि निजी विश्वविद्यालय भी डेयरी टेक्नोलॉजी और एनिमल हसबेंडरी संबंधी कोर्स संचालित करें। विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थाओं के तकनीकी विशेषज्ञों को गौशालाओं से जोड़कर उनके मार्गदर्शन और निर्देशन से गौशालाओं के प्रबंधन को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

बैठक में बताया गया कि अनुबंध के परिपालन में प्रदेश के दुग्ध संघों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों का प्रभार राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा नामित मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को सौंपा जा चुका है। निर्देशानुसार प्रदेश की दुग्ध सहकारी समितियों के कव्हरेज क्षेत्र के विस्तार, दुग्ध संकलन, दुग्ध प्रसंस्करण और दुग्ध उत्पादों के लिए अद्यतन तकनीक पर आधारित अधोसंरचना विकसित करने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के समन्वय से कार्य जारी है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड अगले पांच साल में प्रदेश के कम से कम 50 प्रतिशत गांवों में प्राथमिक डेयरी सहकारी समितियों की स्थापना के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहा है। इससे बड़ी संख्या में किसानों को लाभ मिलेगा। किसानों को दूध का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से दुग्ध संघों द्वारा दूध खरीदने की दर में वृद्धि की गई है। दुग्ध संकलन, गुणवत्ता नियंत्रण, भंडारण व्यवस्था आदि की विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा की जा रही है। सम्पूर्ण डेयरी वैल्यू चेन के डिजिटलाईजेशन के अंतर्गत ऑटोमेटिक मिल्क कलेक्शन सिस्टम का क्रियान्वयन प्रस्तावित है।

मध्यप्रदेश डेयरी विकास योजना के अंतर्गत डेयरी सहकारी कव्हरेज के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के साथ ही दूध और दूध के उत्पादों के विपणन में सुधार के लिए कोल्ड चैन इन्फ्रास्ट्रक्चर, मिल्क पार्लर स्थापना, ब्राण्ड प्रमोशन, मार्केट स्टडी प्रस्तावित है। दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए पशुओं के पोषण और स्वास्थ्य के संबंध में विशेषज्ञतापूर्ण गतिविधियां संचालित की जाएंगी। साथ ही राज्य शासन की किसान कल्याण योजनाओं की डेयरी सहकारी संस्थाओं के समन्वय से क्रियान्वयन के लिए भी पहल होगी।

मुख्यमंत्री ने मझौली में किये विष्णु वराह के दर्शन, प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

जबलपुर, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर के मझौली में भगवान विष्णु वराह के दर्शन करविष्णु वराह मंदिर में पूजा अर्चना की तथा प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। संस्कृति, पर्यटन एवं धार्मिक न्यास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी, सांसद आशीष दुबे, विधायक अजय विश्नोई, राजकुमार पटेल भी इस अवसर पर उनके साथ थे।

जबलपुर से लगभग 45 किलोमीटर दूर मझौली स्थित विष्णु वराह मंदिर का निर्माण 11 वीं शती में किया गया था। कालांतर में ध्वस्त हुये कल्चुरीकालीन इस मंदिर का 18 वीं शती में पुनर्निर्माण कराया गया। बताया जाता है कि इस मंदिर में स्थापित भगवान विष्णु वराह की प्रतिमा विश्व की सबसे बड़ी और एकमात्र ऐसी प्रतिमा है जिसकी पूजा होती है। इसे 11वीं शती में मंदिर के गर्भ गृह में स्थापित किया गया था। धार्मिक एवं पौराणिक महत्व का विष्णु वराह मंदिर कला की दृष्टि से भी उत्कृष्ट है और राज्य संरक्षित स्मारकों में शामिल है।

रोटरी मंडल अध्यक्ष मलिक ने किया अर्शी कुरैशी और अवसरकर दम्पति का सम्मान

भोपाल, देशबन्धु। पर्यावरण एवं शिक्षा पर कार्य कर रही भोपाल की सामाजिक संस्था हैल्पबॉक्स फॉउण्डेशन का रोटरी अंतर्राष्ट्रीय मंडल 3040 के अध्यक्ष रोटेरियन अनीश मलिक द्वारा सम्मान एवं अभिनंदन किया गया।

रो. मलिक रविवार को रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल की अधिकारिक यात्रा पर थे। क्लब द्वारा संचालित अपने सेवा प्रकल्पों के अतिरिक्त सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही संस्थाओं को भी प्रोत्साहित किया जाता है। इसी कड़ी में उसने भोपाल की सामाजिक संस्था हैल्पबॉक्स फाउण्डेशन के संचालक द्वय कविता एवं सुनील अवसरकर का श्रीफल एवं शॉल से स्वागत किया। इसी तरह भोपाल स्टेशन के पास हिनौतिया इलाके में घुमक्कड़ समुदाय के बच्चों को शिक्षा प्रदान कर मुख्य धारा में लाने का उपक्रम कर रही अर्शी कुरैशी का भी स्मृति चिन्ह एवं उपहार देकर अभिनंदन किया गया।

यह कार्यक्रम रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल के अध्यक्ष रो. मनोज झा एवं मानद सचिव रो. श्रीकांत फाटक के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री मलिक की जीवन संगिनी रो. सिमी मलिक, रोटरी मंडल 3040 के सहायक मंडल अध्यक्ष रो. डी.सी. वर्मा, तथा क्लब के अन्य पदाधिकारी तथा सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन रो. ऋतुराज सिंह परमार एवं रो. अल्पना मिश्रा ने किया।

कांग्रेस ने मीडिया विभाग में किया बदलाव, 53 प्रवक्ता बनाए

मुख्य प्रवक्ता का पद किया खत्म

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस ने मीडिया विभाग में बदलाव करते हुए 53 प्रवक्ताओं की नियुक्ति की है। प्रवक्ताओं की इस लंबी फेहरिस्त में 9 मुख्य प्रवक्ताओं को हटा दिया गया है। जिसमें 4 पूर्व विधायक हैं, जिन्हें संगठन में अलग-अलग जिम्मेदारी मिलने के चलते प्रदेश प्रवक्ता के दायित्व से मुक्त कर दिया गया है।

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा अनुमोदित सूची जारी करते हुए मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने बताया कि जिन प्रवक्ताओं की नियुक्ति की गई है उनमें अजीत भदौरिया, अपराजिता पांडे, अब्बास हफीज, अभिनव बरोलिया, अमित चौरसिया, अमित तावड़े, अंबिका शर्मा, अवनीश बुंदेला, आनंद जाट, आनंद जैन कासलीवाल, आरपी सिंह, कुंदन पंजाबी, गुंजन शुक्ला, जितेन्द्र मिश्रा, ज्योति पटेल, धर्मेन्द्र शर्मा, नीलाभा शुक्ला, नूरी खान, प्रतिभा विक्टर, प्रमोद द्विवेदी, प्रवीण धौलपुरे, प्रियंका शर्मा, फिरोज सिद्दिकी, भूपेन्द्र गुप्ता, मिथुन अहिरवार, मुकेश पंथी, मृणाल पंत, योगेश यादव, रवि वर्मा, रवि सक्सेना, राजेश चौकसे, राम पांडे, राहुल राज, रीतेश त्रिपाठी, रोशनी यादव, विक्रम चौधरी, विनय सक्सेना, विनोद शर्मा, विवेक त्रिपाठी, शहरयार खान, शैलेन्द्र पटेल, संगीता शर्मा, संतोष सिंह गौतम, संतोष सिंह परिहार, संदीप सबलोक, समर सिंह, साबिर फिटवाल, सीताशरण सूर्यवंशी, सुनील मिश्रा, स्पर्श चौधरी, स्वदेश शर्मा, हर्ष जैन और हिमानी सिंह शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष 27 मार्च को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा की जगह मुकेश नायक को अध्यक्ष नियुक्त किया था। साथ ही 9 मुख्य प्रवक्ता और 22 प्रवक्ताओं की नियुक्ति की थी। कांग्रेस के संगठन प्रभारी संजय कामले ने अब मुख्य प्रवक्ता का पद समाप्त करने के साथ ही 53 प्रवक्ताओं की नियुक्ति की घोषणा की है।

9 प्रवक्ताओं को किया जिम्मेदारी से मुक्त

पिछले साल मार्च में 9 मुख्य प्रवक्ताओं और 22 प्रवक्ताओं सहित मीडिया विभाग में 31 नियुक्तियां की गई थीं। इस बार 53 प्रवक्ताओं की नियुक्तियां हुई है। इसमें कुछ प्रवक्ताओं को संगठन में अन्य जिम्मेदारी में व्यस्तताओं और कुछ को निष्क्रियता के चलते पदमुक्त कर दिया गया है। इनमें पूर्व विधायक कुणाल चौधरी, डॉ.अशोक मर्सकोले, बैजनाथ कुशवाह, विपिन वानखेड़े, राजकुमार उपाध्याय केलू, रीना बौरासी, अवनी बंसल, अमित शर्मा के नाम शामिल हैं।

रेस्टोरेंट में जगह ने मिलने पर मंत्री हुए नाराज, रेस्टोरेंट में बुलाई खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम, नमूने लिए

ग्वालियर, देशबन्धु। रेस्टोरेंट में जगह न मिलने से प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री नाराज हो गए और उन्होंने आनन-फानन में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को बुला लिया। आधी रात को ही टीम ने होटल के किचन से खाद्य सामग्री के नमूने लिए। घटना की खबर मिलते ही भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, मीडिया प्रभारी और पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। घटना पटेल नगर स्थित क्वालिटी रेस्टोरेंट में रविवार रात को हुई।

दरअसल, मंत्री पटेल विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे की शादी समारोह में शामिल होने ग्वालियर आए थे। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वे परिवार समेत क्वालिटी रेस्टोरेंट पहुंचे थे। पटेल कुर्ता पायजामा में न होकर फॉर्मल ड्रेस में थे। जिसकी वजह से होटल कर्मचारी उन्हें पहचान नहीं सके। होटल में रविवार के चलते खासी भीड़ थी। पहले से ही सभी टेबल बुक थीं, जिसके चलते मंत्री को सीट नहीं मिल पाई। एक तो स्टाफ ने पहचाना नहीं, दूसरे इंतजार करने के लिए कह दिया। मंत्री इस बात से नाराज हो गए, उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को बुला लिया। रेस्टोरेंट पहुंची टीम ने उन्हें खाद्य सामग्री के नमूने लेने के लिए कहा।

निरीक्षण के लिए गया था, स्टाफ ने बदतमीजी की : पटेल

मामले पर मंत्री पटेल ने कहा है कि , मैं ग्वालियर आया तो अस्पताल, एंबुलेंस आदि का निरीक्षण कर कार्रवाई की। इसी क्रम में जांच के लिए क्वालिटी रेस्टोरेंट गया था। वहां स्टाफ ने बदतमीजी की। जब मंत्री से इतनी बदतमीजी से पेश आकर दबाव बनाने का काम किया जा रहा है तो अधिकारी-कर्मचारियों के साथ ये क्या करते होंगे।

टीम के रेस्टोरेंट पहुंचते ही मंत्री ने उन्हें सैंपलिंग के लिए कहा। रात करीब सवा 11 बजे तक तेल, पनीर, मावा के 5 सैंपल लिए गए। इसके बाद होटल वाले माफी मांगने लगे। यह होटल भी किसी भाजपा नेता का बताया जाता है।

होटल संचालक कमल अरोरा ने बताया कि एफएसओ लोकेंद्र सिंह का कॉल आया था कि मंत्री खाना खाने आ रहे हैं। 5 लोगों की टेबल बुक रखना। इसके तुरंत बाद दूसरे एफएसओ बुंदेला ने कॉल कर कहा- 10 लोगों के लिए टेबल बुक रखना। कुछ लोग आए और टेबल के बारे में पूछा तो स्टाफ ने कहा कि लोकेंद्र या बुंदेला...किसकी तरफ से हो। इस पर मंत्री ने खरी-खोटी सुनानी शुरू कर दी। साथ ही मौजूद पीएसओ और समर्थकों ने स्टाफ से धक्का-मुक्की की।

व्यापारी नाराज, बोले - मंत्री को बर्खास्त करने की मांग करेंगे

विवाद के बाद चेंबर ऑफ कॉमर्स और दूसरे व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों से बात की। चेंबर के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने कहा- ये सरासर तानाशाही है। हम प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर पूरे मामले की जांच और मंत्री पटेल की बर्खास्तगी की मांग उठाएंगे।

पटेल को इंस्पेक्टर बनाएं मुख्यमंत्री : कांग्रेस

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल ने कहा- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल को इंस्पेक्टर बनाएं। वे मंत्री बनने लायक नहीं हैं। कभी वो रेत की जांच करने पहुंचते हैं, कभी ग्वालियर में एम्बुलेंस की जांच करते हैं। ऐसे में वे जांच अधिकारी अच्छे हो सकते है।

जनसंपर्क संचालनालय में नीरज शर्मा को दी गई श्रद्धांजलि

भोपाल, देशबन्धु। जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त उप संचालक नीरज शर्मा को सोमवार को जनसम्पर्क संचालनालय में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए जनसंपर्क अधिकारियों ने 2 मिनट का मौन रखा और ईश्वर से प्रार्थना की कि शोकाकुल परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

इस अवसर पर अपर संचालक जी.एस. वाधवा संजय जैन, संयुक्त संचालक पंकज मित्तल, मुकेश मोदी, उपसंचालक अरुण राठौर, क्रांति दीप अलूने, उप संचालक टी.के. चटर्जी, श्रीमती बिंदु सुनील, श्रीमती बबीता मिश्रा, संतोष मिश्रा, दुर्गेश रायकवार, मुकेश दुबे, अरुण शर्मा, सुनील वर्मा, सहायक संचालक राजेश पांडेय, सुश्री सोनिया परिहार आदि उपस्थित थे।

स्वर्गीय विजेश लूनावत के पुण्य स्मरण कार्यक्रम में बोले भाजपा के सह-संगठन महामंत्री

विजेश जी का व्यक्तित्व विराट और श्रेष्ठ था

- पहले दुनिया न छोड़ते तो राजनीति के लिए और बड़ा योगदान हो सकता था
- लूनावत कुशल संगठक और प्रखर वक्ता के साथ अच्छे इंसान थे

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश ने स्व. विजेश लूनावत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वर्गीय विजेश लूनावत आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका उनकी स्मृतियां आज भी हमारे बीच मौजूद हैं। उनका व्यक्तित्व ही ऐसा था कि आज भी उनको याद किया जा रहा है। उनका व्यक्तित्व कितना विराट और श्रेष्ठ था, सुना था आज देख भी लिया। यह बात उन्होंने आज एनआईटीटीआर ऑडिटोरियम में आयोजित भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय विजेश लूनावत की स्मृति में विजेश लूनावत स्मृति फाउंडेशन द्वारा आयोजित चतुर्थ पुण्य स्मरण कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि समय से पहले वह दुनिया न छोड़ते तो राजनीति के लिए और बड़ा योगदान हो सकता था। पार्टी संगठन में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। वे कुशल संगठक और प्रखर वक्ता के साथ बहुत अच्छे इंसान थे। एक बार जो व्यक्ति लूनावत से मिलता था, उनके कृतित्व और व्यक्तित्व की वजह से उनकी तरफ खिंचा चला जाता था। राजनीति में ऐसे विरले लोग ही होते हैं, जिनको समाज हमेशा याद करता है।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि विजेश जी अजनबी से भी इतनी आत्मीयता के साथ मिलते थे कि हर कोई उनका मुरीद हो जाता था। उन्होंने दोस्ती को कभी भी स्वार्थ में बदलने नहीं दिया और न ही कभी स्वार्थ को संबंधों के बीच आने दिया। वरिष्ठ नेता शैलेन्द्र शर्मा और वरिष्ठ पत्रकार मृगेन्द्र सिंह ने फाउंडेशन की तरफ से किए गए कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। पुत्री सुश्री मुस्कान लूनावत ने कहा कि मेरे पापा सेवा, सहयोग और समर्पण की मिसाल थे। पापा के इसी सेवा भाव के संकल्प को हम सभी मिलकर पूरा कर रहे है। हर महीने की 5 तारीख को हम एकजुट होकर दीन दुखियों की सेवा में जुटते है और जुटते रहेंगे। सुश्री मुस्कान ने 4 वर्षों में किए गए सेवा कार्यों को लेकर एक प्रजेंन्टेशन भी दिया।

इस कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, प्रदेश शासन की मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर श्रीमती मालती राय, भाजपा के वरिष्ठ नेता शैलेन्द्र शर्मा, फाउंडेशन के सचिव मृगेन्द्र सिंह, समन्वयक डॉ. शैलेष लूनावत, पुत्री सुश्री मुस्कान लूनावत सहित फाउंडेशन के सदस्य एवं उपस्थितजनों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया। फाउंडेशन की संयोजिका श्रीमती स्मिता लूनावत ने अतिथियों का स्वागत किया। समन्वयक डॉ. शैलेष लूनावत ने आभार माना।

रोटरी इंटरनेशनल पीड़ित मानवता की सेवा में अग्रणी संस्था: मलिक

भोपाल,देशबन्धु। रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल के निरीक्षण की आधिकारिक यात्रा पर मंडलाध्यक्ष अनीस मालिक का सम्मान एमपी नगर होटल में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष मनोज झा ने वर्ष भर की सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी और बताया कि रक्तदान शिविर पोलियो शिविर, स्कूल में कॉपी-किताब, गरीब छात्र को आर्थिक सहायता, विभिन्न स्थानों पर 2 सौ से अधिक पोधारोपण एवम निदान संस्था को चिकित्सा उपकरण प्रदान किए। मंडलाध्यक्ष अनीस मलिक ने क्लब की स्वर्ण जयंती वर्ष पर हार्दिक शुभकामनाएं दी सेवा प्रकल्पो के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की । कार्यक्रम में सामाजिक कार्यों के लिए अर्शी कुरेशी, सुनील अवसरकर एवम मयंक जैन को सम्मानित किया एवम पलाश सुरजन और जीके छिब्बर को क्लब के सेवा प्रकल्पों में योगदान के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर रोटरी 3040 के पूर्व मंडलाध्यक्ष कर्नल महेंद्र मिश्र, जिनेन्द्र जैन एवम निर्वाचित मंडलाध्यक्ष मुकेश साहू सहायक मंडलाध्यक्ष कर्नल एम सी वर्मा भी उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन अल्पना मिश्रा ओर ऋतुराज परमार ने और आभार प्रदर्शन सुनील भार्गव ने किया।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने घटाई गृह ऋण की ब्याज दरें

भोपाल,देशबन्धु। बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने अपने होम लोन (गृह ऋण)की ब्याज दरों में कमी किए जाने की घोषणा की है। बैंक की होम लोन ब्याज दरें अब 8.00 फीसदी प्रति वर्ष (पहले 8.40 फीसदी प्रति वर्ष) से शुरू होंगी। ये दरें नए होम लोन और होम इमप्रूवमेंट लोन पर लागू होंगी। दरें उधारकर्ता के क्रेडिट स्कोर से लिंक्ड हैं और 15 लाख रुपये और उससे अधिक के ऋण पर लागू होंगी। बैंक ने रेपो रेट से लिंक्ड ऋण 1वाले अपने मौजूदा उधारकर्ताओं को रेपो रेट में कटौती का लाभ पहले ही दे दिया है।

जायसवाल आज खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ करेंगे

भोपाल, देशबन्धु। कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री दिलीप जायसवाल 6 मई को गौहर महल में राज्य स्तरीय खादी उत्सव 2025 के अंतर्गत खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ करेंगे। मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा खादी ग्रामोद्योग उत्पादों के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं विक्रय के लिये राज्य स्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का आयोजन एक मई से 15 मई 2025 तक किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

बेटियों ने फिर किया.... स्कूल शिक्षा बोर्ड के माध्यम से परीक्षा देने की अनुमति दी जाती थी। लेकिन अब यदि कोई छात्र कई विषयों में भी फेल हो, तो भी वह मुख्य बोर्ड द्वारा संचालित दोबारा परीक्षा में शामिल हो सकेगा।

माध्यमिक शिक्षा मंण्डल की अध्यक्ष श्रीमती स्मिता भारद्वाज ने बताया कि परीक्षा पद्धति में सुधार और तकनीकी नवाचार के परिणाम स्वरूप इस वर्ष मण्डल द्वारा संचालित परीक्षा में एक भी एफआईआर दर्ज नहीं हुई और न ही किसी स्थान पर पेपर लीक होने जैसी घटना घटी। नकल के प्रकरण भी न्यूनतम रहे। मण्डल द्वारा विकसित परीक्षा संचालन मानक प्रक्रिया को निरंतर अद्यतन करते हुए क्रियान्वित किया जाता रहेगा।

शिक्षा मंत्री का नरसिंहपुर.... रिजल्ट कुछ खास रहा। सबसे खास बात यह रही कि स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह का जिला नरसिंहपुर दोनों परीक्षाओं में टॉप पर रहा। वहीं, प्रदेश के बड़े शहर जैसे भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर टॉप 10 जिलों की लिस्ट में भी नहीं आ सके। इसके विपरीत नीमच, मंडला, शाजापुर और बालाघाट जैसे छोटे जिले टॉप 10 में शामिल रहे। इससे साफ दिखता है कि बड़े शहरों में शिक्षा स्तर में गिरावट आई है। जबकि नीमच, मंडला शाजापुर, बालाघाट जैसे जिला टॉप 10 में रहे। दसवीं बोर्ड की परीक्षा में इंदौर 32, भोपाल 36, जबलपुर 45 और ग्वालियर 46वें स्थान पर रहा। वहीं 12वीं बोर्ड परीक्षा में इंदौर 16, भोपाल 28, जबलपुर 36, और ग्वालियर 40वें स्थान पर रहा।

नक्सल प्रभावित बालाघाट, मण्डला.... पर अनावर्ती व्यय भार 5 करोड़ रूपये होगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया है कि नव गठित जिले मऊगंज, मैहर एवं पांढुर्णा में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अंतर्गत जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय और निवाड़ी, मऊगंज, मैहर एवं पांढुर्णा में नाप-तौल कार्यालय स्थापित किए जाएंगे। मंत्रिपरिषद ने इसके लिए तीन जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय के लिए कुल 16 पद और 4 जिलों में नाप-तौल कार्यालय के लिए कुल 13 पदों की स्वीकृति दी है।

स्वीकृति अनुसार मऊगंज, मैहर और पांढुर्णा में जिला आपूर्ति अधिकारी का 1-1 पद, सहायक आपूर्ति अधिकारी के 1-1 पद, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी के मऊगंज में 2 और मैहर, पांढुर्णा में 1-1 पद, लेखापाल का 1-1 पद एवं भृत्य का 1-1 पद स्वीकृत किया गया। कार्यालय नाप-तौल के लिए नव गठित जिला निवाड़ी, मऊगंज, मैहर एवं पांढुर्णा में निरीक्षक का 1-1 पद, सहायक ग्रेड-3 के 1-1 पद, श्रम सहायक के मऊगंज में 2 पद एवं मैहर, पांढुर्णा और निवाडी में 1-1 पदो की स्वीकृति दी गयी।

मानव विकास सूचकांक में.... दोनों से अधिक तेज़ है। इस प्रगति में आर्थिक विकास और लक्षित सामाजिक सुरक्षा और कल्याण कार्यक्रमों का योगदान हुआ है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, समग्र शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 जैसी योजनाओं ने परिणामों को बेहतर बनाया है।

रिपोर्ट के अनुसार आर्थिक मोर्चे पर, भारत की प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय चार गुना से अधिक बढ़ गई है, जो वर्ष 1990 में 2167.22 डालर से बढ़कर वर्ष 2023 में 9046.76 डालर हो गई है। पिछले कुछ वर्षों में, आर्थिक विकास पर भारत की प्रगति और मनरेगा,जन धन योजना और डिजिटल समावेशन जैसे कार्यक्रमों में निवेश ने गरीबी में कमी लाने में योगदान दिया है। वर्ष 2015-16 और वर्ष 2019-21 के बीच 13 करोड़ 50 लाख भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर निकल आए हैं।

CHANGE OF NAME

I , SAVITA SPOUSE OF NAME GITE SHIVAJI RAMKISAN HOME ADDRESS AT SAWARGAON (SONE) PO - BENSUR , TEH - PATODA , DIST - BEED , STATE - MAHARASHTRA, PIN - 414204 HAVE CHANGED MY NAME FROM SAVITA TO SAVITA SHIVAJI GITE . VIDE AFFIDAVIT DATED 06/05/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I , NAME PRAVEEN KUMAR HOME ADDRESS AT - 58 , 19TH CROSS ANDRAHALLI MAIN ROAD NEAR BANASHANKARI , PROVISION STORE RAMANJANEYA LAYOUT , POST - VISHWANEEDAM , DIST - BANGALORE, STATE - KARNATAKA, PIN 560091 HAVE CHANGED MY SON NAME FROM RAVI KUMAR P TO CHETHAN KUMAR P . VIDE AFFIDAVIT DATED 06/05/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

सार समाचार

चचेरी बहनों ने 10 वीं बोर्ड टॉप 10 में बनाई जगह

बल्देवगढ़, देशबन्धु। मध्य प्रदेश बोर्ड की दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित हो गया है। टीकमगढ़ के शासकीय एक्सीलेंस स्कूल की चचेरी बहनों ने प्रदेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।छात्रा उमा घोष ने 500 में से 492 अंक प्राप्त कर प्रदेश में नौवां स्थान हासिल किया। वहीं, निहारिका घोष ने 491 अंक प्राप्त कर दसवां स्थान प्राप्त किया। दोनों छात्राएं एक्सीलेंस स्कूल क्रमांक 1 की हैं। स्कूल के प्राचार्य सुनील श्रीवास्तव ने बताया कि स्कूल को 12वीं कक्षा में भी सफलता मिली है। गणित संकाय में तान्या साहू ने 487 अंक प्राप्त कर प्रदेश में पांचवा स्थान हासिल किया। इसी संकाय में माही सोनी ने 474 अंक के साथ दसवां स्थान प्राप्त किया। टीकमगढ़ जिले में इस वर्ष सरकारी स्कूलों का परिणाम 59.57 प्रतिशत रहा। निजी स्कूलों का परिणाम 70.31 प्रतिशत रहा।

पुलिस ने नाबालिग को बरामद कर किया परिजनों के सुपुर्द

टीकमगढ़, देशबन्धु। पुलिस महानिदेशक महोदय कैलाश मकवाना जी के द्वारा राज्य स्तर पर नाबालिग बालिका,बालक की दस्तयाबी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है इसी तारतम्य में पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा नाबालिग बालिका,बालक की दस्तयाबी हेतु सभी थाना/चौकी प्रभारियों को निरंतर दैनिक रूप से प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया जा रहा है। इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम एवं एसडीओपी जतारा श्री अभिषेक गौतम के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जतारा के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई जिसके द्वारा मेहनत व लगन से कार्य करते हुये थाना जतारा के अपराध कायम कर अपहृत नाबालिग बालिका को मुखबिर तंत्र एवं साइबर सेल की सहायता से दस्तयाव कर परिजनों के सुपुर्द किया गया है ।

बदहाल व्यवस्था : अस्पताल में मोबाइल टॉर्च की रोशनी में किया गया उपचार

खरगापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में खराब पड़ा जनरेटर का 6 सालों से हो रहा हैं हर महीने फर्जी भुगतान

8 घंटे अंधेरे में डूबा रहा अस्पताल, मरीजों को परेशानी

खरगापुर, देशबन्धु। शनिवार को तेज आंधी-तूफान के बाद खरगापुर में दोपहर 3 बजे से बिजली गुल रही और रात 11.00 बजे करीब बिजली आई। 8 घंटे लगातार नगर के सामुदायिक अस्पताल में अंधेरा छाया रहा। अस्पताल में जनरेटर होने के बावजूद यह समस्या देखने को मिल रही है।

प्रभारी बीएमओ डॉक्टर अभिषेक सोलंकी द्वारा धांधली और भ्रष्टाचार के चलते पिछले 6 साल से जनरेटर खराब है। जनरेटर को चालू हालत में दिखाकर डीजल का खर्च डालकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। जिससे मरीज परेशान हो रहे हैं। इतना ही नहीं डॉक्टर मोबाइल टॉर्च की रोशनी में पर्चे लिखते और नर्सें टॉर्च की रोशनी में इंजेक्शन लगाती नजर आईं।

जहां पर पति का इलाज कराने आईं रजनी कुशवाहा ने बताया कि अस्पताल में अंधेरा और गर्मी होने के कारण सभी का बुरा हाल था। यदि कोई इमरजेंसी होती तो क्या हाल होता यह अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। मुकेश विश्वकर्मा ने बताया डॉक्टर ने टॉर्च की रोशनी में इलाज किया। अस्पताल के कर्मचारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जनरेटर पिछले 7 साल से खराब है। कई बार जनरेटर सुधर चुका है। धांधली के चलते जनरेटर को सुधार का बिल लगाकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है।

नगर के लोगों ने बताया कि यह बड़ी लापरवाही है। गौरतलब है कि अस्पताल में अंधेरा और गर्मी होने के बाद भी जनरेटर शुरू करने के लिए कोई प्रबंध नहीं किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि अस्पताल प्रबंधक ने जनरेटर को चारों तरफ से दीवार बनाकर ऊपर से टीन लगाकर ढंक दिया है, जिसके चलते अस्पताल में जनरेटर है या नहीं किसी को पता ही नहीं चलता है। यहां तक की स्टाफ नर्स को भी अस्पताल में जनरेटर होने की जानकारी नहीं है।

इनका कहना है,

– खरगापुर अस्पताल का जनरेटर काफी समय से खराब है। तीन-चार बार सुधार करवाया है। नए जनरेटर के लिए डिमांड भेजी है। डॉक्टर से इनवर्टर खरीदने के लिए भी कह दिया है।

-शोभाराम रोशन, सीएमएचओ, टीकमगढ़

बैंको की सुरक्षा व्यवस्थाओं की जा रही जांच

दिगौड़ा और कुड़ीला कस्बा में पुलिस ने किया बैंक शाखाओं का निरीक्षण

टीकमगढ़, देशबन्धु। मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देशन में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की लगातार कार्यवाहियां जारी है । इसी कड़ी में थाना,चौकी क्षेत्रान्तर्गत टीकमगढ़ पुलिस द्वारा बैंकों,एटीएम में अपराधियों व असामाजिक तत्वों की उपस्थिति को चैक करने के लिए भ्रमण किया जा रहा है। एवं संदिग्ध गतिविधि के संबंध में चैक किया जा रहा है।

गत 5 मई को थाना दिगोड़ा एवं कुड़ीला द्वारा कस्बा स्थित मुख्य बैंक में सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए औचक रूप से चैकिंग की गई साथ ही बैंक /एटीएम में तैनात बैंक कर्मचारी व सुरक्षा कर्मियों को एवं आमजन को लेनदेन करते समय सुरक्षा के मानक अपनाने हेतु अवगत कराया गया एवं सीसीटीवी कैमरों को निरंतर चालू रखने की बात कही। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करने का संदेश दिया। इसी प्रकार की कार्यवाही जिले के सभी थाना क्षेत्र में औचक रूप से जारी हैं। बैंकों में आमजन की भीड़ को देखते हुए सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के लिए बैंक प्रशासन के साथ मिलकर आवश्यक इंतज़ाम किए गए।

परेशान हो रहे ग्रामवासी, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

नल - जल योजना की आपूर्ति ठप्प, 10 दिन से पानी के लिए हाहाकार

दिगौड़ा, देशबन्धु। केंद्र सरकार व मध्यप्रदेश सरकार की योजनाओं में सबसे अधिक महत्वपूर्ण नलजल योजना के तहत टीकमगढ़ जिले की ग्राम पंचायत दिगौड़ा में पिछले 10 दिन से पानी की सप्लाई पूरी तरह से बंद है।

इस भीषण गर्मी व शादी समारोह में लोगों को इस समय पानी की सबसे अधिक आवश्यकता होती है और ऐसे में 10 दिन से पानी की सप्लाई बंद होने से ग्रामवासियों को पानी की भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

ग्राम पंचायत दिगौड़ा के अधिकतर हिस्से में पिछले 10 दिन से नलनल योजना के अंतर्गत पानी की सप्लाई बंद होने से ग्रामवासियों को पीने के पानी तक की परेशानी हो रही है।

लोग पीने के पानी की तलाश में साइकिल पर डिब्बे लटका कर अपने घर तक पानी ला रहे हैं। साथ ही तपती दोपहर को भीषण गर्मी में महिलाएं व बच्चे पानी के लिए दरदर की ठोकरें खा रहे है। आलम यह है कि ग्रामवासियों को गांव में जहाँ भी पानी मिल रहा है वहां पानी लेने के परिवार सहित पहुंच जाते हैं।

इस गंभीर जन समस्या को लेकर जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। ग्रामवासियों ने नलजल योजना की सप्लाई जल्द शुरू कराए जाने की मांग प्रशासन से की है।

बताया जा रहा है कस्बा में नलजल योजना के अंतर्गत पानी की सप्लाई को चालू करने वाले प्राइवेट कर्मचारियों द्वारा मस्जिद मुहल्ला वार्ड नं 7 के लोगों से पैसे लेकर वहां तो पानी की सप्लाई नियमित रूप से की जाती है, वहीं वार्ड नं 4 जैन मंदिर मुहल्ला व कुशवाहा मुहल्ले में पानी की सप्लाई नियमित रूप से नहीं की जाती है। इन मुहल्लो में पिछले 10 दिन से पानी की सप्लाई बंद पड़ी हुई है। इसका कारण पूछो तो बताया जाता है कि बिजली नहीं मिल रही है।

इनका कहना है

– इस समस्या का जल्द ही समाधान किया जाएगा। ग्रामवासियों को हो रही पानी की समस्या का निराकरण करने के लिए कॉन्ट्रेक्टर को निर्देश दिए जाएंगे। बुधवार से कस्बा के प्रत्येक मोहल्ले में नियमित रूप से पानी की सप्लाई की जाएगी। यदि समस्या का निराकरण नहीं किया गया तो कार्यवाही की जाएगी।

सूर्यांश कटारे, एसडीओ पीएचई विभाग, जतारा

साइबर अपराध से बचाने के संबंध में पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

टीकमगढ़, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा टीकमगढ़ जिले में साइबर अपराधों से बचाव हेतु साइबर सेल के माध्यम से एडवाइजरी जारी कर लोगों को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है इसी तारतम्य में वर्तमान समय में मोबाइल के लिए विभिन्न तरीकों के एप्लीकेशन उपलब्ध हैं जिनमें से कई एप्लीकेशन ऐसे हैं जो कॉल करते समय आवाज को बदलने की सुविधा देते हैं जिसे वॉइस चेंजर एप्लीकेशन भी कहा जाता है। ऐसे एप्स प्ले स्टोर व अन्य स्टोर पर आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं।

ऐसी एप्लीकेशन का उपयोग कर किसी अन्य व्यक्ति, महिला, बुजुर्ग, बच्चों तथा कम्प्यूटर (रोबोट) की आवाज में कॉल करके बात की जा सकती है अत: इस प्रकार के साइबर अपराधों से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की जा रही है जिसमें आमजन को साइबर अपराधों से बचाव हेतु जागरूक किया जा सके ।

एडवायजरी में बताया गया कि वर्तमान समय में कुछ प्रकरणों में ऐसा देखने में आया है कि अपराधी वॉइस चेंजिंग एप्लीकेशन का दुरुपयोग करके खुदकी आवाज को महिला की आवाज में बदलकर छात्राओं एवं महिलाओं को कॉल करके किसी बहाने से अज्ञात स्थान पर बुलाकर बलात्कार तथा लूट जैसे अपराधों को अंजाम दे रहे हैं।

यदि कोई अंजान व्यक्ति आपको कॉल करके महिला, बुजुर्ग, बच्चों आदि किसी आवाज में आपको किसी भी प्रकार का प्रलोभन देकर या डरा धमका कर आपको किसी अज्ञात स्थान पर बुलाने का प्रयास करें तो ऐसी किसी भी कॉल पर आप सतर्क हो जाएं। अपराधी ऐसे वॉइस चेंजिंग एप का इस्तेमाल करके आपको या आपके परिजन को किसी स्थान पर बुलाकर अपराध कारित कर सकते हैं जैसे: शारीरिक क्षति पहुंचाना, अभद्र कार्य के लिये मजबूर करना, पैसों की डिमांड करना आदि।

10 वीं में भी रह चुकी हैं अव्वल

उन्नति ने बोर्ड में बनाया रिकॉर्ड, 12 वीं बायोलॉजी में पाया प्रदेश में चौथा स्थान

टीकमगढ़, देशबन्धु। एमपी बोर्ड ने 10 वीं और 12 वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए हैं। टीकमगढ़ के शासकीय एक्सीलेंस स्कूल की छात्रा उन्नति अग्रवाल ने बायोलॉजी संकाय में प्रदेश में चौथी रैंक हासिल की है। उन्नति ने 480 अंक प्राप्त किए हैं।

उन्नति की यह उपलब्धि पहली बार नहीं है। इससे पहले उन्होंने 10वीं कक्षा में भी प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया था। विनोद अग्रवाल की तीन बेटियों

में से सबसे छोटी उन्नति ने बताया कि वह नियमित रूप से स्कूल जाती हैं और घर पर 4-5 घंटे अतिरिक्त पढ़ाई करती हैं।

उन्नति का मानना है कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर अच्छा है। छात्रों को घर पर नियमित अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने डॉक्टर बनने का लक्ष्य रखा है और इसके लिए नीट की परीक्षा भी दी है। उनकी इस सफलता पर एक्सीलेंस स्कूल के प्राचार्य सुनील श्रीवास्तव और शिक्षक जीतेंद्र द्विवेदी सहित सभी शिक्षकों ने बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि उन्नति की दोनों बड़ी बहनों ने भी 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस उपलब्धि से पूरे परिवार में खुशी का माहौल है।

रिपोर्ट से 2 लोगों के नाम हटाने के लिए मांगे थे 10 हजार

बल्देवगढ़ थाने का हवलदार रिश्वत लेते गिरफ्तार

बल्देवगढ़, देशबन्धु। नगर में उस समय माहौल गर्म हो गया जब एक प्रधान आरक्षक को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त पुलिस सागर ने गिरफ्तार कर लिया गया। दरअसल मंगलवार की दोपहर बल्देवगढ़ पुलिस थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक बालचंद प्रजापति को सागर लोकायुक्त पुलिस की टीम ने 5 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

लोकायुक्त टीम सागर के प्रभारी ने संजय जैन ने बताया कि बल्देवगढ़ पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले पपावनी गांव के रहने वाले छत्रपाल सिंह लोधी के साथ मारपीट का मामला पुलिस थाने में दर्ज हुआ था। इस मामले में दो लोगों का नाम एफ आई आर से हटाने के लिए प्रधान आरक्षक द्वारा 10 हजार रुपए की मांग की गई थी। जिसको लेकर फरियादी छत्रपाल सिंह लोधी ने 2 मई को सागर लोकायुक्त में जाकर के

आवेदन दिया था। और कहा था कि प्रधान आरक्षक द्वारा 10 हजार रुपए की रिश्वत मांग की जा रही है। सागर लोकायुक्त ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए डिजिटल वॉयस रिकॉर्डिंग के साथ अपने प्रधान आरक्षक और फरियादी को प्रधान आरक्षक के पास भेजा जहां पर बातचीत की ऑडियो रिकॉर्ड की गई और मंगलवार की सुबह रिश्वत देने की बात की गई जिस पर छत्रपाल सिंह लोधी तैयार हो गया इसके बाद मंगलवार की सुबह सागर लोकायुक्त की टीम बल्देवगढ़ पहुंची जहां पर बम्होरी तिगैला के पास चाय की दुकान पर प्रधान आरक्षक को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेने के लिए बुलाया गया।

जैसे ही फरियादी छत्रपाल सिंह लोधी से प्रधान आरक्षक बालचंद ने रिश्वत ली तभी लोकायुक्त सागर की टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया इसके बाद सागर लोकायुक्त की टीम तहसील परिसर बल्देवगढ़ ले गई जहां पर लोकायुक्त की कार्यवाही की गई। फरियादी छत्रपाल सिंह लोधी ने बताया कि एफ आई आर से नाम हटाने को लेकर प्रधान रक्षक बालचंद प्रजापति द्वारा 10 हजार रुपए मांगे गए थे 5 हजार पहले दे चुके हैं। 5 हजार और देने थे। जिसकी शिकायत हमारे द्वारा लोकायुक्त पुलिस से की गई थी। लोकायुक्त पुलिस द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए आज कार्रवाई की गई है। इस दौरान सागर लोकायुक्त डीएसपी संजय जैन, निरीक्षक अभिषेक वर्मा, प्रधान आरक्षक महेश हजारी,सफ़ीख खान, आरक्षण असंतोष व्यास सुरेंद्र प्रताप सिंह ,अरविंद नायक, आदेश तिवारी,प्रदीप दुबे मौजूद रहे।

महंगी और ब्रांडेड सामानों की करता था खरीददारी

– कुछ महीने पूर्व बालचंद प्रजापति कोतवाली टीकमगढ़ में पदस्थ था। सूत्रों की माने तो वह ब्रांडेड जूते और ब्रांडेड कपड़ों का शौकीन हैं जो महंगे दामों में खरीदना था और सूत्रों का कहना है कि इसके साथ वह महंगे कपड़े महंगे जूते और ज्वेलरी का भी शौक रखता है।

कुंभकर्णीय नींद सो रहा वन विभाग, माफिया बेशकीमती लकड़ियों को लगा रहे ठिकाने

● अखण्ड यादव

बल्देवगढ़, देशबन्धु। क्षेत्र में वन विभाग की उदासीनता के चलते वृक्षों की अवैध कटाई बिचौलियों द्वारा की जा रही है और वन अमला कार्रवाई करने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है। जिस कारण वन माफिया दिन दहाड़े टैक्टर ट्रॉलियां के माध्यम से कीमती लकड़ियों को ठिकाने लगाने में लगे हुए हैं।

ऐसा ही हाल बल्देवगढ़ क्षेत्र का है। जहां बेशकीमती लकड़ियों से भरी ट्रॉलियां नगर के मुख्य मार्गों पर दौड़ती नजर आ रहीं हैं, लेकिन जिम्मेदारों को तनिक भी भनक नहीं लग रही है। जिस कारण वृक्षों की कटाई से लेकर लकड़ियों की खेप का गोरख धंधा जम कर फल फूल रहा है। वहीं अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने वाले कुंभकरण की नींद में सोते नजर आ रहे हैं। जिससे पर्यावरण लगातार खोखला व वृक्षों का सफाया होता जा रहा है।

बताया गया है, कि यह बेशकीमती लकड़ियां जिम्मेदारों की सह पर टैक्टर ट्रॉलियां से आरा मशीनों पर जाती रहती हैं। जिस कारण जिम्मेदार बेशकीमती वृक्ष काटकर विक्रय करने एवं क्रय करने वालों पर कोई

कार्यवाही नहीं करते हैं, बल्कि सहानुभूति दिखाकर संरक्षण देने कोई कसर नही छोड़ते हैं।

सीईओ ने कहा, बिना काम के निकाले थे 52 लाख

जनपद सीईओ व उपयंत्री पर लगे रिश्वत लेने के गंभीर आरोप

प्रदर्शन कर ज्ञापन देने पहुंची महिला सरपंच

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले की चर्चित जनपद पंचायत क्षेत्र की आने वाली ग्राम पंचायत सतगुवां में इन दिनों

धांधली और लापरवाही को लेकर हमेशा चर्चाओं में रहती है। सोमवार को जनपद सीईओ और उपयंत्री पर रुपए लेने के गंभीर आरोप लगाते हुए ग्राम पंचायत सतगुवां की महिला सरपंच ने ग्रामीणों के साथ मिलकर कलेक्ट्रेट पहुंच कर जमकर प्रदर्शन किया।

यहां पर सरपंच ने कलेक्टर के नाम डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। वहीं जनपद सीईओ ने सरपंच पर ही नियम विरुद्ध तरीके से रुपए निकालने और कार्रवाई होने पर दबाव बनाने के लिए यह सब करने की बात कही है।

सोमवार को ग्राम पंचायत सतगुवां की महिला सरपंच संगीता यादव बड़ी संया में ग्रामीणों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंची। यहां पर उन्होंने कलेक्टर के नाम शिकायती पत्र सौंपा। इसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि ग्राम पंचायत में 2 वर्ष पूर्व 80 लाख रुपए से विकास कार्य कराए गए थे। जिनके मूल्यांकन के लिए जनपद पंचायत जतारा के सीईओ सिद्ध गोपाल वर्मा और उपयंत्री संतोष परिहार ने 2 वर्ष पूर्व 11 लाख रुपए लिए थे, लेकिन उन कार्यों का आज दिनांक तक मूल्यांकन नहीं किया गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि गांव में हुए कामों में जिन मजदूरों ने काम किया था, उन्हें आज तक मजदूरी नहीं दी गई है। सरपंच गीता यादव ने बताया कि इन निर्माण कार्यों के करीब 30 लाख रुपए के मस्टर रोल डाले गए थे, जो सीईओ द्वारा शून्य कर दिए गए हैं। मजदूरी न मिलने से मजदूर पलायन कर रहे हैं। अब दबाव बनाने धारा 40 का नोटिस दिया है।

देंगे मानहानि का नोटिस

– वहीं इस मामले में जतारा जनपद सीईओ सिद्धगोपाल वर्मा सरपंच पर बिना काम के रुपए निकालने और उल्टा दबाव बनाने का आरोप लगा रहे हैं। सीईओ वर्मा का कहना है कि सरपंच ने नवंबर 2023 में बिना काम के 52 लाख रुपए निकाले थे और काम नहीं किया था। इस पर इन्हें नोटिस जारी करने पर पहले एक माह में फिर तीन माह में काम करने की बात कही गई थी। काम न होने पर 6 माह पूर्व इन्हें धारा 40 का नोटिस दिया गया था। इसके बाद उन्होंने कुछ दिन पूर्व काम पूरे किए थे। वहीं अभी फिर से बिना काम के 6.5 लाख रुपए निकाल लिए हैं। सीईओ वर्मा का कहना था कि इनके द्वारा पंचायत में चार तालाब स्वीकृत होने पर बिना मस्टर जारी किए मशीनों से इनका निर्माण कराया गया था, ऐसे में वह तालाब भी निरस्त किए गए थे। इन बातों को लेकर अब यह उल्टा दबाव बनाने यह झूठे आरोप लगा रहे हैं। इसे लेकर इनके ऊपर मानहानि का दावा किया जाएगा।

सार समाचार

बैसाख माह में निकले जबारे

दमोह/तेंदूखेड़ा देशबन्धु। नगर में जबारे निकलने पर जानकारी लेने पर पता चला कि साल में दो नवरात्रि होती है। एक नवरात्रि कुंवार माह में होती है जिसमें दशहरा होता दूसरी नवरात्रि बैसाख माह में होती है जो गुप्त नवरात्रि कहलाती है इस माह का बड़ा धार्मिक महत्व है इस गुप्त नवरात्रि में पूजा अर्चना करने पर हर मनोकामना पूर्ण होती है इन नो दिनों में जवारे रखने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती है इसलिए गुप्त नवरात्रि में जबारे रखे जाते है।

विधायक के आश्वासन के बाद भी हरिराम को नहीं मिली कोई सहायता

पन्ना, देशबन्धु। जिले की अमानगंज तहसील अंतर्गत रामपुर के माजरा नंदनपुर में आंधी तूफान के चलते पीड़ति हरिराम यादव के घर में भयानक आग लग गई थी जिसमें घर गृहस्ती का पूरा सामान जल गया था उक्त घटना की जानकारी लगने पर क्षेत्रीय विधायकगुनौर डॉ. राजेश वर्मा नंदनपुर पहुंचे थे उन्होंने हर संभव मदद का आश्वासन दिया था लेकिन तीन दिन बीत जाने के बावजूद पीड़ति परिवार की किसी भी स्तर से कोई मदद नहीं हुई जिससे पीड़ति परिवार भूखे मरने की कगार पर है ज्ञात हो की गुनौर विधानसभा की ग्राम पंचायत रामपुर के नंदगांव ग्राम में हुए नुकसान का जायजा विधायक ने लिया था उन्होंने पीि?त परिवार के मुखिया हरिराम यादव से भेंट की और घर का मुआयना कर नुकसान के बारे में जानकारी प्राप्त की। विधायक ने परिवारजनों को सांत्वना प्रदान कर हरसंभव मदद का भरोसा दिया। था ।।आंधी के कारण हरिराम यादव के घर में व्यापक नुकसान हुआ था। गृहस्थी का सामान भी नष्ट हो गया। था उसके बाद। पीड़ति को कोई मदद नहीं मिली है।

सुरक्षा गार्ड एवं सुपरवाईजर के पद पर होगी भर्ती

पन्ना, देशबन्धु। हैदराबाद की एजिल सिक्योरिटी फोर्स टेऊनिंग एकेडमी द्वारा जिले के बेरोजगार युवकों की सुरक्षा गार्ड एवं सुपरवाईजर के पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर आगामी 15 से 23 मई तक शिविर लगाया जाएगा। कक्षा 10वीं से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण एवं 20 से 35 वर्ष के युवा भर्ती के लिए पात्र हैं। दोनों पद पर भर्ती के लिए आवेदकों की ऊंचाई 175 से.मी. होना आवश्यक है। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था पन्ना में 15 मई, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था गुनौर में 16 मई एवं शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मोहन्द्रा में 19 मई को भर्ती के लिए शिविर आयोजित किया जाएगा। इसी तरह 20 मई को नगर परिषद देवेन्द्रनगर, 21 मई को नगर परिषद अमानगंज एवं 22 मई को नगर परिषद अजयग? में शिविर लगेगा, जबकि शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना में भर्ती के लिए 23 मई को शिविर लगाया जाएगा। शिविर का समय सुबह 10:30 बजे से शाम 04:00 बजे तक निर्धारित है।

माध्यमिक शिक्षा शिक्षा मण्डल बोर्ड के परिणाम घोषित

पीयूष साहू और काजल यादव ने पाया पहला स्थान

दमोह/तेंदूखेड़ा देशबन्धु। मंगलवार को मध्यप्रदेश बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ तेंदुखेडा नगर में कई छात्र छात्राओं ने अच्छे अंक प्राप्त कर नगर का नाम रोशन किया । तेंदुखेडा नगर में छात्रों की अपेक्षा छात्राओं ने ज्यादा अंक अर्जित किए है शिक्षकों ने सभी पास हुए छात्र छात्राओं को विदाई दी है साथ ही जो परीक्षा में असफ्ल हुए है उनको आगे प्रयास करने की बात कही।

इनको मिला स्थान

तेंदूखेड़ा में कक्षा बारहवीं में छात्रओं में प्रथम स्थान पीयूष साहू ने प्राप्त किया है उन्होंने गणित विषय से 500 में से 462 अंक प्राप्त करके स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किए है उन्होंने बोर्ड परीक्षा में 92.4प्रतिशत अंक प्रात किए है । इसी तरह पूरे नगर में छात्राओं में काजल यादव से सर्वाधिक अंक प्राप्त करके नगर और स्कूल का नाम रोशन किया है काजल यादव नगर की

कन्याहाईस्कूल से अध्ययन कर रही थी उन्होंने कला संकलन से 500 में से 440 अंक प्राप्त कर 88 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल और नगर का नाम रोशन किया है

दसवीं में इनको मिला स्थान

बारहवीं के बाद कक्षा दसवीं में भी कई छात्र छात्राओं ने अच्छे अंक प्रात किए है निखिल घोसी ने नगर में कक्षा दसवीं में सर्वाधिक अंक प्रात किए है उन्होंने 97.8 प्रतिशत अंक प्रात किए है निखिल घोसी नगर के ज्ञानदीप विद्याविहार उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र है सी एम राइज स्कूल सुजान त्रिपाठी ने कक्षा दसवीं में 93.6 अंक प्रात कर नगर और स्कूल का नाम रोशन किया है। कन्या हाई स्कूल में कक्षा दसवीं में मुनमुन साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है उन्होंने बोर्ड परीक्षा में 93 प्रतिशत अंक अर्जित किए है। नगर के सी एम राइज स्कूल से प्राप्त जानकारी के अनुसार कक्षा बारहवीं में कुल छात्र छात्राओं की संख्या 87 थी जिसमे 56 प्रथम श्रेणी में पास हुऐ हैं जबकि कक्षा दसवीं में कुल छात्र छात्राओं की दर्ज सख्या 85 थी जिसमे 54 प्रथम श्रेणी में पास हुये है।

कन्याहाई सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य पी एक रैकवार ने बताया कि बोर्ड परीक्षा परिणाम आ चुके है कन्या हाईसेकेंडरी स्कूल में कक्षा बारहवीं में काजल यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है जबकि कक्षा दसवीं में मुनमुन साहू को प्रात स्कूल हुआ है ।

पन्ना के छात्र-छात्राएं भी प्रवीण सूची में शामिल

पन्ना, देशबन्धु। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश भोपाल द्वारा हायर सेकेंडरी तथा हाई स्कूल के छात्रों के परिणाम घोषित किए जिसमें पन्ना जिले छात्र छात्राएं भी शामिल हैं। जिला शिक्षा अधिकारी रवि प्रकाश खरे ने बताया कि कक्षा 12वीं बोर्ड की परीक्षा में पन्ना जिले के 79.97 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए है वहीं कक्षा हाईस्कूल कक्षा 10वीं की परीक्षा में 76.10 प्रतिशत विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्त हुई है श्री खरे ने बताया कि गत शैक्षणिक सत्र 2023-24 में कक्षा 12वीं की परीक्षा में 63 प्रतिशत तथा कक्षा 10वीं की परीक्षा में 59 प्रतिशत विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त हुई थी। जिले का परीक्षा परिणाम तुलनात्मक दृष्टि से परीक्षा परिणामों में अपेक्षित रुप से सुधार हुआ है। मण्डल द्वारा जारी परीक्षा परिणामों में कक्षा 12वीं में पन्ना जिले के 03 विद्यार्थियों को प्रदेश प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त हुआ है। कला संकाय की प्रदेश की प्रावीण्य सूची अनुसार सी.एम. राईज विद्यालय पन्ना में अध्ययनरत रंजीत कुमार पटेल को प्रावीण्य सूची में चौथा स्थान, सी.एम.राईज मॉडल विद्यालय अजयगढ़ की छात्रा कु0 चंचल विश्वकर्मा को नौवा स्थान तथा सी.एम. राईज मॉडल विद्यालय पन्ना के छात्र प्रकाश कुशवाहा को प्रावीण्य सूची दसवॉ स्थान प्राप्त हुआ है। इसी प्रकार हाईस्कूल कक्षा 10वीं बोर्ड की परीक्षा में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में पन्ना जिले के पॉच विद्यार्थियों ने स्थान प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है सरस्वती उ.मा.वि. देवेन्द्रनगर की छात्रा कु0 प्रिया पटेल को प्रदेश में सातवॉ, रेनेबो पब्लिक स्कूल देवेन्द्रनगर की छात्रा कु0 ओशी जैन को, एवं सी.एम.राइज मॉडल विद्यालय अजयगढ़ के छात्र महेन्द्र यादव को प्रदेश में नौंवा स्थान तथा बी.पी. मेमोरियल विद्यालय शाहनगर के छात्र सौरभ कुशवाहा एवं सरस्वती ज्ञान मंदिर गुनौर के छात्र राज सिंह राजपूत को प्रदेश की प्रावीण्य सूची में 10व स्थान प्राप्त हुआ है।

राहुल साहू ने नाम किया रोशन

पन्ना नगर के होनहार छात्र राहुल साहू में हाई स्कूल परीक्षा में कड़ी लगाने एवं मेहनत से बेहतर अंक प्राप्त किए हैं उन्होंने 90प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय तथा अपने परिवार एवं रिश्तेदारों का नाम रोशन किया है राहुल साहू नेशनल स्कूल पन्ना के छात्र हैं उनके पिता राजेश साहू माता पारुल साहू है जो बैंक ऑफ़ इंडिया के बगल में निवास रत हैं

बड़े पापा महेश साहू है जो न्यायालय में पदस्थ हैं एवं भाई सौरभ साहू भी न्यायालय में सेवाएं दे रहे हैं तथा भाई रोहित साहू मोनू साहू पुलिस विभाग में है तथा पत्रकार डी के साहू के भांजे हैं सभी ने उक्त सफलता पर बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

क्रतिका चौरासिया ने हाई स्कूल में उच्चतम अंक प्राप्त कर नाम किया रोशन

सलेहा हाई स्कूल में होनहार छात्र क्रतिका चौरासिया ने हाई स्कूल परीक्षा में कडी मेहनत से बेहतर अंक प्राप्त किए हैं उन्होंने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय तथा अपने परिवार एवं रिश्तेदारों का नाम रोशन किया है क्रतिका चौरासिया एआरएम स्कूल सलेहा की छात्रा है उनके पिता विमलेश चोरासिया क्रषक है ग्राम नया गावं कटरा के निवासी है माता प्रतिभा चोरासिया है सभी ने उक्त सफलता पर बधाई दी है।

जनसुनवाई में 176 आवेदनों पर हुई सुनवाई

दमोह देशबन्धु। अपर कलेक्टर मीना मसराम ने जिले भर से आये नागरिकों की आज जनसुनवाई में समस्याएं सुनी। इस दौरान सामान्य जनसुवाई में 176 आवेदनों पर सुनवाई करते हुये संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान 125 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ 20 आधार कार्ड तथा 05 आयुष्मान कार्ड सम्बन्धी कार्य किये गए। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर अविनाश रावत, डिप्टी कलेक्टर ब्रजेश सिंह, लोकसेवा प्रबन्धक चक्रेश पटेल सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

25 पंचायतों में हुई जन सुनवाई

25 पंचायतों में पाँचवे सप्ताह जनसुनवाई में कुल 38 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें 32 का निराकृत एवं 6 आवेदन लंबित हैं। इसमें पतलोनी, खडेरी, रनेह सहित चिन्हित 25 जनपद पंचायत स्तर पर जन सुनवाई की गई।

अभी बुंदेलखंड खजुराहो के नाम से जाना जाता है कॉरिडोर बनने के साथ ही बांदकपुर के नाम से जाना जाएगा : लोधी

दमोह देशबन्धु। सकल हिन्दू समाज एवं जिला व्यापारी महासंघ द्वारा पीजी कालेज ऑडिटोरियम में एक राष्ट्र एक चुनाव कार्यक्रम एवं 09 मई को देव श्री जागेश्वर धाम बांदकपुर में कॉरिडोर भूमिपूजन समारोह कार्यक्रम की तैयारी को लेकर आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। सांसद दमोह राहुल सिंह लोधी ने कहा यह संवाद इसीलिए रखा गया है कि अलग-अलग जगहों पर मंदिर बने हुए सब की अलग अलग मान्यता है अयोध्या राम मंदिर की अलग मान्यता है उज्जैन महाकाल मंदिर की अपनी मान्यता है जब जागेश्वर नाथ लोक बनकर तैयार होगा तो लोगों को पता चलेगा कि उसकी क्या मान्यता है उन्होंने कहा कि आज मुख्यत बुंदेलखंड खजुराहो के नाम से जाना जाता है जब बनकर तैयार होगा तो बुंदेलखंड बांदकपुर के नाम से जाना जाएगा जब बांदकपुर का कॉरिडोर बनकर तैयार हो जाएगा तब आर्थिक रूप से भी दमोह में पैसा आएगा उन्होंने कहा कि हम सभी जनप्रतिनिधि मिलकर एक कॉरिडोर तो बना सकते हैं लेकिन

उसे भाव और दिव्य बनाने में सभी का सहयोग आवश्यक है।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा जागेश्वर नाथ हमारे दमोह जिले की नहीं पूरे देश की आस्था का केंद्र है, वहां पर कॉरिडोर निर्माण से व्यापार के साधन बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में कॉरिडोर निर्माण एक अहम मुद्दा बना था यह हम लोगों ने तय किया था कि सरकार बनने के साथ ही कॉरिडोर का निर्माण कराया जाएगा। सभी से अपील की सब लोग 09 मई को जागेश्वर नाथ कॉरिडोर के भूमि पूजन समारोह में शामिल हों। कार्यक्रम में लोधी समाज जिला अध्यक्ष भाव सिंह लोधी, विश्व हिंदू परिषद जिला संयोजक अंजुम खत्री, सकल हिंदू समाज अध्यक्ष कपिल सोनी, व्यापारी महासंघ अध्यक्ष संजय यादव, बड़े पौराणिक, मोनू पाठक ,आशीष कटारे, गर्ग, मोंटी रैकवार ,कृष्णा पटेल सहित बड़ी तादाद में सकल हिदू समाज के पदाधिकारी आमजन मौजूद रहे।

किराना दुकानों का किया औचक निरीक्षण

दमोह, देशबन्धु। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा जांच दल ने ग्राम तेजगढ़ में विभिन्न किराना दुकानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण की कार्यवाही इरशाद किराना, बजाज किराना एवं मम्मा किराना पर की गई है। मौके पर इरशाद किराना एवं मम्मा किराना के परिसर में एक्सपायरी डेट की बेसन लड्डू, अचार मसाला एवं राई की 28.5 किलो मात्रा कुल मूल्य 4850 रुपये का विनष्टीकरण किया गया एवं समस्त किराना दुकानदारों को परिसर में एक्सपायरी डेट की किसी भी प्रकार की खाद्य सामग्री का भंडारण एवं विक्रय नहीं करने के मौके पर निर्देश दिये। बजाज किराना से

खड़ा धनिया एवं मम्मा किराना से 444 ब्रांड हल्दी पाउडर के नमूनें जांच हेतु लिये। इन नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

मेधावी छात्र होगे सम्मानित

दमोह देशबन्धु। स्व. हरि सिंह हजारी एवं श्याम बाई हजारी की स्मृति में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दिनांक 29 मई 2025 को वीरशिरोमणी महाराणा प्रताप जयंती समारोह में जिले के ऐसे राजपूत क्षत्रिय समाज के प्रतिभावान छात्र छात्रायें जिन्होनें इस वर्ष कक्षा 10वीं एवं 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त किये है, उन्हें जिला राजपूत क्षत्रिय महासभा द्वारा महाराणा प्रताप जयंती के दिवस शाम 7 बजे महाराणा प्रताप भवन जटाशंकर धाम के बाजू से उपस्थित होकर मुख्यअतिथियों से सम्मानित किया जावेंगा, ऐसे पात्र छात्र अपनी अंक सूची की छायाप्रति राकेश सिंह हजारी जिला अध्यक्ष फुटेरा वार्ड नं. 2, संजय सिंह हजारी महिला एवं बाल विकास विभाग दमोह, लक्ष्मण सिंह राजपूत वरि. उपाध्यक्ष म.प्र. विद्युत मण्डल किल्हाई ताका दमोह, त्रिवेन्द्र सिंह राजपूत युवा अध्यक्ष ग्राम बरमांसा, बबलू ठाकुर नगर अध्यक्ष जबलपुर नाका दमोह के पास दिनांक 20 मई 2025 तक अनिवार्य रूप से जमा कर सकते है, निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त होने वाली अंक सूची पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किया गया श्रमदान

दमोह देशबन्धु। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विकासखंड पटेरा के ग्राम सोजना में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के तहत एमएसडब्ल्यू व बीएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राओं द्वारा श्रमदान कर ग्राम के अत्यंत प्राचीन तालाब की साफ-सफाई की गई। इस प्रयास में ग्रामवासियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। यह तालाब ग्राम के प्रमुख मंदिर कौशल्याधीश के निर्माण के समय जन सहयोग से खोदा गया था और इसका ग्राम में धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व है। यह स्थल धार्मिक उत्सवों एवं मांगलिक कार्यों के आयोजन का प्रमुख केंद्र रहा है। छात्रों तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्यों द्वारा जन सहयोग से तालाब की घाट पर सफाई अभियान चलाया गया। ग्राम में आयोजित बैठक में समिति अध्यक्ष रामकृपाल पटेल ने बताया कि ऐसे सतत प्रयासों से लोगों की सोच में बदलाव आएगा और वे तालाब की स्वच्छता व संरक्षण के लिए प्रेरित होंगे। बैठक में ग्रामीणों द्वारा तालाब के चारों ओर पाथवे निर्माण व वृक्षारोपण का प्रस्ताव भी रखा गया, जिससे

तालाब की सुंदरता और बढ़ सके। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक हरीश पांडे, मनीष मिश्रा, विजय ताम्रकार, अभिषेक राठौर, ज्योति उपाध्याय, आभा दुबे, शैलेंद्र कुर्मी, लोकेंद्र सिंह, पुष्पेंद्र पटेल, सावेंद्र पटेल, गंगाराम, ठाकुरदास पटेल, रामप्रसाद पटेल, शुभम ठाकुर आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन सावेंद्र पटेल द्वारा किया गया।

भागवत कथा के चौथे दिन धूमधाम से मनाया श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

पन्ना, देशबन्धु। शहर के श्री जुगुल किशोर जी मंदिर में संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन कथा बालक व्यास श्री पार्थवीर शुक्ला ने कहा की जब-जब भी धरती पर आसुरी शक्ति हावी हुई, परमात्मा ने धर्म की रक्षा के लिए अवतार लेकर पृथ्वी पर धर्म की स्थापना की। मथुरा में राजा कंस के अत्याचारों से व्यथित होकर धरती की करुण पुकार सुनकर नारायण ने कृष्ण रुप में देवकी के अष्टम पुत्र के रूप में जन्म लिया और धर्म और प्रजा की रक्षा कर कंस का अंत किया। यह बात श्री जुगुल किशोर जी मंदिर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण जन्म का प्रसंग सुनाते हुए पंडित पार्थवीर शुक्ला ने श्रद्धालुओं के बीच कही। भागवत के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करते हुए चौथे दिवस पंडित श्री शुक्ला ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म की कथा का वर्णन किया। इसके पूर्व पं.श्री शुक्ला ने

कहा कि जीवन में भागवत कथा सुनने का सौभाग्य मिलना बड़ा दुर्लभ है। जब भी हमें यह सुअवसर मिले, इसका सदुपयोग करना चाहिए। कथा सुनते हुए उसी के अनुसार कार्य करें। कथा का सुनन तभी सार्थक होगा। जब उसके बताए हुए मार्ग पर चलकर परमार्थ का काम करें।उन्होंने रामकथा का संक्षिप्त में वर्णन करते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने धरती को राक्षसों से मुक्त करने के लिए अवतार धारण किया। कथा में कृष्ण जन्म का वर्णन होने पर समूचा पांडाल खुशी से झूम उठा। मौजूद श्रद्धालु भगवान कृष्ण के जेजेकार के साथ झूमकर कृष्ण जन्म की खुशियां मनाई। कथा सुनने पन्ना शहर सहित आसपास गांव से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की बैठक आज

पन्ना, देशबन्धु। नगर के स्थानीय श्री राम जानकी मंदिर पन्ना में भगवान परशुराम जन्मोत्सव के सफल आयोजन के बाद अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (स)द्वारा आय व्यय का ब्योरा प्रस्तुत हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक आज दिनांक 7 मई 2025 को राम जानकी मंदिर में शाम को 7:00 बजे आयोजित की गई है।

बैठक में भगवान परशुराम जी का निर्माणाधीन मंदिर निर्माण हेतु चर्चा एवं समाज के विभिन्न सामाजिक विषय पर चर्चा की जाएगी। विदित हो की भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को मनाया गया था जिसमें समस्त ब्राह्मण समाज द्वारा नगर में विशाल शोभायात्रा निकाली गई थी जिसमें सभी धर्म प्रेमी लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। नगर में निवासरत सभी विप्र महानुभाव माताओ बहनों एवं युवाओं से बैठक में समय पर उपस्थित होने की अपील की गई है।

सदस्यों को रोटरी क्लब में जोड़कर सेवाभावी कार्य करें: डिस्ट्रिक्ट गवर्नर

दमोह, देशबन्धु। रोटरी क्लब दमोह के सदस्यों ने मंगलवार को दमोह में रोटरी क्लब इंटरनेशनल आरआई डिस्ट्रिक्ट 3261 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अखिल मिश्र के साथ डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी जनरल सारंग भिड़े, रोटेरियन पं. नवीन जोशी, संजय पांडे एवं मुकेश हांडा के आगमन पर उनका स्वागत किया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के विजिट पर रोटरी क्लब दमोह द्वारा डीजी विजिट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब दमोह के अध्यक्ष राकेश अहिरवाल, सचिव विशाल जैन, क्लब कोऑर्डिनेटर संजय जैन अरिहंत, पूर्व अध्यक्ष प्रांजल बजाज, हरकिशन लाल हूरा आदि शामिल हुये। कार्यक्रम के प्रारंभ में अखिल मिश्रा एवं साथी गण का रोटेरियन संजय जैन एवं अन्य सदस्यों द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। हरकिशन लाल हूरा ने स्वागत भाषण में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर का स्वागत करते हुये रोटरी क्लब दमोह ग्रेटर के वर्ष 2001 के उद्भव से आज तक की 25 वर्षों की सेवामयी यात्रा के बारे में संक्षेप में ब्यौरा दिया। उन्होंने रोटरी क्लब द्वारा इस समयकाल में किये गये सेवा कार्यों के बारे में सारगर्भित जानकारी दी। रोटरी क्लब दमोह के अध्यक्ष रोटेरियन राकेश अहिरवाल ने रोटरी क्लब की वर्तमान की

गतिविधियों की जानकारी देते हुये भविष्य में हमेशा प्रगतिशील कार्य करने की बात से सभी को आश्वस्त किया। संजय जैन ने भविष्य में रोटरी क्लब द्वारा की जाने वाली गतिविधियों एवं योजनाओं के बारे में जानकारी दी। विशाल जैन ने नये सदस्यों को रोटरी क्लब से जोड़ने की बात कही। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अखिल मिश्रा ने अपने उदबोधन में रोटरी क्लब दमोह के द्वारा किये जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुये रोटरी क्लब को सेवा कार्य के अलावा अधिक से अधिक संख्या में नये सदस्यों को क्लब से जोड़ने, नियमित मीटिंग आयोजित करने के साथ साथ अन्य बहुआयामी गतिविधियों को आयोजित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जिस तरह एक एक बूंद से घड़ा भरता है उसी तरह रोटरी क्लब दमोह में भी अन्य सदस्यों को जोड़ने के लिये प्रयास किये जाये जिससे रोटरी क्लब दमोह ग्रेटर का सेवा कार्य रूपी अमृतकुंड सदा नि:स्वार्थ भावना से सभी लोगों का कल्याण करता रहे। नियमित मीटिंग आयोजित की जाये जिससे रोटरी क्लब अपने सेवा कार्य के साथ-साथ अन्य प्रगतिशील व्यवहारिक कार्यक्रमों का आयोजन भी करे जिससे रोटरी क्लब के सदस्यों के साथ साथ संपूर्ण समाज का स्वास्थ्यकारी एवं हितकारी विकास हो। रोटरी क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3261 इस तरह के समाजोन्मुखी कार्यक्रम में हर तरह का सहयोग रोटरी क्लब दमोह को प्रदान करेगा। संचालन रोटेरियन राजेंद्र सेठिया ने किया। अंत में सभी अतिथियों एवं सदस्यों का आभार प्रदर्शन किशन लाल हूरा ने किया।

सार-समाचार

2 दिवसीय प्रवास पर रहेंगे प्रभारी मंत्री

सागर, देशबन्धु। उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल आज एवं कल 8 मई को सागर जिले के प्रवास पर रहेंगे। जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन बताया की प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल आज 11 बजे बीना पहुंचेंगे। जहां जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ उनका स्वागत करेंगे। विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों उपरांत प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल देर शाम सागर पहुंचेंगे। कल प्रात: 10 बजे प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल संभागीय भाजपा कार्यालय में पदाधिकारियों के साथ चाय पे चर्चा करेंगे। तत्पश्चात प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

कल नरयावली विधानसभा के 1119 नवयुगल बंधेंगे परिणय बंधन में

सागर, देशबन्धु। कल गुरुवार को रजाखेड़ी बजरिया में नरयावली विधानसभा के मुख्यमंत्री कन्या विवाह सम्मेलन में 1119 नवयुगल दाम्पत्य सूत्र में बंधने जा रहे है। इस भव्य एवं गरिमामय आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वर्चुअल जुड़कर नवयुगलों को शुभाशीष प्रदान करेंगे। उपमुख्यमंत्री एवं सागर जिला प्रभारी राजेंद्र शुक्ल, कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, सांसद लता वानखेड़े, विधायक सहित अतिथि शामिल होंगे।

शास. पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में 10 वीं के आधार पर प्रवेश प्रारंभ

12वीं/आईटीआई पास विद्यार्थियों को सीधे द्वितीय वर्ष में प्रवेश

सागर, देशबन्धु। सहोद्रा राय शास. पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में 30 अप्रैल से प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्रवेश के लिये रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 1 जून है। वर्तमान में महाविद्यालय में तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतर्गत पांच संकायों में कोर्स संचालित हैं। सभी संकायों आर्किटेक्चर एंड इंटीरियर डिजाइन, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, फैशन टेक्नोलॉजी एवं मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट में प्रवेश प्राप्त करने हेतु न्यूनतम अर्हता मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10 वी उत्तीर्ण होना है। प्रवेश हेतु मेरिट सूची 10 वी के अंको के आधार पर तैयार की जायेगी।
महाविद्यालय में संचालित चार संकायों कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, फैशन टेक्नोलॉजी एवं मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट में लेटरल एंट्री के माध्यम से सीधे द्वितीय वर्ष में प्रवेश प्राप्त किया जा सकता है। लेटरल एंट्री के माध्यम से प्रवेश प्राप्त करने की न्यूनतम अर्हता मप्र तकनीकी शिक्षा कौशल विकाश एवं रोजगार विभाग द्वारा जारी की गई नियम पुस्तिका में दर्शाये विषयों में मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वी उत्तीर्ण अथवा सम्बंधित ट्रेड में 2 वर्ष का आईटीआई कोर्स पूर्ण होना अनिवार्य है। विद्यार्थी मपी ऑनलाइन की वेबसाइट के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के पश्चात चॉइस फिलिंग करना अनिवार्य होगा। चॉइस फिलिंग लॉक करने के पश्चात मेरिट सूची जारी होगी एवं मेरिट सूची जारी होने के पश्चात आवंटन सूची जारी की जायेगी।

अवैध परिवहन करने पर 2 डंपर को किया जप्त

सागर, देशबन्धु। एसडीएम भव्या त्रिपाठी, तहसीलदार विकास सिंह देवरी अनुविभाग में पुलिस की सहयोग से कार्यवाही की जा रही है। भव्या त्रिपाठी ने बताया कि डंफर क्र. एमपी 49 जेडवी 7299 मनु किलेदार क्रेसर से अवैध गिट्टी परिवहन करने के कारण जप्त कर पुलिस थाना में अभिरक्षा में रखा गया। इसी प्रकार डंफर क्र. एमपी 15 जेड के 9320 लखन सिंह के क्रेसर से अवैध गिट्टी परिवहन करने के कारण जप्त कर पुलिस थाना में अभिरक्षा में रखा गया।

गत वर्ष से 20 प्रतिशत अधिक रहा परीक्षा परिणाम

कलेक्टर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का किया सम्मान

सागर, देशबन्धु। मंगलवार को माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं एवं बारहवीं परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ। परिणाम की घोषणा होते ही साल भर कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की मेहनत सफल हुई। इस वर्ष का परीक्षा परिणाम एक और मायने में खास रहा क्योंकि गत वर्ष की तुलना में दसवीं के परीक्षा परिणाम में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि 12वीं के परीक्षा परिणाम में 15 प्रतिशत की। गत वर्ष दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम 56.86 प्रतिशत था जबकि इस वर्ष 76.48 प्रतिशत, वहीं 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम गत वर्ष 58.74 प्रतिशत था और इस वर्ष 73.55 प्रतिशत रहा। कलेक्टर ने मंगलवार को कलेक्टर सभा कक्ष में प्रवीण्य सूची में स्थान पाने वाले सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि 10वीं एवं 12वीं परीक्षा में पूरे प्रदेश में जिले का नाम रोशन करने वाले ऐसे सभी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये जिले को गौरवान्वित किया है। कलेक्टर ने सभी विद्यार्थियों का सम्मान किया साथ ही विद्यार्थियों सहित उनके परिजनों, शिक्षकों से संवाद भी किया। उन्होंने विद्यार्थियों की सफलता पर उन्हें बधाई देते हुये उनके भविष्य के लक्ष्य, तैयारियों, रणनीति पर भी चर्चा की और उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान किया।

असफल रहे छात्र निराश न हो, यह अंत नहीं है, मौके और भी हैं: कलेक्टर

कलेक्टर ने ऐसे विद्यार्थियों जो किन्हीं कारण वर्ष परीक्षा में सफल नहीं हो पाये उनसे निराश न होने की और सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह अंत नहीं है, बल्कि मौके और भी हैं। शासन के निर्देश अनुसार एक बार पुन: जून में परीक्षा आयोजित की जायेगी इसमें असफल रहे विद्यार्थी परीक्षा दे सकते हैं। जिसके लिये अभी से तैयारी शुरू कर दें। असफलता के कारण उत्पन्न होने वाले मानसिक तनाव और मनोदशा के लिए स्मार्ट सिटी के आई ट्रिपल सी के माध्यम से मनोचिकित्सक और काउंसलर भी उपलब्ध हैं, जिनसे संपर्क कर विद्यार्थी अपनी समस्या का हल प्राप्त कर सकते हैं।

विधायक ने विभिन्न स्थानों पर विधायक प्याऊ शुरू कराई

सागर, देशबन्धु। विधायक शैलेंद्र जैन द्वारा इस भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुये शहर के विभिन्न स्थानों पर लोगों की प्यास बुझाने के उद्देश्य से शीतल जल हेतु प्याऊ शुरू किये अभी शहर में लगभग 10 स्थानों पर प्याऊ का संचालन शुरू हो गया है। नगर के लगभग सभी सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ शुरू की जायेगी।

ढाबों पर बिक रही अवैध शराब आबकारी विभाग ने की कार्रवाई

रहली, देशबन्धु। जिला वार हुई शासकीय शराब दुकानों के बाद अब अवैध शराब की धड़पकड़ शुरू हो गई है और आबकारी विभाग लंबी नीद के बाद जाग कर फिल्ड पर नजर आने लगा है इसके पहले ब्लाक स्तर पर ठेका प्रणाली थी और अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने के लिये पुलिस प्रशासन ही मशक्कत करता नजर आ रहा था, मंगलवार को आबकारी विभाग की टीम द्वारा कुछ ढाबो पर दबीश दी गई और अवैध शराब पकड़ी। हलांकि टीम द्वारा मौके पर कोई कार्यवाही नहीं की गई जप्त माल गाड़ियों में भरकर वेयर हॉउस ले गये और वही कागजी कार्यवाही कर केस दर्ज करने की बात कही। आबकारी अधीक्षक सियाराम चौधरी ने बताया की उच्चाधिकारियों के निर्देशन में रहली सागर मार्ग पर अंश ढाबा, यादव ढाबा, फौजी ढाबा सहित अन्य स्थानों पर कार्यवाही की गई। जहां अवैध शराब जप्त की गई यह शराब यहां कहा से आई है इसकी जांच अभी चल रही है, कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। शासकीय शराब दुकानों पर बिकने वाली शराब वैध कही जाती है और ढाबो या अन्य स्थानों पर बिकने वाली शराब अवैध, चार स्थानों की कार्यवाही में सभी ढाबो पर ज्यादा मात्रा रहली शासकीय शराब दुकान की और कम मात्रा में जिले से बाहर की दुकानों की पाई गई है जिसका मिलान करने के लिये रहली शासकीय शराब दुकान के मैनेजर यादव सहित टीम ने मौके पर रहे।

12 वीं बायोलॉजी की छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

शाहगढ़, देशबन्धु। मंगलवार को एमपी बोर्ड का रिजल्ट निकलने और कम नंबर आने पर कक्षा 12वीं बायोलॉजी की छात्रा द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शाहगढ़ थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

कम नंबर आने पर उठाया आत्मघाती कदम

जानकारी अनुसार नगर के शासकीय स्कूल में अध्यनरत खरगाटोरा गांव की 17 वर्षीय छात्रा का कक्षा 12 वीं में नंबर कम आने से आहत होकर घर में ही फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार को रिजल्ट घोषित होने के बाद जब परिजन नीचे अपने कमरे में व्यस्त थे तभी छात्रा ने बाहर के एक कमरे में फांसी का फंदा लगाकर लटक गई। परिजनों को जानकारी लगते ही छात्रा को फंदे से उतारकर शाहगढ़ अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने चेकअप के बाद मृत घोषित कर दिया। छात्रा के भाई शिवा आदिवासी ने बताया कि रिजल्ट घोषित होते ही बहिन के पास उसके नंबर को लेकर फोन आने लगे थे अन्य सहपाठियों के नंबर अधिक होने और खुद के 60 प्रतिशत नंबर आए थे, उसने किसी से कुछ नहीं बोला और कमरे में चली गई जब कमरे से बाहर नहीं आई तो हम लोगों ने अंदर जाकर देखा तो बहिन फंदे पर झूली हुई थी। परिजनों का कहना है कि छात्रा ने यह कदम रिजल्ट से आहत होकर उठाया है। घर में सभी लोग थे, लुडयारा स्कूल में पदस्थ छात्रा के पिता प्रकाश आदिवासी खुद का ईलाज कराने सागर में थे घर में मां तीन बहनें और भाई आदि सभी परिवार था। जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी है।

तपती धूप में दंडवत होकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे पिता-पुत्र

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में एक अनोखा दृश्य देखने को मिला, जहां पिता-पुत्र दंडवत होते हुये जनसुनवाई स्थल तक पहुंचे। तपती धूप में सिद्दू यादव और उनके बेटे जागेश यादव ने जमीन पर सरे भरते हुये अपनी व्यथा प्रशासन तक पहुंचाई। ग्राम पड़रिया निवासी जागेश यादव ने बताया कि उनकी 15 डीसमिल जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है। नायब तहसीलदार परसोरिया ने 4 दिसंबर 2024 को खसरा नंबर 841 रकबा 0.06 हेक्टेयर भूमि से मानसिंह यादव, जसवंत, मिट्ठू और गोकल यादव को बेदखल कर आवेदक को कब्जा सौंपने का आदेश दिया था। आदेश में सात दिन में कब्जा दिलाने की बात कही गई थी, लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। जागेश ने बताया कि वे सात बार जनसुनवाई में आवेदन दे चुके हैं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। मजबूर होकर आज भीषण गर्मी में बुजुर्ग पिता के साथ दंडवत होकर न्याय की गुहार लगाने आये हैं। उनकी मांग है कि प्रशासन अवैध कब्जाधारियों को बेदखल कर उन्हें जमीन का कब्जा दिलाये। तहसीलदार कोर्ट से अवैध कब्जा हटाने का आदेश होने के बावजूद कार्यवाही न होने से पीड़ित परिवार को इस अनूठे विरोध प्रदर्शन का सहारा लेना पड़ा।

एमएलबी स्कूल से डिग्री कॉलेज रोड होगी आदर्श रोड

सागर, देशबन्धु। एमएलबी स्कूल से डिग्री कॉलेज चौराहे तक लगभग सी आकार में रोड का निर्माण दो चौराहों और दो तिराहों को जोड़ने वाली आदर्श सड़क के रूप में किया जा रहा है एमएलबी स्कूल होते हुये दादा दरबार रोड, पीटीसी ग्राउंड के पीछे वाली रोड और एकता कॉलोनी रोड को जोड़ने वाले चौराहे से लेकर होटल रैनबसेरा डिग्री कॉलेज चौराहे तक नवनिर्मित रोड के निर्माणाधीन कार्यों का निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने निरीक्षण किया। इन दो चौराहों के मध्य संगीत विद्यालय रोड को जोड़ने वाला तिराहा एवं एक अन्य तिराहे पर गोपालगंज की ओर जाने वाला रास्ता जुड़ता है। लगभग 250 मीटर लंबाई के इस रोड पर वर्तमान संचालित बस स्टैण्ड, डिग्री कॉलेज, सिटी स्टेडियम एवं सीएम राईज स्कूल, एमएलबी स्कूल, जैन हाई स्कूल आदि के कारण वाहनों की आवाजाही के साथ ही सड़क पर पैदल यात्रियों की भी अधिक संख्या होती है। इस वस्तु स्थिति और भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुये रोड की कुल चौड़ाई को बढ़ाया गया है। वाहनों के निर्वाध आवागमन हेतु रोड पर डिवाईडर के दोनो ओर लगभग 9-9 मीटर के कैरिजवे सहित पर्याप्त चौड़ाई के पाथवे का निर्माण किया गया है। रोड किनारे वाहनों की सीमित और व्यवस्थित पार्किंग हेतु सिटी स्टेडियम साईड 9 मीटर कैरिजवे के बाद उपलब्ध लगभग ढ़ाई मीटर जगह पर लाईन मार्किंग कर पार्किंग एरिया तैयार किया जायेगा। निगमायुक्त ने उक्त रोड निर्माण अंतर्गत सभी शेष बचे कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश देते हुये कहा की डिवाईडर पर लगाये गये पौधों की सतत् देखरेख करें और रोड के किनारे स्थापित समुद्र मंथन व राजस्थानी छतरियों आदि के फ्लोर पर पत्थर लगाने का कार्य भी पूरा करें। इस सड़क को सागर की आदर्श सड़क के रूप में विकसित करने के लिये हर संभव जरूरतों का विशेष ध्यान रखते हुये सभी निर्माण कार्य, लाईटिंग कार्य व साज सज्जा के कार्य समय से पूरी गुणवत्ता के साथ पूरे करें ताकि नागरिकों को इस सुव्यवस्थित व सुंदर सड़क का लाभ मिले। उन्होंने छतरियों एवं समुद्र मंथन के आसपास खाली पड़े स्पेश को भी सुंदर लैंडस्कैपिंग कर आकर्षक बनाने के निर्देश दिये।

मॉक पोल पेपर लेस चुनाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम : कलेक्टर

सागर, देशबन्धु। कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के दौरान आगामी स्थानीय चुनावों को और अधिक सुगम, पारदर्शी एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। स्थानीय निर्वाचन, सागर द्वारा इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम का सफल प्रदर्शन एवं मॉक पोल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जीआर सहित विभिन्न दलों के प्रतिनिधि, मीडियाकर्मी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उपस्थित लोगों को इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम की कार्यप्रणाली से अवगत कराना था, जिसके तहत मतदान प्रक्रिया को पूर्णत: पेपरलेस बनाने की परिकल्पना की गई है। इस सिस्टम में मतदाता पहचान, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन ईवीएम का संचालन, मतदान कर्मियों का प्रबंधन एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को डिजिटल माध्यम से एकीकृत किया गया है। डॉ. अमर कुमार जैन ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान सिस्टम के विभिन्न पहलुओं जैसे मतदाता सूची का कम्प्यूटर के माध्यम से सत्यापन, बूथ पर विभिन्न प्रपत्रों का संधारण आदि को विस्तार से मास्टर ट्रेनर आनंद मंगल बोहरे, तकनीकी जानकारी मनीष माहौर, मुकेश पटेल, ईव्हीएम द्वारा वोटिंग प्रक्रिया को परमानंद सेन द्वारा विस्तारपूर्वक समझाया गया। स्थानीय निर्वाचन पर्यवेक्षक बेनीप्रसाद प्रजापति द्वारा मॉक पोल हेतु समस्त व्यवस्थायें सुनिश्चित की गईं। उपस्थित लोगों ने इस आधुनिक तकनीक के उपयोग से मतदान प्रक्रिया की गति, सटीकता एवं सुरक्षा में होने वाले सुधारों की सराहना की। इसके पश्चात मॉक पोल का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित प्रतिभागियों ने स्वयं डिजिटल माध्यम से वोट डालकर इस नई प्रणाली का अनुभव प्राप्त किया। मॉक पोल के दौरान प्रतिभागियों ने अपने प्रश्न एवं सुझाव भी प्रस्तुत किये, जिनका संबंधित अधिकारियों द्वारा समाधान किया गया। एडीएम एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी रूपेश उपाध्याय ने इस अवसर पर कहा कि यह इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम निश्चित रूप से स्थानीय चुनाव प्रक्रिया में एक क्रांतिकारी बदलाव लायेगा। यह प्रक्रिया न केवल मानव संसाधनों का सदुपयोग करेगी बल्कि मतदान को अधिक सुगम और त्रुटि रहित बनायेगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि हमारा लक्ष्य है कि आगामी स्थानीय चुनावों में इस सिस्टम को सफलतापूर्वक लागू किया जाये। आज का प्रदर्शन एवं मॉक पोल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एम्बुलेंस में खीचला-पापड़ मिलने की घटना पर चालक की सेवा समाप्त

सागर, देशबन्धु। सीएमएचओ डॉ. ममता तिमोरी के अनुसार 02 मई को प्रकाशित समाचार शाहपुर में अस्पताल में नहीं मिले डॉक्टर, रेफर करने पर बुलाई एम्बुलेंस में भरे मिले खीचला-पापड़ पर प्रशासन ने एम्बुलेंस सेवा की गंभीर लापरवाही को देखते हुये त्वरित जांच के निर्देश जिला प्रबंधक 108 जेएईएस सागर को दिये। जांच प्रतिवेदन के अनुसार एम्बुलेंस वाहन क्र. सीजी 04 एनटी 1842, लोकेशन शाहपुर चौकी के चालक सोनू लोधी की लापरवाही प्रमाणित पाई गई। जिला प्रबंधक 108 कृष्णा गौर द्वारा प्रतिवेदन दिया गया जिसके अनुसार संबंधित वेंडर ने चालक की सेवा को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है। डॉ. ममता तिमोरी ने स्पष्ट निर्देश दिये कि भविष्य में इस प्रकार की कोई भी लापरवाही सहन नहीं की जायेगी। उन्होंने सभी एम्बुलेंस कर्मचारियों को सख्त हिदायत दी कि वाहन में अनधिकृत सामग्री न रखी जाये और नागरिकों को समय पर, व्यवस्थित और आपातकालीन सेवायें उपलब्ध कराई जायें।

बंदरों का आतंक, लोग घरों के ऊपर कांटों वाली झाड़ियां लगाने को मजबूर

जैसीनगर, देशबन्धु। इन दिनों जैसीनगर में बंदरों का बड़ा आतंक है, जिससे लोग काफी परेशान है, बंदरों की धमा चौकड़ी से लोगों के घरों के ऊपर के छप्पर, चद्दर कच्चे मकान के खप्पर क्षतिग्रस्त हो गये हैं, जिससे परेशान होकर अब लोग घरों के ऊपर कांटे वाली झाड़ियां लगाने को मजबूर हैं। सबसे ज्यादा बंदरों का आतंक चौक बाजार, बस स्टेण्ड, नई कॉलोनी, ढ़ेंगे बाबा सहित अन्य मोहल्ले में है, चौक बाजार में बंदर सब्जी की दुकानों से सब्जियां उठा कर ले जाते हैं। स्थानीय गोविंद चौरसिया का कहना है कि बंदरों से काफी परेशान है इसकी शिकायत वन विभाग और 181 में भी कर चुके हैं तो वन विभाग के कर्मचारियों का शिकायत वापस लेने के लिये फोन आता है अब अधिकारियों को कौन बतायें कि हम लोग बंदरों से कितने परेशान है और वन विभाग बंदरों को नहीं पकड़ रहा। वही विजय यादव का कहना है कि बंदरों की धमा चौकड़ी से लोग काफी परेशान है। कच्चे घरों के खप्पर, चद्दर बंदर तोड़ देते हैं, छतो पर बच्चे महिलायें खड़े नहीं हो पाते, महिलायें कपड़ों को सूखने छत पर नहीं डाल पाती, अनाज बगैरह सूखने के लिये रखते हैं तो बंदर खा जाते हैं, उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि बंदरों को पकड़वाकर दूर जंगल में छुड़वाना चाहिये ताकि गांव के लोगों को बंदरों की धमा चौकड़ी से राहत मिले।

पं. रविशंकर शुक्ल विद्यालय का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी की 536 छात्राएं हुई प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण

सागर, देशबन्धु। ईएफए पं. रविशंकर शुक्ल शा. क. उ. मा. विद्यालय में कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहने पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेन्द्र प्रताप तिवारी ने बताया कि 12 वीं में 355 में से 348 तथा 10 वीं में 191 में से 188 छात्रायें प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण रहीं। कक्षा 12 वीं बोर्ड परीक्षा में विज्ञान, गणित, वाणिज्य, व्यावसायिक शिक्षा में सभी छात्रायें प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुईं जिसमें विज्ञान समूह की सभी 81, गणित की 35, वाणिज्य की 24, कला समूह की 208 छात्रायें प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई हैं। हाईस्कूल परीक्षा में 191 छात्राओं में से 188 छात्रायें प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुईं। एआई, आईटी एवं ब्यूटी विषय की छात्राओं का भी परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा जिसमें सभी छात्राओं ने विशेष योग्यता अर्जित की है। कक्षा 10 वीं की जिया यादव ने 95 प्रतिशत, हिमांशी साहू ने 94 प्रतिशत, राधिका कोरी तथा मानसी राकेश सेन ने 93 प्रतिशत, काजल काछी, दीपिका साहू, हर्षिता साहू ने 92 प्रतिशत, कृतिका कोष्टी, प्रकृति जैन, रश्मि अहिरवार ने 91 प्रतिशत, गीता कुर्मी, ओजस्विनी विश्वकर्मा ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये। इसी तरह कला समूह में नंदिनी कुर्मी ने 91, गणित संकाय में आयूषी सोनी ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। इस अवसर पर उपस्थित अभिवावकों ने विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये इसका श्रेय विद्यालय द्वारा संचालित दस्तक अभियान एवं शिक्षा सरोकार योजना को दिया जिसमें बोर्ड परीक्षा के विद्यार्थियों को स्कूल के उपरांत एवं अवकाश के दिवसों में भी आवश्यकतानुसार घर पर अध्यापन करवाया जाता है। केवायएस (अपने विद्यार्थी को जाने) योजना के माध्यम से शिक्षक अपने विद्यार्थियों की पारिवारिक पृष्ठभूमि से परिचित होकर उनका यथा योग्य मार्गदर्शन करते हैं जिसके परिणामस्वरूप विद्यालय का परीक्षा परिणाम इस वर्ष भी शत-प्रतिशत रहा। विद्यालय की छात्राओं की इस सफलता के लिये विद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेन्द्र प्रताप तिवारी, बोर्ड प्रभारी संदीप राय, प्रभारी शिक्षिका मालिनी जैन, रंजीता जैन, सरोज जैन, रिंकी राठौर, नीता मिश्रा, दीपेश दांगी, सुमित सिंह राठौड़, ट्विंकल ताम्रकार, डॉ. ख्याति बेलापुरकर, रितु कटारे आदि ने छात्राओं को माला पहनाकर एवं उनके पालकों को मिठाई खिलाकर बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली *
प्रबंध संपादक डॉ. योगेश दत्त तिवारी फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in प्रेस पंजीयन- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।